■ उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-8 अंक-15)
पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 15 मई ,2023

दूसरी बार महापौर बनीं प्रमिला पांडेय, 177846 वोटों से जीतीं

विधायक की गुंडई, थाने में पुलिस के सामने भाजपा नेता को बुरी तरह पीटा

फिल्म में नहीं फौज में जाना चाहते थे शाहरुख खान

न्यूज संक्षिप्त

सीबीआई के नए डायरेक्टर बनाएगए डीजीपी प्रवीण सूद

कर्नाटक के डीजीपी प्रवीण सूद को सेंट्रल ज्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के नए डायरेक्टर बनाए गए है। प्रवीण सूद 1986 बैच के अधिकारी है, जिनका नाम सीबीआई डायरेक्टर बनाए जाने की सूची में सबसे आगे था। उन्हें दो वर्ष के लिए इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बता दें कि वर्तमान में सीबीआई के डायरेक्टर सुबोध कुमार जायसवाल है जिनका कार्यकाल 25 मई को समाप्त होने जा रहा है। संभावना है कि इसी दिन प्रवीण सूद भी अपना पदभार ग्रहण कर सकते है। बता दें कि प्रवीण सूद के नाम पर मुहर लगने से पहले सिलेक्शन कमेटी की बैठक शनिवार को हुई थी। माना जा रहा है कि इस बैठक में तीन नाम फाइनल हुए थे जिसमें डीजीपी सुधीर सक्सेना और सीनियर आईपीएस ताज हासन का नाम शामिल था। वहीं रविवार को प्रवीण सूद के नाम पर मुहर लगी है। कहा जा रहा है कि तीनों में सूद सबसे वरिष्ठ थे।

डीके शिवकुमार को बनाने की मांग कर रहे समर्थक

कांग्रेस ने शनिवार को स्पष्ट बहुमत के आंकड़े से अधिक सीटें हासिल की हैं। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत न सिर्फ उसके सियासी रसूख को बढ़ाने वाली है, बल्कि 2024 के लोकसभा के चुनाव में उसकी उम्मीदों तथा विपक्षी एकजुटता की पूरी कवायद में उसकी हैसियत को और ताकत देने वाली साबित हो सकती है।कर्नाटक में विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद अब कांग्रेस पार्टी में मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार चुनने की कवायद शुरू हो गई है। पार्टी की तरफ से मुख्यमंत्री पद की रेस में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार का नाम सबसे ऊपर चल रहा है। दोनों को लेकर अब बैठक में चर्चा होगी जिसके बाद एक को चुना जाएगा।बता दें कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री चुनने को लेकर दिल्ली में भी चर्चा की जानी है। इस चर्चा के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी दिल्ली पहुंच चुके है।

पद छोड़कर पीटीआई में शामिल हो जाएं पाक के चीफ जस्टिस - मरियम

इस्लामाबाद। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की मुख्य संयोजक मरियम नवाज इमरान खान की गिरफ्तारी को रद्द करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले से चीफ जस्टिस पर भड़क गई है। मरियम ने कहा है कि आपको मुख्य न्यायाधीश का पद छोड़कर अपनी सास की तरह तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) में शामिल हो जाना चाहिए। समा टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, मरियम ने एक ट्वीट में यह बयान शीर्ष अदालत द्वारा इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के परिसर से इमरान खान की गिरफ्तारी को 'अवैध' करार देते हुए रिहा करने के आदेश के ठीक बाद दिया है।

यूक्रेन की राजधानी, खार्किव में हुए कई धमाके

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव और खार्किव क्षेत्र में शनिवार देर रात विस्फोटों की आवाज सुनी गई। यूक्रेन के मीडिया में यह जानकारी दी गयी। कीव में हवाई हमले की चेतावनी जारी की गई। देश के डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय के हवाई हमले के आंकड़ों के अनुसार पूरे यूक्रेन में हवाई हमले के सायरन बजाये गये। यूक्रेन की एक समाचार वेबसाइट ने स्थानीय अधिकारियों का हवाला देते हुए कहा कि शनिवार देर रात कीव और खार्किव क्षेत्र में विस्फोटों की आवाज सुनी गई। टीएसएन टीवी चैनल ने भी खार्किव में धमाकों की आवाज सुनाई।

बीजेपी की हार पर संजय राउत का तंज

मोदी लहर खत्म! कर्नाटक तो झांकी हैं, पूरा हिंदुस्तान बाकी है...

मुंबई। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत के बाद शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने बीजेपी को आड़े हाथों लिया है। राज्यसभा सांसद राउत ने रविवार को बीजेपी पर निशाना साधते हुए दावा किया कि देश में 'मोदी लहर' खत्म हो गई है। कांग्रेस को कर्नाटक में भारी जनादेश मिला है और पिछले तीन दशकों में राज्य में पार्टी की सबसे बड़ी जीत हुई है।उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने मुंबई में एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, देश में मोदी लहर खत्म हो गई है और अब हमारी बारी है। अब हमारी लहर देश में आने वाली है। राउत ने तंज कसते हुए कहा, कर्नाटक तो झांकी हैं अभी पूरा हिंदुस्तान बाकी है।

कर्नाटक ने दिखाया है कि जनता तानाशाही को पराजित कर सकती है... कांग्रेस जीत गई जिसका मतलब बजरंग बली का कांग्रेस के साथ था। हमारे गृह मंत्री (अमित शाह) बोल रहे थे कि भाजपा हार गई तो दंगे होंगे। कर्नाटक शांत हैं और खुश है। कहां हैं दंगे?

तानाशाही हार गई

बीजेपी पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस की जीत ने पूरे देश में पार्टी के लिए एक दरवाजा खोल दिया है और कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे बताते हैं कि तानाशाही हार गई है। हम कर्नाटक के लोगों को धन्यवाद देते हैं।

बजरंग बली कांग्रेस के साथ

बजरंग बली विवाद पर राउत ने कहा, बजरंग बली ने निश्चित रूप से कर्नाटक के चुनाव प्रचार में हिस्सा लिया है, लेकिन उन्होंने जनता के साथ प्रचार किया और कांग्रेस जीत गई, जिसका अर्थ है कि बजरंग बली बीजेपी के साथ नहीं बल्कि कांग्रेस के साथ थे। राउत ने यह भी दावा किया कि कर्नाटक चुनाव में जो कुछ भी हुआ है, ठीक वैसा ही 2024 के लोकसभा चुनाव में होने वाला है।

बीजेपी सत्ता से बाहर!

चुनाव आयोग के मुताबिक, बीजेपी को उसके एकमात्र दक्षिणी राज्य की सत्ता से बेदखल करते हुए कांग्रेस ने 135 सीटें जीतीं। जबकि बीजेपी 224 सदस्यीय राज्य विधानसभा की 66 सीटें जीतने में ही कामयाब रही। उधर, जनता दल-सेक्युलर को 19 सीटों पर सफलता मिली। दो सीटों पर निर्दलीय जीते हैं।

शरद पवार के आवास पर अघाड़ी की अहम बैठक

उद्धव ठाकरे गुट के नेता संजय राउत ने बताया कि महाविकास अघाडी की एनसीपी प्रमुख शरद पवार के आवास पर बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में उद्धव ठाकरे, नाना पटोले, अजित पवार, बालासाहेब थोराट और अन्य नेता शामिल होंगे।

अशोक गहलोत ने अब फिर दिया बयान

राजे को लेकर कहा-वो खतरनाक है, उनसे तालमेल नहीं

राजस्थान में इन दिनों राजनीति काफी गर्म है। राजस्थान की भाजपा नेता और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के साथ सांठ गांठ के आरोपों को राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने इस मुद्दे पर चुप्पी तोड़ते हुए अपने ऊपर लग रहे आरोपों पर जवाब दिया है।राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से 'अच्छे तालमेल' के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए शनिवार को कहा कि बीते 15 साल में उनकी राजे से 15 बार भी बातचीत नहीं हुई। गहलोत ने कहा कि उनके भाजपा नेता राजे से बातचीत वाले रिश्ते कभी नहीं रहे और लोग बेवजह कह रहे हैं कि? वे (गहलोत व राजे) मिले हुए हैं। गहलोत ने यह भी कहा कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' नीति का पालन करती है। मुख्यमंत्री का यह बयान कांग्रेस नेता सचिन पायलट द्वारा भ्रष्टाचार व राजस्थान में सरकारी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के खिलाफ जनसंघर्ष पदयात्रा के बीच आया है।गौरतलब है कि गहलोत ने बीते रविवार को धौलपुर में एक कार्यक्रम में दावा किया था कि 2020 में कांग्रेस के कुछ विधायकों की बगावत के बावजूद सरकार बच गई क्योंकि भाजपा नेता वसुंधरा राजे व कैलाश मेघवाल ने धन बल के माध्यम से एक चुनी हुई सरकार को गिराने के षड्यंत्र का समर्थन करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राजे ने शुक्रवार को कहा कि गहलोत द्वारा उनकी (राजे) तारीफ सद्भावना नहीं, दुर्भावना से की गई टिप्पणी है।

द्वादश ज्योतिर्लिंग सांस्कृतिक दृष्टि से हमें एकता के सूत्र में जोड़ते हैं: योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को भगवान भोलेनाथ की महिमा का बखान करते हुए कहा कि द्वादश ज्योतिर्लिंग हमारी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत होने के साथ सांस्कृतिक दृष्टि से हमें एकता के सूत्र में जोड़ते हैं। रविवार को गोरखनाथ मंदिर में आयोजित सप्त दिवसीय श्री विष्णु महापुराण कथा के विश्राम दिवस पर व्यासपीठ के समक्ष अपने संबोधन में गोरक्षपीठ के महंत और मुख?यमंत्री योगी ने कहा,

आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो संपूर्ण सृष्टि पर भोलेनाथ की कृपा है और देश में उत्तर से दक्षिण तक, पूरब से पश्चिम तक भगवान शिव के ज्योतिर्लिंग व मंदिर हैं।उन्होंने कहा, द्वादश ज्योतिर्लिंग हमारी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत होने के साथ सांस्कृतिक दृष्टि से हमें एकता के सूत्र में जोड़ते हैं। योगी ने कहा पूरब में बैद्यनाथ धाम है तो पश्चिम में सोमनाथ धाम। काशी में बाबा विश्वनाथ धाम तो मध्य प्रदेश में महाकालेश्वर व ओंकारेश्वर धाम। उत्तर के हिमालय पर केदारनाथ विराजमान हैं तो सुदूर दक्षिण में रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के रूप में भगवान शिव का आशीर्वाद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम ने लंका पर विजय प्राप्त करने के लिए रामेश्वरम में सेतुबंध का निर्माण किया था और इसके लिए उन्होंने यहीं पर शिव जी की आराधना की थी। भगवान श्रीराम ने महादेव की महिमा बताते हुए कहा था कि शिव द्रोही के लिए धरती पर कोई जगह नहीं है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भगवान शिव भोले हैं, वह बहुत शीघ्र भक्तों पर अनुग्रह करते हैं। प्राचीन काल से ही सुर-असुर दोनों ने उनकी पूजा की। यह उनका महात्म्य है तभी वह महादेव कहलाते हैं। शिव का अर्थ ही है कल्याण। उन्होंने कहा कि आप सभी श्रद्धालु सौभाग्यशाली हैं कि आपको एक सप्ताह से शिवावतार गुरु गोरखनाथ की साधना स्थली पर श्री शिव महापुराण के मर्मज्ञ संत बालक दास के श्रीमुख से देवाधिदेव महादेव के विभिन्न रूपों के महात्म्य के श्रवण का अवसर प्राप्त हुआ। आधिकारिक रूप से रविवार को जारी एक बयान के अनुसार योगी ने कथा व्यास के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भगवान गोरखनाथ से सभी को कथा ज्ञान यज्ञ का पुण्य प्राप्त होने तथा सबके मंगलमय जीवन की प्रार्थना की।

अकोला में खूनी झड़प में 1 की मौत, 30 दंगाई गिरफ्तार, सरकार ने दिए जांच के आदेश

मुंबई। महाराष्ट्र के अकोला जिले के 'ओल्ड सिटी' इलाके में शनिवार रात को विवादित फेसबुक पोस्ट को लेकर दो समुदायों के बीच खूनी झड़प हुई। इस दौरान हिंसक भीड़ ने कई वाहनों और दुकानों को नुकसान पहुंचाया और आग के हवाले कर दिया। जिसके बाद शहर में भारी पुलिसबल तैनात कर धारा-144 लगाई गई है। फिलहाल पूरे जिले में स्थिति नियंत्रण में है। इस हिंसा के संबंध में करीब 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

जानकारी के मुताबिक, पुराना शहर थाना क्षेत्र में सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर संवेदनशील 'ओल्ड सिटी' इलाके में शनिवार को रात करीब साढ़े 11 बजे दो गुटों में हिंसक झड़प हो गई। पुलिस ने दंगाइयों को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोलों का इस्तेमाल किया। अकोला के पुलिस अधीक्षक संदीप घुगे (स्ड्डठ्ठस्रद्दद्गश्च त्नद्धह्वद्दद्ग) ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। पुलिस ने हालात सामान्य करने के लिए क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाया है।

पुलिस अधिकारी ने कहा, ""फेसबुक पर किये गए एक धार्मिक पोस्ट के वायरल होने के बाद दो समुदायों के बीच झड़प हो गई। इस झड़प में एक व्यक्ति की मृत्यु हुई है। अब तक 26 लोगों को हिरासत में लिया गया है। झड़प में 8 लोग घायल हुए हैं, जिसमें दो पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। मौके पर स्थानीय पुलिस बल, दंगा नियंत्रण दल तैनात हैं। साथ ही वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद हैं।

जिला मजिस्ट्रेट नीमा अरोड़ा ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए शहर के चार पुलिस थाना क्षेत्रों में आपराधिक दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 लागू करने का आदेश दिया है। जबकि राज्य रिजर्व पुलिस के एक हजार कर्मियों को अकोला शहर में तैनात किया गया है।

भाजपा के लूटतंत्र से हारे चुनाव, हमारे मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिया गया: अखिलेश यादव

एटा पहुंचे अखिलेश यादव ने अधिकारियों पर आरोप लगाय कि उन्होंने सरकार के दवाब में हमारे जीते हुए प्रत्याशियों को सर्टिफिकेट न देकर भाजपा के हारे हुए प्रत्याशियों को दे दिया।

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव हारने के बाद अखिलेश यादव ने सरकार और भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला है। रविवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए एटा पहुंचे सपा प्रमुख ने चुनाव में अधिकारियों के इस्तेमाल से लेकर उनके मतदाताओं को वोट न देने देने का आरोप लगाया है। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों पर सपा प्रत्याशियों को हराने का आरोप लगाया है।

हमारे मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिए

रविवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अखिलेश यादव एटा पहुंचे थे। यहां उन्होंने सर्किट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए भारतीय जनता पार्टी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि निकाय चुनाव में भाजपा का लूटतंत्र सामने आया है। जगह-जगह बेईमानी हुई। जिन सीटों पर हम हारे हैं, वहां हमारे मतदाताओं को वोट नहीं डालने दिए। हमारे जो प्रत्याशी जीते उन्हें सर्टिफिकेट न देकर भाजपा के हारे हुए प्रत्याशियों को दे दिया गया।

मैनपुरी में ष्ठरूने झूठा आश्वासन दिया

निकाय चुनाव में मिली हार के बाद सपा प्रमुख ने अधिकारियों पर भी भड़ास निकाला। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को भाजपा ने अपनी पार्टी का सदस्य बना लिया है। जिले के अधिकारी भारतीय जनता पार्टी के एजेंट के तौर पर काम कर रहे है। मैनपुरी में मतगणना के दौरान जब गड़बड़ी सामने आई तो मैंने वहां के ष्ठरूसे बात किया तो उन्होंने न्याय का झूठा आश्वासन दिया। लेकिन सत्ता और भाजपा के दबाव में कुछ नहीं किया।अखिलेश यादव ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव में जमकर धांधली हुई है। यूपी में सरकार का नहीं भाजपा का कानून चलता है। भाजपा का लक्ष्य सिर्फ जीत है, चाहे उसके लिए उसे किसी भी प्रकार का कोई भी हथकंडा अपनाना पड़े। सबने देखा कि कैसे स्रूष्ट चुनाव में हमारे प्रत्याशियों के साथ मारपीट किया गया। उनके कपड़े तक फाड़ दिए गए।

इस बार निकाय चुनाव में पूरे प्रदेश में यही हुआ। हमारे प्रत्याशियों पर दबाव बनाकर उन्हें पर्चा दाखिल नहीं करने दिया गया। एटा में सपा का प्रत्याशी चुनाव जीत गया था। लेकिन उसे अधिकारियों ने अपने पास बिठा लिया और प्रमाणपत्र भाजपा के प्रत्याशी को दे दिया। प्रदेश में लोकतंत्र की हत्या की जा रही है।

देश के हर कोने को जोड़ रही वंदे भारत एक्सप्रेस, विकास को मिल रही रफ्तार

भारतीय रेल को न सिर्फ देश बल्कि दुनिया में सर्वश्रेष्ठ बनाने की दिशा में तेजी से काम चल रहा है। स्वदेशी वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की बात हो या ट्रेन हादसे को रोकने के लिए सुरक्षा कवच तैयार करना हो आज के समय में भारत के योग्य इंजीनियरों ने सारी सुविधाएं देश में ही तैयार की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ना सिर्फ आत्मनिर्भर बन रहा है बल्कि तेज गति से विकास भी कर रहा है। भारत में बीते नौ वर्षों के दौरान रेलवे ने दमदार तरक्की की है। आज के समय में देश को हाईस्पीड कनेक्टिविटी मिली है तो विदेशों में इसकी मांग भी बढ़ रही है। देश में हाई स्पीड कनेक्टिविटी की बढ़ती मांग की पूर्ति के लिए तेजी से काम चल रहा है।भारत में हाई स्पीड कनेक्टिविटी का काम की गति का अंदाजा इससे लग सकता है कि भारत में अप्रैल के महीने में ही चार वंदे भारत ट्रेनों की शुरुआत की गई है। देश में एक से 12 अप्रैल के बीच चार वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों को पीएम मोदी ने हरी झंडी दिखाई है। बता दें कि ये सेमी हाई स्पीड ट्रेन मध्य प्रदेश, राजस्थान, यूपी, दिल्ली समेत कई राज्यों में दौड़ रही है। आने वाले दिनों में कई नए रूटों पर इस ट्रेन की शुरुआत होनी है। हाल ही में दक्षिण के राज्य को भी वंदे भारत ट्रेन की सौगात मिली है।

कर्नाटक में हार के बाद पीएम, गृहमंत्री को मणिपुर में शांति बहाली पर ध्यान देना चाहिए : कांग्रेस

गुवाहाटी। उत्तर पूर्व कांग्रेस समन्वय समिति (एनईसीसीसी) ने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हार के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को 'राजधर्म' का पालन करना चाहिए और राज्य में शांति बहाल करने पर ध्यान देना चाहिए। मणिपुर में हुई हिंसा हाल के दिनों में राज्य की राजनीति का ध्रुवीकरण किए जाने की 'गलतियों' का परिणाम है। एनईसीसीसी के महासचिव दिगंत चौधरी ने कहा कि कर्नाटक के जनादेश से पता चलता है कि दक्षिणी राज्य के लोगों ने नफरत की राजनीति के बजाय प्यार की राजनीति को अपनाया है और सामाजिक सद्भाव और आर्थिक विकास के लिए मतदान किया है।

चौधरी ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस आम लोगों के सामने आने वाले मुद्दों- जैसे बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, मूल्यवृद्धि आदि पर चुनाव मैदान में उतरी, जबकि भाजपा की 'डबल इंजन' सरकार धन बल और सांप्रदायिक राजनीति पर निर्भर थी।

बयान में कहा गया है, एनईसीसीसी कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की सराहना करती है, जिनकी भारत जोड़ो यात्रा ने घृणा पर प्रेम की सर्वोच्चता स्थापित करने और सामाजिक सद्भाव स्थापित करने की जरूरत में उत्प्रेरक की भूमिका निभाई है, जो देश को आर्थिक समृद्धि की ओर ले जाएगा।

उन्होंने कहा कि एनईसीसीसी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, केपीसीसी के सभी नेताओं और अन्य कांग्रेस नेताओं के प्रति भी अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करती है, जो राज्य में पार्टी को शानदार जीत दिलाने के लिए कांग्रेस की रणनीति और अभियान का अभिन्न अंग थे।

शनिवार रात भारत निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के अनुसार, कांग्रेस ने 224 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 136 सीटों पर जीत हासिल कर कर्नाटक में सत्ता में वापसी की। भाजपा ने 65 सीटें जीतीं, जबकि जनता दल (सेक्युलर) ने 19 सीटें हासिल कीं।

कर्नाटक इलेक्शन में क्यो हारी बीजेपी, जल्द करेगी विस्तृत विश्लेषण

बेंगलुरु। कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई ने विधानसभा चुनाव में पार्टी की हार के कारणों का पता लगाने के लिए समग्र चुनाव परिणामों और निर्वाचन क्षेत्रवार परिणामों का विस्तृत विश्लेषण करने का फैसला किया है। राज्य की 224-सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में कांग्रेस ने 135 सीट पर जीत हासिल की, जबकि सत्तारूढ़ भाजपा और पूर्व प्रधानमंत्री एच. डी. देवेगौड़ा के नेतृत्व वाले जनता दल (सेक्युलर) ने क्रमश: 66 और 19 सीट हासिल कीं।बोम्मई ने कांग्रेस के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया है कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हार है। उन्होंने कहा कि पार्टी के प्रदर्शन के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं और उन सभी का विश्लेषण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस संबंध में जल्द ही सभी नवनिर्वाचित सदस्यों एवं प्रत्याशियों की एक बैठक बुलाई जाएगी। बोम्मई सहित भाजपा के कुछ नेताओं ने रविवार को यहां पार्टी मुख्यालय में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष नलिन कुमार कटील के नेतृत्व में चर्चा की। बोम्मई ने कहा, ''हमने परिणामों के बारे में और विभिन्न क्षेत्रों से जानकारी प्राप्त करने के बारे में अनौपचारिक चर्चा की है। हमने समग्र परिणामों का विस्तृत विश्लेषण करने और निर्वाचन क्षेत्रवार विश्लेषण करने का निर्णय लिया है।'' उन्होंने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि भाजपा का वोट प्रतिशत उतना ही रहने के बावजूद सीट कम हुई हैं। उन्होंने कहा कि निर्वाचन क्षेत्रवार वोट प्रतिशत के विश्लेषण से इसका कारण पता लग सकता है।

संपादकीय

मौसम की तल्खी

हाल के दिनों में मौसम के मिजाज में आये अप्रत्याशित बदलाव ने मौसम विज्ञानियों को चौंकाया है। सामान्य लोग भले ही कहते रहे हैं कि मई में फरवरी-मार्च के मौसम का अहसास हो रहा है, क्या मई में गर्मी आयेगी? लेकिन यह स्थिति इतनी सामान्य बात नहीं है। इस परिवर्तन के गहरे निहितार्थ हैं और हमारे मौसम चक्र के लिये यह शुभ संकेत कदापि नहीं है। मौसम के बदलावों से हमारी वनस्पति, फसलों व फलों के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और उनका स्वाभाविक विकास भी बाधक होता है। कहा जा रहा है कि यह असामान्य मौसम आज के दौर का नया सामान्य है। पिछले मार्च में अचानक गर्मी का बढ़ जाना और मई में तापमान का सामान्य से कम हो जाना अच्छा संकेत नहीं कहा जा सकता। मार्च में गेहूं की फसल के पकने के समय बढ़ी गर्मी से इसके उत्पादन में कमी आने की बात सामने आई थी। चौंकाने वाली बात यह भी है कि मई माह में हिमालय पर्वत शृंखलाओं की ऊंची चोटियों पर हिमपात हुआ। निस्संदेह, इस मौसम में जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड व हिमाचल में कम ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात होना आश्चर्य की ही बात है। ये दुर्लभ घटनाएं हमारी चिंता का विषय होनी चाहिए। कहने को तो कहा जा रहा है कि रिकॉर्ड निम्न तापमान गर्मी से राहत देने वाला है, लेकिन मौसम के मिजाज में बदलाव हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि मौसम में इस तरह के उतार-चढ़ाव दरअसल जलवायु संकट का विस्तार बताये जाते हैं। आशंका जतायी जा रही है कि इस बदलाव का असर मानसून की गुणवत्ता पर भी पड़ सकता है। जो एक गंभीर विश्लेषण की मांग करता है। मौसम विज्ञानियों को आशंका है कि पृथ्वी के लगातार गर्म होने के बीच मौसम के चरम की ऐसी घटनाएं हमारे सामान्य जीवन पर प्रतिकूल असर डाल सकती हैं। जिसकी चुनौती का समय रहते मुकाबला जरूरी है।उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों भारत व पाकिस्तान के कुछ हिस्सों में भीषण गर्मी देखी गई थी। वैज्ञानिक आशंका जता रहे हैं कि वर्ष 2031 से 2060 के बीच भीषण गर्मी पड़ सकती है। गर्मी की यह तीव्रता कालांतर वर्ष 2071 से 2100 के बीच दोगुनी हो सकती है। मौसम विज्ञानियों के अध्ययन से पता चलता है कि भारत में वर्ष 2000 से 2004 और 2017 से 2021 के बीच अत्यधिक गर्मी से होने वाली मौतों में 55 फीसदी की वृद्धि हुई है। दरअसल, अरब सागर के गर्म होने से उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में गर्मी की तीव्रता में तेजी आने की आशंका जतायी जा रही है। निस्संदेह, भविष्य के आसन्न संकट को देखते हुए हमें ठोस योजनाएं बनाने की जरूरत है। सार्वजनिक सुरक्षा की बड़ी चिंताओं को ध्यान में रखते हुए ताप से बचाव की एक व्यापक कार्य योजना बनाना वक्त की जरूरत है। हमें शहरों को नुकसान से बचाने के लिये तैयार रहना होगा क्योंकि हमारे सामने पूरी तरह से नई परिस्थितियां उत्पन्न हो रही हैं।

खासकर समाज के कमजोर वर्गों की पहचान करने की जरूरत है। यह तथ्य भुलाया नहीं जा सकता है कि मौसम की तीव्रता का असर समाज के गरीब तबके पर अधिक होता है। अब चाहे लू हो, शीत लहर हो या बाढ़- इसका शिकार यही गरीब तबका होता है।

सियासत की धुरी बनने की कोशिश में सचिन

एक पुराने घटनाक्रम को फिर चर्चा के केंद्र में लाकर उन्होंने कांग्रेस नेता सचिन पायलट के हमलों की धार कुंद करने की कोशिश की है। वह यहीं तक नहीं रुके उन्होंने साथ ही उस समय सरकार बचाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा को संकटमोचक बताकर बीजेपी में भी आपसी द्वंद्व के लिए अखाड़ा तैयार कर दिया है।राजस्थान का हाल का सियासी घटनाक्रम भी कई दिलचस्प मोड़ से होकर गुजरा है। निस्संदेह राज्य विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को जीत हासिल दिलाने में सचिन पायलट की खासी भूमिका रही है। पायलट ने ही राजस्थान के ओर-छोर को मथ कर राज्य में कांग्रेस के लिए आधार खड़ा किया था। लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने अशोक गहलोत को राज्य का नेतृत्व सौंपा था। सचिन पायलट राज्य के उपमुख्यमंत्री बने। बहुत जल्दी ही पायलट ने इस बात को भांप लिया था कि अशोक गहलोत सत्ता के प्रभाव और वर्चस्व में किसी तरह की हिस्सेदारी करने के लिए तैयार नहीं हैं।

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने एक बयान देकर राज्य की सियासत में तब हलचल मचाई जब कर्नाटक के चुनाव को लेकर खासा घमासान मचा था। राजनीति के मंजे खिलाड़ी और जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत ने अपने बयान का समय सोच-समझकर तय किया या फिर इसके भी कुछ निहितार्थ हैं इस पर खासी अटकलें हैं। लेकिन उनकी इस सलाह पर कई निशाने सधे हैं कि 2020 में पार्टी से बगावत करने वाले विधायकों को बीजेपी से लिया पैसा वापस कर देना चाहिए। एक पुराने घटनाक्रम को फिर चर्चा के केंद्र में लाकर उन्होंने कांग्रेस नेता सचिन पायलट के हमलों की धार कुंद करने की कोशिश की है। वह यहीं तक नहीं रुके उन्होंने साथ ही उस समय सरकार बचाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा को संकटमोचक बताकर बीजेपी में भी आपसी द्वंद्व के लिए अखाड़ा तैयार कर दिया है।राजस्थान का हाल का सियासी घटनाक्रम भी कई दिलचस्प मोड़ से होकर गुजरा है। निस्संदेह राज्य विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को जीत हासिल दिलाने में सचिन पायलट की खासी भूमिका रही है। पायलट ने ही राजस्थान के ओर-छोर को मथ कर राज्य में कांग्रेस के लिए आधार खड़ा किया था। लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने अशोक गहलोत को राज्य का नेतृत्व सौंपा था। सचिन पायलट राज्य के उपमुख्यमंत्री बने। बहुत जल्दी ही पायलट ने इस बात को भांप लिया था कि अशोक गहलोत सत्ता के प्रभाव और वर्चस्व में किसी तरह की हिस्सेदारी करने के लिए तैयार नहीं हैं।राजस्थान की सियासत में एक दौर यह भी आया कि जब लगने लगा कि पायलट कांग्रेस से अलग हो सकते हैं। राजस्थान की सियासत में तब किसी तरह बड़ा उलटफेर होता उससे पहले हाईकमान ने सचिन को पार्टी से बाहर जाने से रोका।हालांकि इससे पहले बगावती तेवर दिखाने वाले सचिन पायलट को राज्य पार्टी अध्यक्ष और डिप्टी सीएम के पद से हटाने पर पार्टी प्रवक्ता का कहना था कि कांग्रेस ने सचिन पायलट को सब कुछ दिया। वह पार्टी में रहते हुए 26 साल की उम्र में सांसद, 32 साल की उम्र में केंद्रीय मंत्री, 34 साल की उम्र में प्रदेश अध्यक्ष और 40 साल की उम्र में उपमुख्यमंत्री बने हैं। लेकिन पार्टी में उनकी महत्वाकांक्षा ज्यादा बढ़ गई है। इसके जवाब में सचिन पायलट ने कहा था कि उन्होंने पार्टी को जीत हासिल दिलाने में पांच साल अथक मेहनत की। इसके बाद जब पार्टी को सत्ता हासिल हुई तो उन्होंने अपना हक जताकर कोई गलत नहीं किया। हालांकि उस समय कांग्रेस हाईकमान ने कई मुलाकात और बातचीत के दौर के बाद सचिन पायलट को आश्वस्त किया था कि देर-सवेर पार्टी आलाकमान उनके पक्ष में कोई फैसला लेगा।लेकिन कांग्रेस बदली परिस्थितियों में राजस्थान में बदलाव का कोई कदम उठाने से हिचकती रही। वहीं राजस्थान में अशोक गहलोत ने सत्ता ही नहीं संगठन पर भी अपनी पकड़ बनाकर रखी। बदले ढर्रे में कांग्रेस हाईकमान भी बड़े क्षत्रपों को बहुत संकेत देने की स्थिति में नहीं है। खासकर कांग्रेस में जब अशोक गहलोत को पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने के लिए कवायद हुई थी उस समय के घटनाक्रमों ने साबित करा दिया था कि अशोक गहलोत राजस्थान में किस तरह अपना वर्चस्व रखते हैं। कांग्रेस आलाकमान के लिए भी साफ संकेत था कि राजस्थान में अशोक गहलोत की सत्ता को आसानी से छेड़ा नहीं जा सकता। इसका असर यही हुआ कि गहलोत की सत्ता चलती रही और सचिन पायलट अवसर की प्रतीक्षा करते रहे। सचिन पायलट के लिए बगावती तेवर का नुकसान यह भी हुआ कि उनके हाथ से अध्यक्ष पद भी गया और डिप्टी सीएम का पद भी उन्हें खोना पड़ा। उनका बीस विधायकों को लेकर दिल्ली में डेरा डालना भी काम नहीं आया।

पंजाब विधानसभा चुनाव के नतीजों ने भी कांग्रेस को इस बात के लिए सजग कर दिया कि वह राजस्थान में अकारण किसी तरह का जोखिम मोल न ले। खासकर यह देखते हुए कि अमरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पंजाब में कांग्रेस किसी स्तर पर कमजोर हो रही थी। अमरेंद्र जहां विधायकों पर अपनी पकड़ खो रहे थे वहीं राजस्थान में ठीक विपरीत अशोक गहलोत ने अपने किले को पूरी तरह मजबूत किया। कांग्रेस आलाकमान इस स्थिति को समझता था कि राजस्थान में सत्ता बदलाव का फैसला पार्टी को मुश्किल में ला सकता है। इसलिए अशोक गहलोत की सत्ता बरकरार रही। अशोक गहलोत ने सत्ता और संगठन दोनों स्तर पर सचिन पायलट को उभरने के लिए कोई अवसर नहीं दिया। ऐसे में राजस्थान के चुनाव आने से पहले सचिन पायलट के लिए अपनी भूमिका को तलाशना जरूरी हो गया है। यह निश्चित है कि चुनाव के समय भी चुनाव का संचालन और टिकटों के वितरण में गहलोत की भूमिका ही प्रभावी रहेगी। ऐसे में सचिन पायलट के लिए अब वो समय आया है जब उन्हें कोई न कोई फैसला लेना ही होगा। ऐसे में उन्होंने सबसे पहले जनमानस की थाह लेने और इलाकों को मथने का निर्णय लिया है। गौर करने लायक बात यह भी है कि अशोक गहलोत ने अपना बयान भी उस धौलपुर में दिया है जो पूर्वी राजस्थान का इलाका है। यहीं अलवर, टोंक, करौली, सवाई माधोपुर, दौसा जैसे इलाके आते हैं। यही सचिन पायलट का प्रभाव क्षेत्र माना जाता है। सचिन पायलट अजमेर से जयपुर की पदयात्रा निकाल रहे हैं। इसे राजस्थान की सियासत में आरपार की लड़ाई के तौर पर भी देखा जा रहा है।वैसे सचिन पायलट ने इससे पहले भी सरकार के विरोध में धरना प्रदर्शन किया है। हाल में उन्होंने इस बात पर एक दिन का अनशन किया था कि राज्य सरकार वसुंधरा राजे के समय के कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रही है।

दरअसल सचिन पायलट वसुंधरा राजे को घेरने से ज्यादा अशोक गहलोत को निशाने पर ले रहे थे। अशोक गहलोत ने राज्य विधानसभा चुनाव के समय इस बात को उठाया था कि सत्ता में आने के बाद वह वसुंधरा सरकार के कथित भ्रष्टाचार के मामलों की जांच करेंगे। इसके साथ ही उनकी आगामी जनसंघर्ष पदयात्रा को लेकर पोस्टर दीवारों में नजर आए हैं। इन पोस्टरों में कहीं भी कांग्रेस पार्टी का चुनाव चिन्ह नहीं है। इसमें कांग्रेस के अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी या प्रियंका गांधी की तस्वीर नहीं है। इन पोस्टरों में भावभंगिमा में सचिन पायलट की आक्रोश वाली मुद्रा झलकती है और वह मुट्ठी बांधे नजर आते हैं। सियासत में इन संकेतों को समझा जा सकता है।

दरअसल, सचिन पायलट को अहसास है कि इस बार के उनके बगावती तेवर उनके पार्टी से निष्कासन का कारण भी बन सकते हैं। लेकिन जिस तरह सचिन के कदम उठ रहे हैं उससे उनकी तैयारियों का भी अहसास होता है। अपने बयानों में फिलहाल वह बीजेपी से भी दूरी बरत रहे हैं। खासकर जनसंघर्ष पदयात्रा की थीम को उन्होंने वसुंधरा सरकार के समय के कथित भ्रष्टाचार की जांच से जोड़ा है। लेकिन इसमें महीन बुनाई-कताई यह है कि आखिर वह संकेत यही देना चाहते हैं कि सीएम गहलोत ने सत्ता में आने के बाद वसुंधरा सरकार के कथित भ्रष्टाचार पर चुप्पी साध ली। सचिन पायलट को इससे पहले इस बात पर असमंजस रहा कि उनके साथ कितने विश्वस्त विधायक खड़े हो सकते हैं। हाल में उनके एक दिन के अनशन में अकेले बैठने की भी वजह यही थी।

ईवीएम पर रोता विपक्ष या एग्जिट पोल कर गया भौचक: कर्नाटक चुनाव

पंकज कुमार मिश्रा (जौनपुर)

एग्जिट पोल के नतीजे कहते हैं कि कर्नाटक की जनता धर्म के जाल में नहीं फंसी पर मेरा मानना है की बीजेपी 100 के आस पास सीट ले आएगी और निर्दलीय विधायकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इस सबके बावजूद असल नतीजे क्या रहेंगे, ये 13 मई को पता चलेगा। पिक्चर अभी बाकी है। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि ये चैनल सुधर गए हैं और अब इन्होंने पेशागत ईमानदारी के साथ काम करना शुरू कर दिया है।

पिछले कई सालों में पहला मौका है, जब किसी चुनाव के बाद हुए सभी एग्जिट पोल ने भारतीय जनता पार्टी को निर्णायक तौर पर हारते दिखाया पर मैं थोड़ा सा इससे असहमत हूं क्युकी यही एग्जिट पोल 2022 के यूपी विधानसभा चुनावों में भी बहुत कुछ बोल रहा था एंटीइनकैंबेंसी को लेकर पर सारे एग्जिट पोल को धता बताकर योगी आदित्यनाथ की सरकार बंपर तरीके से वापसी कर गई थी तो जो विपक्ष पहले एग्जिट पोल पर खुश था वो परिणाम के बाद ईवीएम का रोना लेकर बैठ गया। मतलब बंगाल जीतो ईवीएम ठीक , तमिलनाडु केरल छत्तीसगढ़ पंजाब इत्यादि के ईवीएम ठीक पर जब राज्य हारो तो ईवीएम पर सवाल खड़े कर दो ! वाह भाई वाह क्या तरकीब निकाली है खुद के जख्म के दर्द को कम करने की। खैर इससे पहले किसी चुनाव में खास कर उन राज्यों में जहां भाजपा सीधे मुकाबले में होती है, वहां कम से कम एग्जिट पोल में भाजपा को स्पष्ट रूप से हारते हुए नहीं दिखाया जाता था लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। जो टीवी चैनल दिन-रात विपक्ष के एजेंडे पर काम करते हैं और चुनाव के दौरान उसका खुल कर प्रचार करते हैं, उन चैनलों पर भी एग्जिट पोल में भाजपा को सीधे तौर पर हारते हुए और कांग्रेस को बहुमत मिलते हुए दिखाया गया । सोशल मीडिया पर लोग कह रहे थे कि कर्नाटक में जब तक कांग्रेस नहीं जीत जाती, मुख्यमंत्री शपथ नहीं ले लेता, तब तक कोई भविष्यवाणी सही नही । अगर एग्जिट पोल के नतीजे के अनुसार ही असल नतीजे आए हैं तो ये बदलाव का संकेत है नही तो अभी से कांग्रेस ईवीएम का रोना तो रो ही रही । कांग्रेस ने बजरंग दल पर प्रतिबंध की बात कहकर साहस का काम किया क्योंकि आने वाले अब कई चुनावों में इसकी गूज सुनाई देगी । इसे भाजपा ने अवसर के रूप में लिया और बजरंग दल को बजरंग बली यानी हनुमान जी से जोड़ दिया। भाजपा ने सारा फोकस बजरंग बली पर कर दिया। बजरंग बली बोलकर वोट डालने की अपील की। ये खुद प्रधानमंत्री ने किया। मंच से प्रधानमंत्री ने जय बजरंग बली के नारे लगाए। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार आ गई तो कर्नाटक में दंगे होंगे। मुस्लिम आरक्षण खत्म करने की बात कही। मतलब सारा फोकस हिन्दू मुस्लिम पर रहा। बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात सामने आने के बाद कहा जाने लगा था कि कांग्रेस ने सेल्फ गोल कर दिया है। एग्जिट पोल के नतीजे कहते हैं कि कर्नाटक की जनता धर्म के जाल में नहीं फंसी पर मेरा मानना है की बीजेपी 100 के आस पास सीट ले आएगी और निर्दलीय विधायकों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी । इस सबके बावजूद असल नतीजे क्या रहेंगे, ये 13 मई को पता चलेगा। पिक्चर अभी बाकी है। इसका यह मतलब कतई नहीं है कि ये चैनल सुधर गए हैं और अब इन्होंने पेशागत ईमानदारी के साथ काम करना शुरू कर दिया है। आमतौर पर जिस भी प्रदेश में भाजपा मुख्य मुकाबले में होती है वहां एग्जिट पोल में उसे जीतते हुए दिखाया जाता है। अगर चुनाव प्रचार या आम मतदाताओं के व्यवहार से बनी धारणा के आधार पर यह स्पष्ट भी दिख रहा हो कि भाजपा नहीं जीत रही है तब भी वहां कांटे का मुकाबला या उसे कम से कम जीत के नजदीक तक जाते हुए जरूर दिखाया जाता है। टीवी चैनलों के बारे में यह धारणा पिछले 8-10 सालों के दौरान हुए चुनावों के एग्जिट पोल के निष्कर्षों पर आधारित है। टीवी चैनलों और सर्वे करने वाली एजेंसियों के इस व्यवहार को दो अलग किस्म के राज्यों के एग्जिट पोल अनुमानों से समझा जा सकता है। पहला राज्य पश्चिम बंगाल है, जहां 2021 में विधानसभा चुनाव हुए थे। बंगाल में भाजपा का बहुत जनाधार नहीं था और वह तृणमूल कांग्रेस से दलबदल कर आए शुभेंदु अधिकारी के चेहरे पर चुनाव लड़ रही थी। फिर भी राष्ट्रीय स्तर के कहे जाने वाले कम से कम दो टीवी चैनलों ने भाजपा को पूर्ण बहुमत मिलने का अनुमान जताया था। मैं और आप झूठे हैं , जब से हमको लगा कि हम समझदार हो चुके हैं तबसे हम झूठे हैं । दूसरे के सामने लेक्चर देने की जब मेरी या आपकी जब बारी आती है तो हम दार्शनिक भावों से बोल उठते हैं कि दुनिया कुछ भी कहें ,हमें फर्क नहीं पड़ना चाहिए या फिर हम ऐसी बातें बोलते ही रहते हैं कि दुनिया जाए भाड़ में, दुनिया का तो काम ही बोलना है, दुनिया का तो काम ही बात बनाना है, लेकिन असल में हमें ही सबसे ज्यादा फर्क इसी का ही पड़ता है कि दुनिया क्या कहेगी ? हम खुद को उसी तरीके से पेश करते हैं जैसा लोग हमें देखना चाहते हैं, हम हमारे आस-पास के माहौल के अनुरूप ही ढलने की पूरी कोशिश करते हैं, हमारे विचार विचार ना रहके रबड़ हो चुके हैं जो हर जगह बदलते रहते हैं, माहौल के अनुसार , लोगों के समूह के अनुसार और जगह के अनुसार । असल में लाइफ़-स्टाइल का सम्बन्ध हमारे विचारों से ही जुड़ा हुआ है , जैसा हम सोचते हैं ,जैसे हमारी विचारधारा है उसी के अनुसार हम पहनावा रखना शुरू कर देते हैं और उसी चलन में खुद को ढालने का जोर लगा देते हैं ।मुझे आश्चर्य होता है कि राजनीति में लोग कैसे अपने विचार बिल्कुल विपरीत बदल लेते हैं , इंसान के पास भले ही पैसे ना हो , बड़ी फेम ना हो लेकिन कम से कम अपने खुद के विचार तो हों ? सोशल मीडिया पर खुद को हीरो या मसीहा साबित करने के चक्कर मे लोग अपनी विचारधारा को खो देते हैं । विचारधारा और खुद को ,दोनों को रबड़ बना रखा है ।

म्यूजिक वीडियो 'तू है प्यार मेरा' की रिकॉर्डिंग सम्पन्न

कृष्णा चौहान प्रोडक्शन की नवीनतम प्रस्तुति म्यूजिक वीडियो 'तू है प्यार मेरा' की रिकॉर्डिंग पिछले दिनों एबी स्टूडियो (मुम्बई) में सम्पन्न हुआ। इस खूबसूरत रोमांटिक सॉन्ग के सिंगर्स डीसी मदाना और डॉ अंजली हैं। इस म्यूजिक वीडियो के संगीतकार मिलन हरीश और गीतकार डीसी मदाना हैं।निर्माता निर्देशक डॉ कृष्णा चौहान के इस म्यूजिक वीडियो के डीओपी पप्पू के. शेट्टी, स्टील फोटोग्राफर चन्द्र प्रकाश माझी, प्रोडक्शन मैनेजर पी के गुप्ता और पोस्टर डिज़ाइनर आर राजपाल हैं। इस म्यूजिक वीडियो का दो रोमांटिक पोस्टर भी जारी कर दिया गया है। इस म्यूजिक वीडियो की शूटिंग के बाद डॉ कृष्णा चौहान अपनी नेक्स्ट हॉरर थ्रिलर फिल्म 'आत्मा डॉट कॉम' की शूटिंग भी जल्द शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में प्रसिद्ध संगीतकार दिलीप सेन का संगीत है।

प्रस्तुति: काली दास पाण्डेय

वोटों के माध्यम से गुस्सा व्यक्त करने से खौफ़ रहना समय की मांग

गोंदिया । वैश्विक स्तरपर भारत को यूंही बौद्धिक क्षमता की खान वाले देश की संज्ञा नहीं दी गई है, क्योंकि अगर हम वैश्विक कारपोरेट जगत पर नजर डालें तो अनेक प्रमुख पदों पर भारतीय मूल, प्रवासी भारतीय को देखेंगे। उसी तरह अनेकों देशों के मंत्रिमंडल में भी मूल भारतीयों को देखा जा सकता है हालांकि भारतीयों पर सैकड़ों वर्ष राज करने वाले देश पर भी आज मूल भारतीय ही राज कर रहा है। अब हम देख रहे हैं कि भारतीय यहीं तक सीमित नहीं रह रहे अब वह बौद्धिक कुछल जनता जनार्दन का रोल भी अदा कर रहे हैं। गए वह दिन! जब बूथ कैपचरिंग, डराना धमकाना, अपहरण कर वोटिंग करवाई जाती थी। अब ये तो पब्लिक है सब जानती है ये तो पब्लिक है वाली जनता का रोल अदा करते हैं और वोटों केमाध्यम से अपना गुस्सा व्यक्त करना भी सीख गए हैं। इसीलिए अब हर राजनीतिक दल और नेता को इसपर मंथन कर अपनी छवि उज्जवल कर, कितने परसेंट से हटाने पर मंथन करना होगा। चूंकि दिनांक 13 मई 2023 को एक राज्य में इसी पर्सेंट वालीछवि सरकार को निगल गई और हिजाब, अजान, मुस्लिम आरक्षण समाप्त, बजरंगबली, द केरेला स्टोरी, दशकों पूर्व का पचासी परसेंट मुद्दा सहित सभी मुद्दों पर, 40 परसेंट का बुलडोजर भारी पड़ा और जनता ने सत्ता कथित 40 पर्सेंट के चलते अपना गुस्सा जताया तो, जीती हुई पार्टी को 136, हारी पार्टी को 64 सीटों तक सिमटा दिया। इसलिए अब पार्टी की उच्चस्तर पर टॉप जोड़ी को मिलकर देश के 13 राज्यों में जहां उनकी सरकार है, जिसमें कुछ राज्यों में इसी साल के अंत में चुनाव होने वाले हैं, सहित सभी राज्यों पर परसेंटों के बारे में नजर रखनी होगी क्योंकि इसका प्रभाव मिशन 2024 इलेक्शन पर भी पढ़ना निश्चित है। इसलिए आज हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे।

साथियों बात अगर हम कार्यपालिका से जनता जनार्दन की चिड़ या गुस्से नें सरकार को जमींदरोज़ करने की करें तो, हमने 13 मई 2023 को आए चुनावी परिणाम में यह देखें। मैंने खुद ने पिछले कुछ दिनों से टीवी चैनलों पर आ रही ग्राउंडरिपोर्टिंग, जीरो रिपोर्टिंग देखकर उसका विश्लेषण किया तो अनेक लोग कार्यपालिका के भ्रष्टाचार से तंग नजर आए। हम अगर अपने राज्यों में देखेंगे तो पंचायत समिति कार्यालय से लेकर पटवारी तक, तहसील कार्यालय से लेकर कलेक्टर ऑफिस तक अनेकों चक्कर लगाने पड़ते हैं और हरे गुलाबी की चाय पानी चलानी पड़ती है, इस पूरी चैनल को देखें तो हर एक हितधारक अपनी तनख्वाह से कहीं अधिक अपटूडेट, मकान फ्लैट, उच्चस्तर जीवन स्तर लक्झरी देखने को मिलता है जिसका संज्ञान अब सरकारों से लेकर पार्टी के हाईकमान और आला अफसरों से लेकर हाईकमान नेताओं को लेना जरूरी हो गया है। वही भ्रष्टाचार रूपी जहर दीमक के बारे में संबोधन केवल शब्दों और वाक्यों तक ही सीमित होकर रह जाएगा और महसूस तब होगा जब सरकार ज़मीदरोज़ हो जाएगी और भ्रष्टाचार के विरोध में किया गया संबोधन का वज़न अपने आप कम हो जाएगा।

साथियों बात अगर हम 13 मई 2023 को घोषित चुनावी राज्य के चुनावी परिणामों में हारी पार्टी के कारणों की करें तो मेरा मानना है अनेक मुद्दों में से एक महत्वपूर्ण मुद्दा सरकार की 40 पर्सेंट कमीशन वाली छवि भी हो सकती है इसको लेकर चुनावी सभाओं में, 40 परसेंट सरकार को 40 परसेंट वोट ही मिलेंगे, कमीशन सरकार रेट कार्ड, डेली झूठ बेंगलुरु लूट, नौकरी और तबादलों में घूस 40 पर्सेंट सहित अनेकों जुमले कहे गए, सत्ताधारी पार्टी को भ्रष्टाचार के आरोपों ने पहुंचाया नुकसान, ये मुद्दा पूरे चुनाव में हावी रहा। चुनाव से कुछ समय पहले ही पार्टी के एक विधायक के बेटे को रंगे हाथों घूस लेते हुए पकड़ा गया था। इसके चलते हारी पार्टी के विधायक को भी जेल जाना पड़ा। एक ठेकेदार ने सरकार पर 40 प्रतिशत कमिशनखोरी का आरोप लगाते हुए फांसी लगा ली थी। जीती पार्टी ने इस मुद्दे को पूरे चुनाव में जोरशोर से उठाया। युवा नेता से लेकर अध्यक्ष और युवा नेत्री तक ने इस मुद्दे को खूब भुनाया। जनता के बीच हारी पार्टी की छवि धुमिल हुई और पार्टी को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। हारी पार्टी की हार के पीछे अहम वजह भ्रष्टाचार का मुद्दा रहा। जीती पार्टी ने हारी पार्टी के खिलाफ शुरू से ही '40 फीसदी पे-सीएम करप्शन का एजेंडा सेट किया और ये धीरे-धीरे बड़ा मुद्दा बन गया। करप्शन के मुद्दे पर ही मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा तो स्टेट कॉन्ट्रैक्टर एसोसिएशन ने पीएम तक से शिकायत डाली थी। हारी पार्टी के लिए यह मुद्दा चुनाव में भी गले की फांस बना रहा और पार्टी इसकी काट नहीं खोज सकी। राज्य में पार्टी की हार की बड़ी वजह सत्ता विरोधी लहर की काट नहीं तलाश पाना भी रहा है। हारी पार्टी के सत्ता में रहने की वजह से उसके खिलाफ लोगों में नाराजगी थी। पार्टी के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर हावी रही, जिससे निपटने में पार्टी पूरी तरह से असफल रही। कॉन्ट्रैक्टर्स कमीशनखोरी के अलावा सरकार पर कई और तरह के भ्रष्टाचार के भी आरोप लगे, जिन्हें प्रचार में जीती पार्टी ने खूब भुनाया। इसमें मठ से 30 फीसदी की रिश्वतखोरी और स्कूलों के नाम पररिश्वतखोरी जैसे आरोप शामिल थे। इसके अलावा केएसडीएल घोटाला और गुड़ निर्यात घोटाले ने भी सरकार की मुश्किलें बढ़ाईं।

साथियों बात अगर हम चुनाव परिणामों में सफल और असफल पार्टी के वोट प्रतिशत और सीटों की करें तो, इस चुनावी राज्य में 2004, 2008 और फिर 2018 में किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला था। 2013 में जीती पार्टी ने 122 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। सूबे में मुख्य लड़ाई लंबे समय से वर्तमान दोनों के बीच ही रही है। जीती पार्टी ने कई बार पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाई है, जबकि हारी पार्टी को कभी भी पूर्ण बहुमत नहीं मिला। इस बार भी कुछ ऐसा ही हुआ।

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 9335908846, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- सम्पादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ज़्लाक स्तर पर ज़्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सम्पर्क करें -:

मो.: 8423454502, 9335908846

email:bps.knp786@gmail.com

हादसे में सपा नेता महावीर यादव का निधन, चालक घायल

इटावा जिले में जसवंतनगर क्षेत्र की राजनीति के धुरी रहे सपा नेता महावीर सिंह यादव (82) का बुधवार की रात सड़क हादसे में निधन हो गया। लखनऊ एक्सप्रेस- वे पर आगरा से करीब 15 किलोमीटर दूर उनकी इनोवा गाड़ी व ट्रक के बीच हुई टक्कर में वह जिस साइड में बैठे उसी साइड का हिस्सा ध्वस्त होने से उनकी मौत हो गई। जबकि चालक घायल हो गया।सपा नेता महावीर सिंह का अंतिम संस्कार गुरुवार को उनके पैतृक गांव फतेहपुरा में कर दिया गया। वह अपने रिश्तेदार राम अवतार यादव के बेटे अरुण यादव को देखने मेदांता हॉस्पिटल गुड़गांव गए थे और जसवंतनगर लौट रहे थे। परिवार में अपने पीछे पुत्र विश्वनाथ प्रताप सिंह व आशुतोष यादव को छोड़ गए हैं। उनकी मृत्यु पर सपा महासचिव शिवपाल सिंह यादव, पूर्व ब्लाक प्रमुख डॉ. बृजेश यादव, अनिल प्रताप सिंह, अजेंद्र गौर, गोपाल गुप्ता आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

नगर निकाय चुनाव में परिवार सहित समाजसेवी ने अपने मताधिकार का किया प्रयोग

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर निकाय के दूसरे चरण के चुनाव मे कानपुर मे वोटिंग की प्रक्रिया पूरी हुई है जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैदी से कार्य किया है इसी लोकतंत्र का हिस्सा बने वरिष्ठ समाजसेवी मुरारी लाल अग्रवाल ने अपने मताधिकार का.उपयोग करते हुए अपने परिवार व कर्मचारियों को साथ ले जाकर जवाहर नगर स्थित एक स्कूल मतदान केंद्र मे मतदान किया वरिष्ठ समाजसेवी ने वोट करने के बाद जिला प्रशासन की सुविधाओ की तारीफ करते हुए कहा कि प्रशासन ने वोटिंग के लिए अच्छी व्वयस्था कर.रखी है महज एक मिनट की प्रक्रिया मे वोट डालने का कार्य पूरा हो.रहा है मै इसके लिए मडंलायुक्त डा, राजशेखर, जिलाधिकारी व जिला.निर्वाचन अधिकारी विशाख जी पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड के कार्यो की सराहना की।

पति ने ब्लेड से अपनी पत्नी की नाक काटी, बेटी को भी उतारा मौत के घाट, खुद भी दे दी जान

डीसीपी साउथ,फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शहर के नौबस्ता थाना क्षेत्र में विवाद के बाद गुस्साए पति ने ब्लेड से अपनी पत्नी की नाक काट दी। इसके बाद इकलौती बेटी की गला कसकर हत्या कर दी। फिर खुद भी फंदे से लटक कर जान दे दी। इलाकाई लोगों की सूचना पर डीसीपी साउथ सलमान ताज पाटिल,एडीसीपी अंकिता शर्मा और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंचे है। पुलिस ने जांच पड़ताल कर पत्नी के बयान दर्ज किए हैं। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पिछले आठ माह से पति से अलग रहती थी पत्नी

जानकारी के अनुसार,

मछरिया बाजार,बाबा नगर निवासी छोटे शाह (36) पेशे के कार चालक थे। वह पिछले कई सालों से अमौली के जिला पंचायत सदस्य बृजेश पटेल की कार चलाते थे। वह अपनी पत्नी रुखसार, बेटी आरजू (14) व दो बेटों आरिफ और आर्यन के साथ नौबस्ता गल्ला मंडी स्थित जिला पंचायत सदस्य के नव निर्माणाधीन मकान के तीसरी मंजिल पर रहते थे। पत्नी ने पुलिस को बताया कि वह पिछले आठ माह से पति से अलग रहती थी।

पति उस पर शक करते थे। तीन दिन पहले ही वह यहां आई थी। इसके बाद से लगातार उसके पति से विवाद हो रहा था। गुरुवार दोपहर को भी इसी बात को लेकर विवाद हो गया। इससे नाराज छोटे ने पहले ब्लेड से उसकी नाक काट दी। इसके बाद वहां मौजूद बेटी की रस्सी से गला कसकर फंदे पर लटका दिया।

पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे

फिर दूसरे कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। बेटी और पति को फंदे पर लटकता देख उन्होंने शोर मचाया। इसके बाद मोहल्ले वालों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना पर मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों ने जांच-पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घाटमपुर में पालिका अध्यक्ष प्रत्याशी पति को मारी गोली, मचा कोहराम

घाटमपुर। नगर पालिका के अध्यक्ष पद के लिए आज दूसरे चरण में मतदान होने है। घाटमपुर नगर के शास्त्री नगर मोहल्ला निवासी गजराज सिंह यादव उर्फ़ पप्पू ने बताया कि उनकी पत्नी स्नेह लता यादव निर्दलीय घाटमपुर नगर पालिका सीट से अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रही है। देर रात वह अपने कार्यालय से घर लौट रहे थे। तभी सामने से आये स्कूटी सवार दो बदमाशो ने उन्हें गोली मार दी। जिसके बाद बदमाश मौक़े से भाग निकले। बाएं हाथ में लगीगोली, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। समर्थको ने घायल अवस्था में गजराज सिंह यादव को रोड पर पड़ा देखा तो पुलिस को घटना की सूचना दी। जानकारी मिलते मौक़े पर पहुंची पुलिस गजराज सिंह यादव को घायल अवस्था में घाटमपुर सीएचसी लेकर पहुंची जहां से उन्हें गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

घटना की सूचना मिलते की भारी पुलिसबल के साथ घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला घाटमपुर सीएचसी पर पहुंचे जहां उन्होंने घटना की जानकारी जुटाई जिसके बाद उन्होंने घटना के अनावरण के लिए घाटमपुर थानाध्यक्ष अशोक कुमार दुबे को निर्देशित किया है। पुलिस रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि घटना की गहनता से जांच की जा रही है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जायेगा।

रक्षा फैक्ट्रियों के बेहतर भविष्य को ध्यान में रखकर डाला वोट

नगर संवाददाता-कानपुर। उत्तर प्रदेश में नगर निकायों, नगर परिषदों और पंचायतों को लेकर गुरुवार को दूसरे और अंतिम चरण में वोट डाले गए। नगर निकायों के तहत पार्षदो, महापौर, नगर पालिका परिषद और पंचायतों के तहत अध्यक्ष व सदस्यों का चुनाव किया जाना है। सुबह सात बजे से वोटिंग शुरू होते ही लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव पर कानपुर की आयुध उपस्कर निर्माणी की किला मजदूर यूनियन के कार्यकारणी सदस्य एवं पूर्व महामंत्री समीर बाजपेई ने परिवार के साथ शारदा नगर के माउंट कारमेल स्कूल मतदान केंद्र पर अपना पार्षद और महापौर चुनने के लिए अपना वोट डाला। वोट डालने के बाद पूर्व महामंत्री ने कहा कि उन्होंने अपने वार्ड के साथ शहर को स्वच्छ और साफ सुथरा रखने और गड्ढा मुक्त सड़के दे सकने के साथ आयुध रक्षा फैक्ट्रियों के लिए आने वाला समय संकट के बजाय बेहतर हो। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए अपना वोट दिया है। क्यों कि समाज के साथ देश और प्रदेश की प्रगति और समृद्धि के लिए हर एक वोट कीमती है। हमारा एक वोट समाज के साथ आने वाली पीढ़ियों को नई दिशा प्रदान करता है।

चुनाव रिजल्ट आने से पूर्व पास बनवाये जाने के लिये टूटी भीड़

कानपुर। निकाय चुनाव होने के बाद अब सबकी निगाहे जहां रिजल्ट पर है तो वहीं मतदान की पल पल की खबर पाने के लिये प्रत्याशियों के एजेंटों ने पूरा दमखम लगाना शुरू कर दिया। किसी प्रकर की बेइमानी न हो इसके लिये हर प्रत्याशी अपने एजेंटों को मतदान केन्द्र में प्रवेश कराने की जुगात में है जिसके चलते माती्झील में पास बनवाने के लिये दिन भर मारामारी रही। शुक्रवार को सुबह से ही प्रत्याशी नगर निगम स्थित प्रमिला सभागार पहुंचने लगे। यहां कल होने वाली मतगणना को लेकर प्रत्याशी अपने मतगणना एजेंट के पास बनवाने के लिए जुटे हुए हैं।एक प्रत्याशी के साथ अभिकर्ता और उनके 2 एजेंट को पास दिए जा रहे हैं। प्रत्याशी को पास बनवाने की जरूरत नहीं है। सभागार में महापौर, पार्षद, बिठूर पंचायत अध्यक्ष और सदस्य पद के लिए एजेंट बनाए जा रहे हैं।इस बार पहला मौका है नगर निगम में एजेंट के पास बनाए जा रहे हैं। पास बनवाने के लिए प्रमिला सभागार में भारी भीड़ जुटी हुई है। 13 मई को होने वाली मतगणना में दोपहर एक बजे से परिणाम आने शुरू हो जाएंगे। 160 टेबलों में महापौर व पार्षदों के लिए मतगणना होगी। नौबस्ता गल्ला मंडी के पांच चबूतरे निर्धारित किए गए हैं।हर चबूतरों को दो भांगों में बांटा गया है।गिनती सुबह आठ बजे से शुरू होगी। चबूतरे के दाएं ओर पार्षद और बाएं ओर महापौर के लिए मतगणना होगी। महापौर के लिए 80 और पार्षद के लिए 80 टेबल लगाई जाएंगी। महापौर का परिणाम रात 7 बजे तक परिणाम आने की उम्मीद है। वहीं बिठूर की मतगणना अलग चबूतरे पर होगी। मतगणना के दौरान मंडी परिषद प्रवेश व पूरे प्रांगण में बड़े-बड़े साइन बोर्ड लगाए गए हैं।डीएम विशाख जी ने बताया कि पोलिंग एजेंट चारों तरफ नहीं घूमेंगे। एक आरओ के पास पांच वार्ड की मतगणना कराने की जिम्मेदारी होगी। चारों तरफ बेरीकेडिंग की गई है। ऐसे में पोलिंग एजेंट का मूवमेंट सिर्फ पांच वार्ड तक ही रहेगा। इसके बाहर वह मतगणना खत्म होने के बाद ही जा सकेगा।

सिंधी कॉलोनी में दो पक्षों में झड़प, प्रमिला पांडे ने मांगी माफी, बोलीं- अभी वोट दे दो

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण में कानपुर में वोटिंग जारी है। दोपहर एक बजे तक मतदान प्रतिशत 23.04 रहा है। वहीं, मतदान प्रक्रिया के दौरान ईवीएम में गड़बड़ियों, फर्जी वोटिंग, प्रलोभन देने जैसे मामले भी सामने आ रहे हैं। इससे मतदान सुचारू रूप से नहीं हो पा रहा।वहीं, सिंधी कॉलोनी के वार्ड नंबर 69 में दो पक्षों में हाथापाई भी हो गई। बताया जा रहा है कि वोटिंग को लेकर विवाद हुआ है। मौके पर पुलिस फोर्स पहुंच गया है। क्षेत्र की ओल्ड सख्खर पंचायत हाउसिंग सोसायटी के अध्यक्ष घनश्यामदास छाबड़ा ने बताया कि राम खिलवानी के घर के बाहर उनका बेटा अशीष और कुछ दोस्त खड़े थे।इसी दौरान भाजपा के कुछ युवक अमित खत्री के बारे में पूछते हुए। आशीष और अमित दोस्त हैं। इसके चलते युवकों ने आशीष और उसके दोस्तों को पीटना शुरू कर दिया। शोर-शराबा सुनकर लोगों की भीड़ पहुंचने लगी। इससे युवक मौका देखकर भाग गए।

पाठासीन अधिकारी कर रहे चुनाव प्रभावित

लोगों ने झड़प की जानकारी पुलिस को देते हुए वोटिंग में गड़बड़ी करने की बात कही है। वहीं, भाजपा कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पाठासीन अधिकारी स्थानीय निवासी है।वो खुद चुनाव को प्रभावित कर रहे हैं।मामले में पुलिस से शिकायत भी की गई है।

निर्दलीय पार्षद प्रत्याशी बोले- निष्पक्ष होनी चाहिए वोटिंग

वहीं, घटना की सूचना पर निर्दलीय पार्षद प्रत्याशी अरविंद यादव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि वोटिंग किसी कीमत मे नहीं रूकनी चाहिए और निष्पक्ष तरीके से कराई जाए। पुलिस के अनुसार, मामले की जांच की जा रही है। आरोपियों की पहचान कर पकड़ा जाएगा।

प्रमिला पांडे ने रोते हुए मांगी माफी

विवाद के बाद भाजपा की महापौर प्रत्याशी प्रमिला पांडे सिंधी कॉलोनी पहुंची। उन्होंने सिंधी समाज से माफी मांगी। उन्होंने कहा कि मैं पैर छूकर माफी मांगती हूं। अभी वोट दे दो। मैं इन लोगों को ऐसा सबक सिखा दूंगी कि याद रखेंगे। माफी मांगते हुए रो पड़ी प्रमिला पांडेय।

बदमाशों ने लूट की घटना को दिया अंजाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। चकेरी में व्यपारी को गोली मार कर हत्या कर लूटपाट की घटना के 24 घंटे के भीतर ही बदमाशों ने कल्याणपुर में देर रात बाइक सवार लुटेरों ने स्कूटी पर पीछे बैठी बैंक कर्मी का झपट्टा मारकर पर्स लूट लिया। बदमाशों का पीछा करने का प्रयास किया गया तो बदमाशों ने तमंचा लहरा दिया जिससे पीछा करने वाले रूक गये। उन्होंने पुलिस को सूचना देने के साथ ही कल्याणपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी है। पुलिस लुटेरों की शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है।

कल्याणपुर सत्यम विहार निवासी जेएस श्रीवास्तव गुरुवार रात एक बजे आईआईटी परिसर में रहने वाली अपनी बेटी रिचा शुक्ला के साथ स्कूटी से घर जा रहे थे। कल्याणपुर थाने से पहले बगिया क्रॉसिंग रोड पर पहुंचे थे।

इसी दौरान पीछे से आए बाइक सवार लुटेरों ने झपट्टा मारकर पर्स छीन लिया। छीना-झपटी के दौरान स्कूटी अनियंत्रित हो गई और पिता-पुत्री सड़क पर गिरकर चुटहिल हो गए।

जबकि बाइक सवार लुटेरे पर्स लूटकर भाग निकले। रिचा ने बताया कि वह बैंक कर्मी हैं। उनके पर्स में 10 हजार रुपए कैश, मोबाइल समेत अन्य दस्तावेज रखे थे। सूचना पर पीआरवी और कल्याणपुर पुलिस मौके पर जांच करने पहुंची, लेकिन लुटेरों का कोई सुराग नहीं मिला। तहरीर देने के बाद भी शुक्रवार दोपहर तक उनकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई।कल्याणपुर थाना प्रभारी देवेंद्र दुबे ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज की मदद से लुटेरों की तलाश की जा रही है।

शहर के छात्र-छात्राओं को विदेशी शिक्षा की तैयारी अब अपने शहर में ही कर सकेंगे

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर फ्लिंट इंडिया संस्थान की डायरेक्टर प्रभजोत कौर द्वारा एक प्रेस वार्ता कर जानकारी दी गई के विदेश में शिक्षा ग्रहण करने वाले शहर के अभ्यर्थियों को अब काकादेव स्तिथ फ्लिंट इंडिया संस्था द्वारा आईल्ट्स की तैयारी कर के जा सकेंगे विदेश। संस्थान के डायरेक्टर प्रभजोत कौर ने बताया कि हमारे यहां मैक्सिमम 10 छात्रों का बैच लगता है ?अब शहर के लोगो को विदेश में तथा 30 दिन का प्रशिक्षण का कोर्स है एवं अनगिनत मॉक टेस्ट होते हैं साप्ताहिक इंटरएक्टिव वर्कशॉप भी आयोजित होती है तथा ऑनलाइन एवं ऑफलाइन क्लासेस भी दी जाती है शिक्षा ग्रहण करने के लिए,काकादेव में फ्लिंट इंडिया संस्था में आ कर शतप्रतिशत अपने विदेश में शिक्षा प्राप्त करने के सपने को साकार कर सकेंगे। संस्था के खुलने से हमारे शहर के लोगो को शहर से बाहर न जा कर काकादेव में ही अपने सपने को पूरा कर सकेंगे पत्रकार वार्ता कर दी जानकारी वार्ता में प्रमुख रूप से सरदार विक्रमजीत सिंह भल्ला, सरदार जगजोत् भल्ला, सरदार गुरमीत सिंह चावला, एवं श्रीमती दलजीत कौर चावला, विशेष रूप से उपस्थित रहे।

सपा-भाजपा समर्थकों में मारपीट, पथराव में कई घायल, भाजपाइयों का चौकी पर हंगामा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर देहात में सपा और भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक आमने-सामने आ गए। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट और पथराव हुआ। झगड़े में भाजपा के एक कार्यकर्ता का हाथ फ्रैक्चर हो गया। भाजपा जिला सह मीडिया प्रभारी अमित राजपूत समेत पांच लोग और दूसरे पक्ष के कई लोग जख्मी हो गए।वहीं, सपा प्रत्याशी की कार क्षतिग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि अकबरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद की सपा प्रत्याशी के समर्थक की स्कूटी चेक करने को लेकर विवाद हुआ। सूचना पर भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुलिस चौकी में हमलावरों की गिरफ्तारी को लेकर हंगामा किया।चौकी प्रभारी पर पक्षपात का आरोप लगाकर बदसलूकी की। चौकी प्रभारी को चौकी से हटाने और जांच कराकर कार्रवाई करने के आश्वासन पर मामला शांत हुआ।

मतदाताओं को लुभाने का आरोप

अकबरपुर के बाढ़ापुर रोड पर भाजपा के जिला से जुड़े कुछ लोगों ने उसे रोक लिया। स्कूटी की चेकिंग की। आरोप लगाया है कि सपा प्रत्याशी समर्थक मतदाताओं को लुभाने के कुछ सामान बांटने जा रहा था। इधर, समर्थक को पकड़े जाने की खबर मिलते ही सपा प्रत्याशी समर्थक भी वहां पहुंच गए।

मारपीट और पथराव में कई जख्मी

देखते ही देखते दोनों पक्षों में मारपीट हो गई। लाठी-डंडे चल गए। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता ओमजी कश्यप के हाथ में फ्रैक्चर हो गया। पार्टी के जिला सह मीडिया प्रभारी अमित राजपूत, अमन प्रजापति, रुद्र और कृष्णा जख्मी हो गए। झगड़े के दौरान सपा प्रत्याशी के कई समर्थक भी जख्मी हुए हैं।

पुलिस चौकी पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता

सपा प्रत्याशी के पति गुड्डन सिंह का कहना है कि बवाल के दौरान विपक्षी दल के लोगों ने पथराव करके उनकी कार क्षतिग्रस्त कर दी। घटना की सूचना गुरुवार की सुबह भाजपा जिलाध्यक्ष व एमएलसी अविनाश सिंह तक पहुंची, तो वह कार्यकर्ताओं के साथ अकबरपुर पुलिस चौकी पहुंच गए।

भाजपा का आरोप- शराब बांटने जा रहे थे सपा समर्थक

सपा-भाजपा समर्थकों के बीच हुई मारपीट की मामला केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ तक पहंच गया है। संदीप नाम के एक शख्स ने ट्वीटर के माध्यम से कहा गया है कि पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता अकबरपुर नगर पंचायत अध्यक्ष पद की पार्टी प्रत्याशी ज्योत्सना कटियार के पक्ष में प्रचार कर रहे थे।

स्कूटी की डिग्गी में रखी थी शराब

बुधवार देर रत सपा प्रत्याशी के दो समर्थक अकबरपुर में एक स्थान पर स्कूटी में कुछ सामान डिग्गी में रख रहे थे। शक होने पर बाढ़ापुर में स्कूटी रोक कर चेक की गई, तो उसमें शराब रखी मिली। आरोप है कि शराब बरामद होने पर सपा समर्थकों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमला कर दिया।

सपा और भाजपा समर्थकों के बीच हुए झगड़े में घायल ओमजी ने अकबरपुर थाने में दी तहरीर में लिखा है कि बुधवार की रात वह अभिकर्ताओं को सामग्री देकर वापस आ रहा था। बाढ़ापुर रोड पर कुछ लोग आए और उसे घेर लिया। मतदान से जुड़ी सामग्री छीन ली। गाली-गलौज करते हुए पीटा।

बिल्हौर में अराजकतत्वों ने दो मतपेटियों में डाला पानी, स्याही और चाशनी

बीपीएस न्यूज कानपुर। कानपुर में नगर पालिका बिल्हौर में निर्वाचन अधिकारियों और सुरक्षा अधिकारियों की लापरवाही के कारण अराजकतत्वों ने चुनाव खत्म होने के कुछ देर पहले ही मतपेटियों में स्याही, पानी और चासनी आदि डालकर मतदान प्रभावित कर दिया। निर्दलीय प्रत्याशी समर्थकों संग सड़कों पर उतर कर नारेबाजी करने लगे। पुलिस ने लाठियां पटक कर लोगों को तितर-बितर किया। निर्दलीय प्रत्याशियों के समर्थकों ने क्षेत्रीय विधायक पर गंभीर आरोप लगाए हैं।निर्दलीय और निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष शादाब खान ने बताया कि उनके समर्थकों ने बताया है कि वार्ड नंबर 22 और 25 की मतपेटियों में पानी और स्याही डाला गया है। जिससे मतपत्र पूरी तरह खराब हो गए हैं। वहीं, निर्दलीय प्रत्याशी इकलाख ने भी कई लोगों पर मतपेटियों में पानी डालने का आरोप लगाते हुए कानूनी कार्रवाई की गुहार लगाई है। उधर, कांग्रेस प्रत्याशी वरुणा राज कठेरिया ने सत्ताधारी विधायक और भाजपा के पदाधिकारियों पर आतंक करने का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग से सख्त कार्रवाई की अपील की है। इस मामले में एसडीएम रश्मी लांबा और एडीएम गुलाब चंद्र अग्रहरि ने बताया कि वार्ड नंबर 22 और 25 की मतपेटियों में पानी पड़ जाने की जानकारी मिली है, जबकि वार्ड नंबर 16 में 727 मतदाताओं के सापेक्ष 726 लोगों ने मतदान कर दिया। जिसमें स्थानीय प्रत्याशियों ने फर्जी वोटिंग की शिकायत निर्वाचन अधिकारियों से की है।

शोहदे ने राह चलती नाबालिग युवती को बदनीयती से दबोचा

पूर्व में भी एक बार युवती के साथ कर चुका है बदसलूकी शोहदे व उसके भाइयों के खिलाफ पास्को एक्ट विभिन्न धाराओं में हुआ मुकदमा पंजीकृत युवक के भाई बताते है खुद को गैंगस्टर हाथो में तमंचा लहराकर दी युवती के घर वालो को जान से मारने की धमकी

दैनिक दर्शन

कानपुर। घाटमपुर थाना क्षेत्र के तेजपुर गांव में एक युवती व उसका भतीजा घरेलू कार्य से बाहर जा रहे थे तभी रास्ते में गांव निवासी रोहित उर्फ गोलू अवस्थी पुत्र गुराहनू अवस्थी ने उसे अकेला पाकर उसे रोक लिया और उसके साथ छेड़ छाड़ करने लगा युवती ने उसे रास्ते से हटने को कहा तो युवक ने उसे बदनीयती से दबोच लिया और दुष्कर्म का प्रयास किया।

युवती ने जबरदस्ती का विरोध किया और शोर मचाया तो युवक ने उसके कपड़े फाड़ दिए और उसके साथ मारपीट करने लगा तभी राहगीरों को आता देख आरोपी युवक पीड़िता को मौके से गाली गलौज व जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला युवती जब बदहाल स्थिति में अपने घर में आयी और रोकर घर वालो से अपनी आपबीती सुनाई तो युवती के परिजनों ने इसकी सूचना 112 नंबर पर दर्ज कराई मौके पर आई पुलिस ने मामले की छानबीन व आरोपियों की तलाश शुरू की है। देर शाम पीड़िता के पिता ने थाने में पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की गुहार लगाई। पुलिस द्वारा आरोपी रोहित उर्फ गोलू अवस्थी व पीड़िता के घरवालो को धमकी देने के आरोप में उसके भाई अमित अवस्थी उर्फ शोहिल, बुग्गी अवस्थी उर्फ हर्ष अवस्थी के खिलाफ पास्को एक्ट सहित कई अन्य धाराओं पर मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने की बात कही है। पीड़िता के पिता ने बताया कि आरोपी युवक उसकी पुत्री के साथ पूर्व में भी एक बार बदसलूकी कर चुका है इसकी सूचना जब युवक के परिजनों की दी गई थी तब उन्होंने माफी मांग ली और आइंदा से कभी ऐसी गलती ना होने का आशावशन भी दिया था। लेकिन आज पुन: युवक द्वारा उस कृत्य को दोहराया गया जिसकी सूचना पीड़िता के पिता ने आरोपी रोहित उर्फ गोलू के बड़े भाई सोहिल और हर्ष अवस्थी को दी तो सोहिल ने अपने भाई को कुछ ना कह अंदर जा कर कट्टा ले आया और गाली गलौज करते हुए थाने ना जाने की धमकी पीड़िता के पिता को देने लगा। थाना प्रभारी घाटमपुर ने बताया कि मामले की छानबीन व आरोपियों की तलाश की जा रही है।

एक दिवसीय फर्टिलाइजर ओरिएंटेशन कार्यक्रम में नैनो उर्वरक उपयोगिता विषय पर दी जानकारी

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉ विजेंद्र सिंह द्वारा जारी निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय के कृषि अधिष्ठाता संकाय कक्ष में फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ नॉर्दन रीजन एवं सीएसए के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय फ़र्टिलाइज़र ओरिएंटेशन कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सभी अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पीके उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।फर्टिलाइजर एसोसिएशन ऑफ इंडिया नई दिल्ली के निदेशक डॉ डी एस यादव ने अपने व्याख्यान में बताया कि नाइट्रोजन उपयोग क्षमता धान एवं गेहूं में 30 से 40 प्रतिशत है।उन्होंने भारत में उर्वरक परिदृश्य विषय पर विस्तार से जानकारी दी है। कार्यक्रम में जोसेफ कक्कड़ ने कार्बनिक एवं अकार्बनिक पोषक तत्व के स्रोत पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने उर्वरक विपणन के विभिन्न पहलुओं एवं राष्ट्रीय स्तर पर दी जा रही उर्वरक सब्सिडी विषय पर जानकारी दी। आर के नायक ने उर्वरक उपयोग क्षमता बढ़ाए जाने के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। जिससे कृषकों को कम उर्वरक से अधिक लाभ प्राप्त हो सके। कार्यक्रम में पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ केएन तिवारी ने नैनो उर्वरक उपयोगिता विषय पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उर्वरकों का वैज्ञानिक विधि से प्रयोग न करने से प्राकृतिक संसाधनों का व्हास होता है। तथा मृदा, जल एवं वायु प्रदूषित होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि किसान नैनो उर्वरकों का उपयोग करते हैं ।

सी,बी,एस,ई के क्लास 10th एवं 12th के छात्र/छात्राओं ने शत-प्रतिशत अंक पाकर प्रताप इंटरनेशनल स्कूल का नाम किया रोशन

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर सीबीएसई कक्षा 10वी तथा 12वीं का परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा।

कक्षा 12वीं की साहिबा टक ने बिजनेस स्टडीज में 99 तथा अकाउंट्स में 98 अंक प्राप्त किए। तान्या शाक्य ने अंग्रेजी में 99 अंक प्राप्त किए। अनुदिशा जायसवाल ने इकोनॉमिक्स एवम पॉलिटिकल साइंस में 97 अंक प्राप्त किए। सुकृति पांडे ने हिस्ट्री में 95 तथा हिंदी में 92 अंक प्राप्त किए। अरिजीत सिंह ने गणित में 94 एवम रसायन विज्ञान में 93 अंक प्राप्त किए।

जीव विज्ञान में तान्या शाक्य ने 93, भौतिक विज्ञान में आर्यन मिश्रा ने 92 तथा कंप्यूटर साइंस में 90 अंक हासिल किए।सभी विषय में सम्मिलित रूप से साहिबा टक ने 96त्न सुकृति पांडे ने 95.2त्न, अनुदिशा जायसवाल ने 94त्न

आर्यन मिश्रा ने 93.4त्न वंशिका ने 92त्न तथा अरिजीत सिंह ने 92त्न अंक अर्जित कर विद्यालय का मान बढ़ाया। दसवीं तथा बारहवी कक्षा का परीक्षा परिणाम 100त्न रहा। कक्षा दसवी में अरुणेश ने विज्ञान विषय में 98 तथा सामाजिक विज्ञान में 99 अंक प्राप्त किए। कंप्यूटर एप्लीकेशन में पीयूष मिश्रा ने 99, गणित में नील नलिन ने 97 तथा हिंदी में 95 अंक अर्जित किए। हिंदी में दिव्यांशी तथा देवेश ने 93 तथा अंशिका सिंह ने अंग्रेजी में 97 अंक प्राप्त किए। सभी विषयों में सम्मिलित रूप से नील नलिन पाठक ने 96 प्रतिशत, पीयूष मिश्रा ने 95त्न, पश्यती ने 94.4त्न अंशिका सिंह 94.4त्न अरुणेश 93.4त्न, अर्जुन शुक्ला ने 93.2त्न, देवेश ने 92.6त्न प्रांशु अग्निहोत्री ने 92.6त्न, अमोध ने 91त्न तथा दिव्यांशु ने भी 91त्न अंक अर्जित कर विद्यालय को गौरवान्वित किया। सभी विद्यार्थी विद्यालय प्रांगण में एकत्रित हुए। विद्यालय की उपप्रधानाचार्य शिवानी त्रिवेदी ने विद्यार्थियों का मुंह मीठा करवाया तथा उनके सुनहरे भविष्य की कामना की।

लोहिया एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल जहांगीराबाद ने मारी बाजी

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। छात्रों ने एक बार पुन: सीबीएसई बोर्ड 12वीं कक्षा के रिजल्ट में क्षेत्र में अपना परचम लहराया है आकांक्षा सिंह ने 96 प्रतिशत नंबर लाकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है वहीं अभय प्रताप सिंह 94 प्रतिशत द्वितीय स्थान एवं राज सोफिया ने 92 प्रतिशत मार्क्स लाकर विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया है। जहां काव्या चक 89 प्रतिशत आशीष सिंह 88 प्रतिशत आश्रय शुक्ला 87 प्रतिशत वही दर्जनों अन्य छात्रों ने 85 प्रतिशत से अधिक मार्क्स लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है विषयानुसार बायोलॉजी में आश्रय शुक्ला 98 प्रतिशत राज सोफिया 95 प्रतिशत अभय प्रताप 94 प्रतिशत एवं आदित्य राज 91 प्रतिशत इंग्लिश में अक्षरा सिंह 98 प्रतिशत जान्हवी गुप्ता 95 प्रतिशत काव्या सचान 94 प्रतिशत और अभय प्रताप 94 प्रतिशत आदित्य राज 94 प्रतिशत मयंक तिवारी 93

प्रतिशत संकेत सचान 92 प्रतिशत एवं वर्तिका तिवारी ने 91 प्रतिशत मार्क्स प्राप्त किए केमिस्ट्री में अक्षरा सिंह 97 प्रतिशत अभय प्रताप 97 प्रतिशत राज सोफिया 95 प्रतिशत काव्या चक 95 प्रतिशत वहीं मैथ एवं फिजिक्स में अभय प्रताप 95 अक्षरा सिंह 95 राज सोफिया 90 प्रतिशत आदित्य राज 91 प्रतिशतअंक प्राप्त किए हैं।लोहिया एकेडमी इंटरनेशनल स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री आर बी सिंह ने विद्यालय के प्रधानाचार्य टीचर्स एवं छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा की ग्रामीण परिवेश की तमाम कठिनाइयों एवं अभाव के बावजूद छात्रों का यह रिजल्ट प्रशंसनीय है।

सीबीएसई की हाई स्कूल बोर्ड परीक्षा में स्कूल में प्रथम स्थान पाने वाले श्रेयश त्रिपाठी 95 प्रतिशत शिखा सिंह 91 प्रतिशत अभिषेक अग्निहोत्री 89 प्रतिशत परसेंट सौम्या सिंह 88 प्रतिशत आयुष शर्मा 87 प्रतिशत लक्ष्य अवस्थी 87 प्रतिशत अनिरुद्ध कुशवाहा 86 प्रतिशत आदित्य प्रताप सिंह 86 प्रतिशत एवं अभय सिंह चौहान 86 प्रतिशत। इसी प्रकार दर्जनों अन्य बच्चों ने 80 परसेंट से अधिक नंबर लाकर अपने माता-पिता एवं लोहिया अकैडमी का नाम रोशन किया है।विद्यालय के प्रधानाचार्य वंदन यादव अनुराग दीवान एवं कोऑर्डिनेटर कौशल सिंह गौरव सिंह निरुपमा सिंह सत्यम सचान रवि पाल मोहम्मद दानिश आदि ने सफल हुए छात्रों को सम्मानित किया।

डीएम ने अधीनस्थ सेवा प्री.परीक्षा की तैयारियों पर केंद्र व्यवस्थापकों बैठक कर दिए निर्देश

87 परीक्षा केंद्रों में 40986 अभ्यार्थियों सीसीटीवी कैमरे की निगरानी में देंगें परीक्षा

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी विशाख जी. व अनुसचिव/समन्वयी पर्यवेक्षक लोक सेवा आयोग सतीश चन्द्र मिश्रा, सदस्य लोक सेवा आयोग प्रयागराज डॉ. हरीश प्रताप सिंहकी उपस्थिति में शुक्रवार को बीएनएसडी शिक्षा निकेतन बेनाझाबर के सभागार में उ.प्र. लोक सेवा अयोग द्वारा 14 मई को जनपद में आयोजित होने वाली सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रा.परीक्षा) की तैयारियों के सम्बंध में स्टेटिक मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापकों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने उपस्थित अधिकारियों को समस्त परीक्षा केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे से परीक्षा कक्षों की कड़ी निगरानी के साथ सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाए। परीक्षा को जनपद के 87 परीक्षा केंद्रों में 87 स्टेटिक मजिस्ट्रेट लगाए गए है (प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की ड्यूटी लगाई गई तथा 29 सेक्टर मजिस्ट्रेट (तीन परीक्षा केंद्रों पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट) है।जनपद में पंजीकृत अभ्यार्थियों की संख्या 40986 है।स्टेटिक मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं केंद्र व्यवस्थापक प्रत्येक स्थिति में उत्तर पुस्तिका खोलते हुए एवं सीलिंग की कार्यवाही करते समय वीडियोग्राफी हो।समस्त सेक्टर मजिस्ट्रेट प्रात: 6 बजे ट्रेजरी में उस्थित रहकर समयबद्व रूप में प्रश्नपत्र प्राप्त करना सुनिश्चित करें। स्टेटिक मजिस्ट्रेट/सेक्टर मजिस्ट्रेट द्वारा आज ही संयुक्त रूप से केंद्र व्यवस्थापकों के साथ अपने अपने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर समस्त प्रकार की तैयारिया पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। परीक्षा अवधि में गतिशील रहते हुए अपने दायित्वों का निर्वाहन सुनिश्चित करें। 14 मई को दो पारियों में परीक्षा संपन्न कराई जाएगी। प्रथम पाली पूर्वाहन 9ः30 बजे से 11ः30 बजे तथा अपराह्न 2ः30 बजे से 4ः30 बजे तक होगी। समस्त स्टेटिक मजिस्ट्रेट/ सेक्टर मजिस्ट्रेट/ केन्द्र व्यवस्थापक निर्धारित समय से परीक्षा केन्द्र में पहुच कर अपने कार्यो को पूर्ण जिम्मेदारी से निर्वाहन करना सुनिश्चित कराए।

सीआईआई, यंग इंडियन्स और विवि के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर

सहभागिता एवं विभिन्न चरणों पर मिलकर करेंगे काम,सैंकड़ों की संख्या में छात्र-छात्राएं करेंगे प्रतिभाग , 22 मई को विश्वविद्यालय में होगा कॉन्क्लेव का आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कॉन्फिड्रेशन ऑफ इंडियन इंडिस्ट्री, के कानपुर चैप्टर यंग इंडियन्स (वाईआई) और सीएसजेएमयू समाज विकास के क्षेत्र में विभिन्न चरणों में साथ मिलकर काम करेंगे। शुक्रवार को दोनों संस्थानों के मध्य एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने इस एमओयू के माध्यम से युवाओं के साथ मिलकर समाज निर्माण, व्यक्तिव विकास के लिए कार्य करने पर बल दिया है। विवि के सेंटर फॉर अकादमिक भवन में हुए एक आयोजन में दोनों संस्थानों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो विनय कुमार पाठक ने इस अवसर पर कहा कि शहर के विकास के लिए युवाओं को साथ में आने की आवश्यकता है। वाई 20 के माध्यम से हम अपने शहर के बेहतर कल के लिए विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर सकते हैं। इस एमओयू के माध्यम से स्वास्थय, शिक्षा, पर्यावरण, ग्रामीण विकास, सामाजिक विकास से जुड़े सभी आयामों में दोनों संस्थान साथ मिलकर कार्य करेंगे।

वहीं यंग इंडियन्स (वाईआई) कानपुर की चेयरपर्सन रोली शाह ने कहा कि आने वाली 22 मई को होने वाले आयोजन को लेकर हम बहुत उत्साहित हैं। हर भारतीय के लिए यह गर्व का विषय है कि भारत जी 20 की अध्यक्षता कर रहा है। इस के तहत यह भी एक महत्वपूर्ण आयोजन है कि जी 20 के युवा एक साथ मिलकर आने वाले कल के बेहतर निर्माण के लिए विमर्श, सुझाव और चर्चाओं में शिरकत करेंगे। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव डॉ अनिल कुमार यादव, डायरेक्टर सीडीसी, प्रो आर के द्विवेदी, डॉ प्रवीण कटियार, डॉ मानस उपाध्याय, स्पर्श मेहरोत्रा आद मौजूद रहे।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला का आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भाकृअनुप-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी) में जलवायु अनुकूल कृषि पर राष्ट्रीय पहल परियोजना की तीन दिवसीय (12-14 मई) वार्षिक क्षेत्रीय कार्यशाला एवं प्रक्षेत्र भ्रमण का प्रारंभ हुआ। कार्यशाला में निक्रा परियोजना से जुड़े 17 कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतवर्ष की उपलब्धियों एवं आगामी कार्य योजनाओं की समीक्षा की जा रही है।कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य अतिथि सांसद अकबरपुर एवं सदस्य संसदीय स्टैडिंग कमेटी (कृषि, पशुपालन एवं खाद्य प्रसंस्करण) देवेन्द्र सिंह 'भोले' और अन्य उपस्थित विशिष्ट अतिथियों द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में मुख्य अतिथि ने कहा कि जलवायु परिवर्तन हमारे लिये एक बड़ी चुनौती है। विशेषकर कृषि के क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के काफी विपरीत प्रभाव पड़ रहे हैं। पहले के समय में और अब के समय में जलवायु में काफी अन्तर आ गया है। वृक्षों की कटाई, प्रदूषण, प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन आदि से यह अन्तर आया है। जलवायु परिवर्तन को देखते हुए मृदा के स्वास्थ्य पर भी असर पड़ रहा है। मृदा परीक्षण का कार्य काफी महत्वपूर्ण हो गया है, मृदा परीक्षण का टारगेट सेट करने और परीक्षण कर कमियाँ और गुण बताने, कृषकों को जागरुक करने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने आदि से जलवायु अनुकूल कृषि को और प्रोत्साहन मिलेगा। इस अवसर पर विशिष्ट आतिथि डा. विनोद कुमार सिंह, निदेशक, भाकृअनुप-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसंधान संस्थान (क्रीडा), हैदराबाद; डा. रंजय कुमार सिंह, सहायक महानिदेशक (कृ.वि.), भाकृअनुप, नई दिल्ली; डा. बी. गंगवार अध्यक्ष-जेड.एम.सी. निक्रा तथा डा. मसूद अली, सदस्य-जेड.एम.सी. निक्रा ने भी अपने विचार रखे। कार्यशाला में डा. एस.के. दुबे, निदेशक, भाकृअनुप-अटारी, कानपुर ने अपने स्वागत अभिभाषण में सभी उपस्थित गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया और बताया यह निकरा परियोजना वर्ष से चल रही है एवं इसका उद्देश्य जलवायु अनुकूल कृषि तकनीकी को बढ़ावा देना है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश के जलवायु संवेदनशील 17 जनपदों में यह परियोजना कार्यरत है। निक्रा के अन्तर्गत किसानों के लिये कस्टम हायरिंग सेंटर्स की भी व्यवस्था विकसित की गयी है जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से किसानों को मशीनरी उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही किसानों को उन्नत प्रजाति के बीज तथा संबंधित तकनीकियाँ भी कृषि विज्ञान केन्द्रों के माध्यम से प्रदर्शित कराये जाते

हैं। कार्यशाला में निक्रा परियोजना से जुड़े कृषि विज्ञान केन्द्रों के अध्यक्षों के साथ ही कृषकों ने भी प्रतिभाग कर अपने अनुभव साझा किये। उ.प्र. के राज्य कृषि विश्वविद्यालयों के निदेशक प्रसार डा. ए.पी. राव, डॉ.पी.के. सिंह, डा. एन.के. बाजपेई, डा. आर.के. यादव, डा. जे वी एन एस प्रसाद-कोआर्डिनेटर निक्रा एवं अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डा. एस.के. सिंह, डा. साधना पाण्डेय एवं डा. राघवेन्द्र सिंह भी उपस्थित रहे। इस कार्यशाला में चार तकनीकी सत्रों का आयोजन किया गया जिसमें जनपद-वार केवीके की उपलब्धियों पर गहन चर्चा की गयी तथा हमीरपुर जनपद के निक्रा गाँव का वैज्ञानिकों के दल ने भ्रमण भी किया।

लोहा कारोबारी की हत्या में पुलिस व क्राइम ब्रांच के हाथ खाली, नहीं मिला सुराग

बीपीएस न्यूज

कानपुर। शिव कटरा में बुधवार की देर शाम लोहा कारोबारी संजय गौड़ की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। बदमाश लूट के इरादे से उनकी दुकान में घुसे और विरोध होने पर गोली चला दी। हत्या के 50 घंटे बाद भी पुलिस इस मामले में खाली हाथ है। गांधीग्राम गोपाला अपार्टमेंट निवासी संजय गौड़ की शिवकटरा मोड़ के पास रामा आयरन ट्रेडर्स के नाम से दुकान है। बुधवार को रोजाना की तरह वह अपनी दुकान पर बैठे हुए थे और दिन भर के लेन देन का हिसाब किताब कर रहे थे। इसी दौरान शाम करीब साढ़े सात बजे अपाचे बाइक सवार तीन बदमाश उनके प्रतिष्ठान पर पहुंचे और लूटपाट शुरू कर दी। लूटपाट का विरोध करने पर बदमाशों ने संजय गौड़ के सीने में गोली मार दी, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। इस जघन्य वारदात के बाद एसीपी चकेरी अमरनाथ, डीसीपी क्राइम मनीष सोनकर, चकेरी थाना प्रभारी रत्नेश सिंह, कृष्णा नगर चौकी का पुलिस बल मौके पर पहुंचा। इसके बाद पुलिस ने मौके से 32 बोर का एक खोखा बरामद किया है। इस मामले में पुलिस को पड़ोस में स्थित एक अस्पताल से वारदात का सीसीटीवी फुटेज मिला था। मगर, अधिक दूरी होने की वजह से बदमाशों के चेहरे स्पष्ट नहीं हैं। हालांकि उनका हुलिया देखने को जरूर मिल रहा है। हत्या से आक्रोशित व्यापारियों की मांग है कि दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर उन्हें फांसी की सजा मिले। इस पर पुलिस कमिश्नर बीपी जोगदंड ने कहा कि यह घटना पुलिस के लिए चुनौती है, वह निश्चित तौर पर इसका जल्द से जल्द खुलासा करेगी। इसके लिए क्राइम ब्रांच की टीमें लगा दी गई हैं। साथ आसपास सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। पुलिस ने मौके से कुछ साक्ष्य भी एकत्र किए हैं।

किशोरी के साथ दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। स्वरूप नगर में दादी की डांट से खफा होकर घर से भागी 12 साल की किशोरी हवसी की हवस का शिकार हो गयी। दूसरे दिन वह बदहवास हालत में मोतीझील में मिली। दादी पोती दोनों गुबारे बेंचने का काम करती थी। पुलिस ने किशोरी की निशानदेही पर एक आरोपी को पकड़ा है। स्वरूप नगर के जीटी रोड़ किनारे रहने वाले एक परिवार की 12 वर्षीय किशोर 10 मई को डांस से नाराज होकर घर से चली गयी थी। घटनाक्रम के अनुसार रात में वह मोतीझील में अकेली बैठी थी तभी वहां पहुंचे एक युवक ने उसे बहला कर अपने साथ ले गया और उसके साथ कई बार दुष्कर्म किया।

नागरिक सुविधा केन्द्र हेतु नगर निगम एचडीएफसी बैंक के मध्य हुआ एमओयू

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर विकास विभाग शासन के निर्देशों के क्रम में कानपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा नगर निगम मुख्यालय में नागरिक सुविधा केन्द्र का निर्माण कराया गया है। जिसके माध्यम से शहर के नागरिकों को नगर निगम की सुविधाओं को मुहईया कराया जायेगा। जिससे नागरिक एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय के चक्कर लगाने से बचेंगे व एक ही स्थान से समस्त तरह की समस्याओं व सुविधाओं की पूर्ति की जायेगी।नागरिक सुविधा केन्द्र के लिए एच.डी.एफ.सी बैंक व नगर निगम के मध्य एक एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर किये गये हैं। जिसमें एच.डी.एफ.सी बैंक द्वारा बिना किसी शुल्क के नागरिक सुविधा केन्द्र के कुशल संचालन हेतु वेब एप्लीकेशन एवं मोबाइल ऐप का निर्माण किया जायेगा। एम.ओ.यू. पर हस्ताक्षर के समय शिवशरणप्पा जी.एन. नगर आयुक्त, सन्दीप कर क्लस्टर हेड, एच.डी.एफ.सी. बैंक, मधुर दीक्षित एच.डी.एफ.सी, मनीष नरूला ब्रांच हेड, एच.डी.एफ.सी. बैंक, नरेन्द्र पाल क्षेत्रीय हेड, एच.डी.एफ.सी. बैंक एवं राहुल सब्बरवाल मैनेजर आई.टी. स्मार्ट सिटी लिमिटेड मौजूद रहे।

नागरिक सुविधा केन्द्र में नगर निगम कानपुर द्वारा नागरिकों को प्रदान की जाने वाली 18 सुविधाओं को एक ही स्थान से किऑस्क पर टोकन प्राप्त करते हुए समस्त सविधाओं व शिकायतों की जानकारी व कार्य कराये जा सकेंगे। जिससे अलग-अलग विभागों में जाने की आवश्यकता नहीं होगी। वेब पोर्टल व ऐप के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याएं सीधे सम्बन्धित विभाग के अधिकारी को पहुंचा सकेगा। विभागीय अधिकारी द्वारा सीधे नागरिक को प्रदान की जा रही सुविधाओं व समस्याओं को वेब पोर्टल के माध्यम से आवश्यक त्वरित कार्यवाही की जा सकेगी। जिससे आमजनमानस को सीधे तौर पर नगर निगम कानपुर की सुविधाओं का लाभ प्राप्त हो सकेगा।

इण्टर में नंबर कम आने पर छात्रा ने की सुसाइड

नगर संवाददाता

कानपुर। इण्टर में नंबर कम आने पर छात्रा ने सुसाइड कर लिया। छात्रा को 73त्न नंबर मिले थे। इससे वह काफी निराश थी। घर वालों ने समझाया तो उसने मां से कहा- अब मुझे IIT में एडमिशन नहीं मिल पाएगा। इसके बाद छात्रा अपने कमरे में चली गई।

काफी देर तक जब वह कमरे से बाहर नहीं निकली तो छोटी बहन उसे बुलाने गई। कमरे में छात्रा का शव फांसी से लटकता मिला। परिजन अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला बर्रा-2 का है।बर्रा-2 के रहने वाले नीरज दीक्षित केडीए में बाबू हैं। उनकी बेटी माही दीक्षित (17) मदर टेरेसा स्कूल में 12वीं की छात्रा थी। शुक्रवार को सीबीएसई बोर्ड का रिजल्ट आया तो उसे 73 फीसदी नंबर मिले। इस बात को लेकर वह बेहद उदास थी। वह लगातार रोये जा रही थी। पिता नीरज के मुताबिक, बेटी बार-बार यही कह रही थी कि 2 साल से वह आईआईटी फाउंडेशन बैच की तैयारी कर रही थी, लेकिन अब उसे एडमिशन नहीं मिल सकेगा। माही की मां शिवानी रोते हुए बार-बार यही कह रहीं थी कि मेरे दो साल बर्बाद हो गए। अब मैं क्या करूंगी।

मां के काफी देर तक समझाने के बाद वह उदास बैठी रही। फिर कुछ देर अकेले में रहने की बात कहकर ऊपर कमरे में चली गई। काफी देर तक बाहर न आने पर छोटी बहन नीति ने जाकर देखा तो माही का शव फंदे से लटक रहा था। नीति ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद घर में कोहराम मच गया।

परिजन छात्रा को अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना पर बर्रा थाने का फोर्स मौके पर पहुंच गया। छात्रा के पिता ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया।

बी-फार्मा स्टूडेंट ने फांसी लगाकर दी जान

बीपीएस न्यूज कानपुर। गोविंद नगर में बीफार्मा के स्टूडेंट ने बीती शाम को फांसी लगाकर जान दे दी। परिजन कमरे में पहुंचे तो उन्हें मामले की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने गोविंद नगर पुलिस को सूचना दी। जांच के दौरान कमरे से एक सुसाइड नोट मिला। जिसमें लिखा था मुझे माफ करना मम्मी-पापा मैं आपका अच्छा बेटा नहीं बन सका। इसके साथ ही अपने मोबाइल का पासवर्ड भी लिखा। गोविंद नगर थानाक्षेत्र के साढ़े छह ब्लाक निवासी विशाल दुबे (27) ने शुक्रवार दोपहर को कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक के भाई डॉ. गौरव दुबे का घर के निचले हिस्से में क्लीनिक है। डॉ. गौरव ने बताया कि उनका छोटा भाई विशाल बी. फार्मा सेकेंड ईयर का छात्र था। रोज की तरह वह शुक्रवार दोपहर क्लीनिक में थे और गौरव कमरे में पढ़ाई कर रहा था। काफी देर तक बाहर न निकलने पर मां नीरु ने दरवाजा खटखटाया तो अंदर से कोई आवाज नहीं आई।मां ने कमरे में झांक कर देखा तो उनके होश उड़ गए। मां की चीख सुनकर गौरव ने ऊपर जाकर देखा तो विशाल का शव पंखे से लटक रहा था। परिजनों की सूचना गोविंद नगर पुलिस मौके पर पहुंची। गोविंद नगर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर धनंजय पांडेय ने बताया कि फार्मा स्टूडेंट ने सुसाइड किया है। जांच के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। कमरे में एक सुसाइड नोट मिला, जिसमें उसने अपनी मौत का जिम्मेदार खुद को बताया। पुलिस ने सुसाइड नोट कब्जे में लेकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

फोरेंसिक रिपोर्ट में गोली लगने की पुष्टि नहीं

बीपीएस न्यूज

घाटमपुर। नगर पालिका अध्यक्ष पद की निर्दलीय प्रत्याशी स्नेह लता के पति पर. मतदान के सात घंटे पहले स्कूटी सवार अज्ञात बदमाश गोली मारकर भाग निकले थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने गजराज सिंह को घायल अवस्था में घाटमपुर सीएचसी पहुँचाया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया था। फोरेंसिक टीम की जांच में गोली लगने कि पुष्टि नहीं हुई है। घाटमपुर नगर के शास्त्री नगर मोहल्ला निवासी गजराज सिंह यादव उर्फ़ पप्पू ने पुलिस को बताया था, कि उनकी पत्नी स्नेह लता यादव निर्दलीय प्रत्याशी है, वह घाटमपुर नगर पालिका सीट से अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रही है। देर रात वह अपने घर से भोजन करने के बाद कार्यालय जा रहे थे। तभी सामने से आये स्कूटी सवार दो बदमाशों ने उन्हें गोली मार कर बदमाश मौक़े से भाग निकले।

बाएं हाथ में गोली लगी थी, जिन्हे घाटमपुर सीएचसी से कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर किया गया था। वहां पर पहुंची फोरेंसिक टीम ने हाथ की जांच पड़ताल की है, जिसमें गोली लगने कि पुष्टि नहीं हुई है। फोरेंसिक टीम को गन शॉट का कोई भी निशान ही नहीं मिला, जिसकी रिपोर्ट फोरेंसिक टीम ने पुलिस को सौपी है। फोरेंसिक टीम की रिपोर्ट में किसी हथियार से वार किया गया है। कानपुर फोरेंसिक टीम के डॉक्टर पी के श्रीवस्ताव ने बताया कि सभी जांच करने के बाद यह बात साफ है, कि गोली नहीं लगी है, किसी हथियार से हाथ पर छेद किया गया है, जिसकी रिपोर्ट उन्होंने पुलिस को सौप दी है। पुलिस घटना की गहनता से जांच कर रही है।

सड़क हादसे में सर्राफ की मौत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हनुमंत विहार थाना क्षेत्र के बाबा नगर निवासी नरेंद्र गुप्ता की सड़क हादसे में मौत हो गई। वह सर्राफा का काम करते थे। भाई राजेंद्र ने बताया कि शुक्रवार सुबह वह घर के बाहर टहल रहे थे। टहलते-टहलते वह नौबस्ता हाईवे पर पहुंचे तो अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

युवा, एकांतप्रिय, प्रतिभाशाली, राहुल गांधी नहीं बल्कि कांग्रेस का वो मायावी रणनीतिकार आज बहुत खुश होगा

कर्नाटक में चुनावी फतह हासिल करने के लिए कांग्रेस ने नई रणनीतियां बनाईं। भाजपा के आरोपों का मुकाबला किया और सत्ताधारी पार्टी के खिलाफ अपने प्रमुख चुनावी मुद्दे के रूप में भ्रष्टाचार का इस्तेमाल किया। जैसा कि राज्य में कांग्रेस की सरकार बनना तय लग रहा है, इसका श्रेय पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं और चुनावी रणनीतिकार सुनील कानूनगोलू को जाता है। सुनील कानूनगोलू ने 2018 में भाजपा के लिए ठीक यही काम किया था। अभिनव अभियान रणनीतियों के साथ कांग्रेस को अपने उम्मीदवारों के चयन को लेकर सलाह दी। कुछ को छोड़कर कांग्रेस के उम्मीदवारों को मुख्य रूप से सुनील कानूनगोलू की टीम द्वारा किए गए सर्वेक्षणों के आधार पर चुना गया था।चुनाव रणनीतिकार को कांग्रेस ने पिछले साल मार्च में नियुक्त किया था। दो महीने बाद सोनिया गांधी ने सुनील कानूनगोलू को पार्टी के 2024 लोकसभा चुनाव टास्क फोर्स का सदस्य नामित किया। एक ऐसा रणनीतिकार, जिसकी कोई ऑनलाइन उपस्थिति नहीं है। उन्होंने हाल के वर्षों में तमिलनाडु में डीएमके और एआईडीएमके के साथ काम किया है। सुनील कानूनगोलू, जो पहले चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर के साथ काम करते थे।

2014 में नरेंद्र मोदी के चुनाव अभियान में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते थे और भाजपा के एसोसिएशन ऑफ बिलियन माइंड्स (एबीएम) के प्रमुख के रूप में कार्य करते थे। उन्होंने उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, गुजरात और कर्नाटक में भाजपा के चुनाव अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें से सभी में भाजपा विजयी हुई। कर्नाटक के मूल निवासी कानूनगोलू का पालन-पोषण चेन्नई में हुआ था। उन्हें कन्याकुमारी से कश्मीर तक कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की योजना बनाने का श्रेय दिया जाता है। इस यात्रा ने महत्वपूर्ण चुनावों से पहले कांग्रेस को लोगों से जोड़ने में मदद की।

अतीक के खिलाफ कार्रवाई का भाजपा को मिला फायदा, नेताओं ने की बगावत, जनता ने दिया साथ

प्रयागराज। भाजपा ने निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी का टिकट काटकर भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता उमेश चंद गणेश केसरवानी पर दांव लगाया था, जो काफी सफल रहा। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की नाराजगी का भी चुनाव पर कोई असर नहीं दिखता नजर आ रहा है।

प्रयागराज नगर निगम में माफिया के खिलाफ योगी सरकार का एक्शन सफल रहा। निकाय चुनाव की आहट शुरू होते ही विधायक राजू पाल हत्याकांड के गवा उमेश पाल और उनके दो अंगरक्षकों की गोली मारकर हत्या के बाद प्रदेश की राजनीति में हलचल मच गई। इसका सीधा असर निकाय चुनाव पर देखा गया।इसके बाद शुरू हुए ताबड़तोड़ कार्रवाई में माफिया अतीक के बेटे असद और शूटर गुलाम का 13 अप्रैल को एनकाउंटर कर दिया गया। इसके पहले शूटर अरबाज और विजय चौधरी उस्मान को पुलिस ने मार गिराया था। 15 अप्रैल को कॉल्विन अस्पताल के गेट पर माफिया अतीक और अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसका काफी असर चुनाव पर देखा गया और भाजपा को इसका पूरा लाभ मिला।

भाजपा ने निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता नंदी का टिकट काटकर भाजपा के सामान्य कार्यकर्ता उमेश चंद गणेश केसरवानी पर दांव लगाया था, जो काफी सफल रहा। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी की नाराजगी का भी चुनाव पर कोई असर नहीं दिखता नजर आ रहा है। नंदी ने पत्नी को भाजपा से महापौर का टिकट न मिलने पर काफी नाराजगी जाहिर की थी और इसका गुस्सा प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य पर उतारा था।विधानसभा चुनाव में नंदी के खिलाफ शहर दक्षिणी से सपा के टिकट पर चुनाव लड़ चुके रईस चंद शुक्ला को भाजपा में शामिल कराने पर नंदी ने डिप्टी सीएम केशव को आड़े हाथों लेते हुए खरी खोटी सुनाई थी। इससे लग रहा था कि नगर निगम महापौर के चुनाव में नंदी की नाराजगी का खामियाजा भाजपा को भुगतना पड़सकता है, लेकिन अतीक अहमद और अशरफ के खिलाफ हुए ताबड़तोड़ऐक्शन और माफिया बंधुओं की पुलिस कस्टडी में हत्या के बाद शहर की राजनीति बदल गई और इसका पूरा फायदा भाजपा को मिला। मतदान से दो दिन पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने माफिया अतीक अहमद के इलाके में जनसभा कर भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ ही आम जनमानस को काफी प्रभावित किया। निकाय चुनाव में टिकट कटने के कारण भाजपा के कई कद्दावर नेताओं ने भी पार्टी से बगावत कर दी। कई ने तो खुद मैदान में उतरकर भाजपा प्रत्याशियों के खिलाफ चुनाव लड़ा जबकि तमाम नेताओं ने विरोधी पार्टी के प्रत्याशियों का चोरी चुपके समर्थन कर भाजपा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने टिकट न मिलने पर सार्वजनिक रूप से नाराजगी जाहिर कर पार्टी में हलचल पैदा कर दी। हालांकि उन्होंने टिकट की चर्चा न करके सपा नेता रईस चंद शुक्ला को भाजपा में शामिल करने का आधार बनाया।

10वीं बोर्ड रिजल्ट में 1.28 फीसदी गिरावट, सरकारी स्कूलों का बुरा हाल

नई दिल्ली। इस वर्ष 2023 में सीबीएसई दसवीं बोर्ड का रिजल्ट बीते वर्ष के मुकाबले कम रहा है। स्वयं सीबीएसई द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते वर्ष जहां 94.40 प्रतिशत छात्र पास हुए थे, वहीं इस वर्ष 93.12 प्रतिशत छात्र पास हो सके हैं। यानी कि बीते वर्ष के मुकाबले इस वर्ष 10वीं के नतीजों में 1.28 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है। सबसे बुरा हाल सरकारी स्कूलों का रहा। यहां केवल 80.38 प्रतिशत छात्र पास हुए हैं। गौरतलब है कि इस वर्ष 12वीं बोर्ड के औसत रिजल्ट में भी 5 फीसदी से भी अधिक की गिरावट आई है।सीबीएसई 10वीं कक्षा के ओवरऑल रिजल्ट में जहां 1 फीसदी से अधिक की गिरावट आई है तो इसका असर बीते वर्ष के मुकाबले इस वर्ष लड़कों और लड़कियों के रिजल्ट पर भी दिखाई दिया है। सीबीएसई के मुताबिक बीते वर्ष 95.21 परसेंट लड़कियां दसवीं बोर्ड परीक्षा में पास हुई थीं। इस वर्ष 94.25 प्रतिशत लड़कियां 10वीं की बोर्ड परीक्षा पास कर सकी हैं।

बिजली बिलों में हेराफेरी से निगमों को लगा करोड़ों का चूना, वसूली में भी दिक्कत, जांच के आदेश

लखनऊ। प्रदेश के विद्युत निगमों में बिजली बिल में बड़े पैमाने पर खेल चल रहा है। बिलों में हेराफेरी की वजह से हर साल करोड़ों के सरकारी राजस्व को नुकसान हो रहा है। एक तरफ बकाया बढ़ रहा है तो दूसरी तरफ उपभोक्ता भी परेशान हैं। एक के बाद एक मामले सामने आने के बाद कारपोरेशन अध्यक्ष ने जांच के आदेश दिए हैं।प्रदेश में विद्युत निगम करीब एक लाख करोड़ के घाटे में चल रहे हैं। विद्युत वितरण निगम का उपभोक्ताओं पर करीब 60452 करोड़ रुपया बकाया है। इसमें सर्वाधिक 16738 करोड़ का बकाया दक्षिणांचल का है। इसी तरह पूर्वांचल का करीब 16512 करोड़, पश्चिमांचल का करीब 11515 करोड़, मध्यांचल का करीब 13607 करोड़ और केस्को का करीब 2080 करोड़ रुपया बकाया है। इसकी वसूली के लिए लगातार अभियान चलाने का दावा किया जा रहा है। इसके बाद भी वसूली नहीं हो पा रही है। इसकी पड़ताल की गई तो कई चौकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। वसूली में हो रही देरी की एक बड़ी वजह बिजली बिलों में गड़बड़ी है। अभियंता अपने फायदे के लिए निर्धारित टैरिफ के बजाय गलत टैरिफ तय करते हैं। जहां औद्योगिक बिल जारी करना है वहां वाणिज्यिक श्रेणी में बिल जारी कर रहे हैं।

कैबिनेट की बैठक में 20 से अधिक प्रस्तावों पर होगी चर्चा

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोकभवन में कैबिनेट की बैठक होगी। नगर निकाय चुनाव कार्यक्रम जारी होने के बाद यह पहली कैबिनेट बैठक है। सरकार ने निकाय चुनाव के दोनों चरण के मतदान संपन्न होने के बाद यह बैठक बुलाई है। इसमें 20 से अधिक प्रस्तावों पर निर्णय की संभावना है।सूत्रों ने बताया कि चार निजी विश्वविद्यालयों के आशय पत्र जारी करने, शृंगवेरपुर धाम के विकास, निवेशकों को नीतियों के तहत दिए जाने वाले लाभ की मंजूरी, किसानों में दलहन व तिलहन की मिनी किट बांटने और हीरो मोटो क्रॉप्स की लीज बढ़ाने जैसे प्रस्ताव शामिल हैं। कुछ विभागों के पुराने भवनों के ध्वस्तीकरण की मंजूरी के प्रस्ताव भी शामिल हैं। इसके अलावा औद्योगिक विकास एवं रोजगार प्रोत्सान नीति-2022 में संशोधन का प्रस्ताव कैबिनेट में मंजूर हो सकता है। कैबिनेट से प्रस्ताव पारित होने के बाद पहले से जमीन खरीदने वाले निवेशकों को स्टांप ड्यूटी की शत प्रतिशत प्रतिपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा एमएसएमई विभाग के जरिये बुनकरों को विद्युत बिल में राहत देने का प्रस्ताव भी मंजूर किया जा सकता है।

औद्योगिक इकाइयों को स्टांप ड्यूटी की प्रतिपूर्ति मिलेगी

बैठक में औद्योगिक विकास एवं रोजगार प्रोत्सान नीति-2022 में संशोधन का प्रस्ताव कैबिनेट में मंजूर हो सकता है। प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे निवेशक हैं जिन्होंने निवेश नीति लागू होने से पहले ही अपनी इकाई के लिए जमीन खरीद ली है। उन्होंने वैश्विक निवेशक सम्मेलन में निवेश के लिए करार किया है। ऐसे निवेशकों ने स्टांप ड्यूटी में रियायत के लिए सरकार को प्रस्ताव दिया था। सरकार ने निवेशकों को राहत देने के लिए नीति में संशोधन का प्रस्ताव तैयार किया है। कैबिनेट से प्रस्ताव पारित होने के बाद पहले से जमीन खरीदनी है।

साल बाद सामने आया मुरादाबाद में ईद की नमाज के बाद दंगे का सच, 15 सीएम बदले

लखनऊ। 43 साल पहले मुरादाबाद जिले में ईद की नमाज के बाद भड़के दंगे का सच अब सामने आएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट ने मुरादाबाद दंगे की एक सदस्यीय न्यायिक जांच की रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, मुरादाबाद के डॉ. शमीम अहमद खान इस दंगे का सूत्रधार था। उसने वाल्मीकि समाज, सिख और पंजाबी समाज को फंसाने के लिए 13 अगस्त 1980 को ईद की नमाज के समय पथराव और हंगामा कराया गया था। इसका मकसद राजनीतिक लाभ हासिल करना था।

हैरानी की बात यह है कि 1980 से लेकर 2017 के दरम्यान किसी भी दल की सरकार इस रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की हिम्मत नहीं जुटा सकी। वित्त मंत्री ने कहा कि जांच आयोग की रिपोर्ट गोपनीय है, उसे अभी सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। राज्य सरकार अब इस रिपोर्ट को सदन में रखेगी, जिसके बाद दंगे का पूरा सच सामने आ सकता है। बता दें कि तत्कालीन मुख्यमंत्री वीपी सिंह ने दंगे की जांच के लिए एक सदस्यीय न्यायिक जांच आयोग का गठन किया था। इस आयोग की रिपोर्ट को 40 साल बाद शुक्रवार को कैबिनेट में प्रस्तुत किया गया। कैबिनेट से अनुमोदन के बाद अब रिपोर्ट विधानमंडल में पेश की जाएगी। वित्त मंत्री ने बताया कि करीब 40 साल पहले शासन में रिपोर्ट प्रस्तुत होने के बाद भी पूर्ववर्ती सरकारों ने रिपोर्ट को कैबिनेट एवं सदन के पटल पर रखने की अनुमति नहीं दी। उल्लेखनीय है कि 1980 से अब तक प्रदेश में 15 मुख्यमंत्री बने, लेकिन कोई भी इस रिपोर्ट को सदन के पटल पर रखने की हिम्मत नहीं जुटा सका।

83 लोग दंगे में मारे गए

मुरादाबाद में 13 अगस्त 1980 को ईद की नमाज के समय पथराव और हंगामा हुआ था। इसके बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़कने से 83 लोग मारे गए थे और 112 लोग घायल हुए थे। मामले की जांच के लिए गठित आयोग ने अपनी रिपोर्ट 20 नवंबर 1983 को शासन को सौंपी थी। सूत्रों के मुताबिक जांच में सामने आया था कि मुस्लिम लीग के डॉ. शमीम अहमद खां और उनके समर्थकों ने वाल्मीकि समाज, सिख और पंजाबी समाज के लोगों को फंसाने के लिए अपने समर्थकों के साथ घटना को अंजाम दिया था।

मुख्यमंत्री वीपी सिंह ने गठित किया था आयोग

तत्कालीन मुख्यमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एमपी सक्सेना की अध्यक्षता में दंगे की जांच के लिए न्यायिक आयोग का गठन किया था। आयोग की रिपोर्ट आने के 43 साल बीतने के बाद भी किसी भी आरोपी पर कार्रवाई नहीं की जा सकी। उस दौरान दंगे में मरने वाले लोगों की संख्या 250 से अधिक बताई गई, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई थी। दरअसल दो समुदायों के बीच हिंसा भड़ने के बाद पुलिस को गोलियां चलानी पड़ी जिससे कई लोग मारे गए। इसके बाद मुरादाबाद में करीब एक माह तक कर्फ्यू लगा रहा।

आयोग ने डॉ. शमीम को पाया था दोषी

आयोग ने मुस्लिम लीग के तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष शमीम अहमद खान, उनके कुछ समर्थकों और दो अन्य मुस्लिम नेताओं को दंगा भड़काने का दोषी पाया था। उन्होंने अपनी जांच रिपोर्ट में भाजपा या आरएसएस जैसे हिंदू संगठनों के हिंसा भड़काने में कोई भूमिका के प्रमाण नहीं मिलने की बात कही थी। आयोग ने पीएसी, पुलिस और जिला प्रशासन को भी आरोपों से मुक्त कर दिया था। आयोग ने जांच में पाया कि ज्यादातर मौतें पुलिस फायरिंग में नहीं, बल्कि भगदड़ से हुई थी। रिपोर्ट में ये भी जिक्र किया गय था कि सियासी दल मुसलमानों को वोट बैंक के रूप में न देखें। सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काने के दोषी पाए जाने वाले किसी भी संगठन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

जांच रिपोर्ट में खुलासा: पान मसाला बाजार में 40 फीसदी नकली माल काबिज, कारोबार में माफिया की भी घुसपैठ

लखनऊ । हजारों करोड़ के पान मसाला बाजार में कर चोरी के आरोप तो हैं ही, इसमें नकली मसाले की खपत के अलावा माफिया भी प्रवेश कर चुके हैं। जीएसटी खुफिया विंग की पड़ताल में खुलासा हुआ है कि पान मसाला बाजार में 40 फीसदी नकली मसाला है व माफिया का भी कब्जा है। नकली और लोकल मसाले का ये बाजार असली के समानांतर खड़ा हो चुका है। ठेले-गुमटी से लेकर पान की दुकानों में ये नकली तंबाकू-पान मसाला बेधड़क बिक रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक 17 हजार करोड़ का नकली मसाला और तंबाकू बाजार में खपाया जा रहा है।

जांच विंग के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक नकली पान मसाले के खेल में कुछ असली मसाला बनाने वाले भी शामिल हैं। गुपचुप चल रही पान मसाला मशीनों में आधी असली वालों की ही हैं। अकेले यूपी, दिल्ली और एनसीआर में 150 से ज्यादा पान मसाला मशीनें चोरी छिपे चलाई जा रही हैं। गलियों और दूरदराज के इलाके के एक कमरे में चलने वाली इन मशीनों से करोड़ों की टैक्स चोरी करने के ये शातिर मास्टरमाइंड खुद ही नकली का हल्ला मचाकर कई बार छापा डलवा देते हैं। पिछले दो साल में नकली के नाम पर मारे गए छापों में महज आठ करोड़ का ही माल सीज किया गया।

नकली वाले दे रहे असली के मुकाबले 25 फीसदी कमीशन

अधिकारी के मुताबिक दूसरी तरफ माफिया ने सिंडीकेट बनाकर समानांतर नकली फैक्टरी खोल ली है। नकली माल बेचने वाले छोटे दुकानदारों को असली के मुकाबले 25 फीसदी ज्यादा कमीशन दिया जा रहा है। विंग ने अपनी पड़ताल में कहा है कि पान मसाला बनाने के लिए तकनीकी या विज्ञान की जरूरत नहीं है।

महज 200 वर्गफुट के एक कमरे, एक लाख रुपए और चार कर्मचारियों के साथ मसाला की फैक्टरी तैयार हो जाती है। कानपुर और दिल्ली में पान मसाले और तंबाकू के कच्चे माल के 32 सप्लायर हैं, जो फार्मूले सहित कच्चा माल सप्लाई करते हैं। इसको लेकर सात बड़े पान मसाला निर्माता केंद्रीय और राज्य कर के शीर्ष अफसरों से शिकायत भी कर चुके हैं।

मदरसों में प्री प्राइमरी कक्षाओं के लिए राज्य सरकार से नहीं मिलेगी मदद

लखनऊ। कान्वेंट स्कूलों की तर्ज पर प्रदेश के मदरसों में प्री प्राइमरी कक्षाएं संचालित करने के लिए राज्य सरकार से मदद नहीं मिलेगी। इन कक्षाओं के लिए शिक्षकों की नियुक्ति से लेकर तमाम व्यवस्थाएं मदरसा प्रबंधन को खुद करनी होगी।गौरतलब है कि उप्र मदरसा शिक्षा परिषद ने बीते साल जुलाई में मदरसों में नर्सरी, केजी, एलकेजी की तर्ज पर छोटे-छोटे बच्चों को शिक्षा देने का निर्णय लिया था ताकि खेल-खेल में बच्चों को ककहरा सिखाया जा सके। वर्तमान में परिषद से मान्यताप्राप्त मदरसों में बच्चों को कक्षा एक से प्रवेश दिया जाता है लेकिन प्री प्राइमरी कक्षाएं के शुरू होने से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को भी मदरसों में प्रवेश दिया जा सकेगा।अब परिषद ने स्पष्ट कर दिया है कि अपना संसाधन-अपना सिलेबस की तर्ज पर मदरसों को प्री-प्राइमरी कक्षाएं संचालित करने की अनुमति दी जाएगी। इसके तहत मान्यताप्राप्त अनुदानित, गैर अनुदानित मदरसों को प्री प्राइमरी कक्षाएं संचालित करने के लिए अनुमति इस प्रतिबंध के साथ दी जाएगी कि मदरसों के प्रबंधक, प्रबंध तंत्र अपने स्तर से सभी प्रकार के खर्च उठाएंगे। शिक्षकों की व्यवस्था भी खुद ही करेंगे।

300 एमबीबीएस छात्रों का भविष्य दांव पर, पांच साल पढ़ाई के बाद भी डिग्री को नहीं मिल पाई मान्यता

लखनऊ। 300 एमबीबीएस छात्र पांच साल की पढ़ाई के बाद सड़क पर हैं। उनकी डिग्री को मान्यता नहीं मिल पाई है। ऐसे में वे न तो नीट पीजी दे सकते हैं और न ही किसी मरीज का इलाज कर सकते हैं। उनका भविष्य दांव पर है, लिहाजा कॉलेज से लेकर महानिदेशालय तक चक्कर काट रहे हैं।

राजकीय मेडिकल कॉलेज एंड सुपर स्पेशियलिटी आजमगढ़, शेख उलहिंद मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज सहारनपुर व रानी दुर्गावती राजकीय मेडिकल कॉलेज बांदा में 2017 बैच में 100-100 छात्रों ने दाखिला लिया। चार साल पढ़ाई व एक साल इंटर्नशिप की, लेकिन डिग्री की बारी आई तो पता चला कि इन कॉलेजों को 2017 बैच के लिए राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग ने सशर्त मान्यता दी थी। शर्तें पूरी न करने से इन्हें नियमित मान्यता नहीं दी गई है। ऐसे में इनका उप्र. मेडिकल फैकल्टी में पंजीयन नहीं हो सकता है।

ये छात्र अब खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं, क्योंकि दाखिला लेने के बाद उन्हें उम्मीद थी कि 5 साल कोर्स पूरा करते ही इनका कॉरियर बन जाएगा। कुछ छात्र परास्नातक में दाखिला लेना चाहते थे तो कुछ प्रांतीय चिकित्सा सेवा संवर्ग के तहत सरकारी अस्पताल में सेवा का सपना संजोए थे। पर अब ये छात्र निरंतर भागदौड़ कर रहे हैं। यह देख महानिदेशालय में नए सिरे से मान्यता संबंधी पत्रावलियों की पड़ताल शुरू की गई है।

इन कॉलेजों में 2018 बैच की भी इंटर्नशिप चल रही है। ये छात्र करीब छह माह बाद पास होकर निकलेंगे। इनके भी पंजीयन पर संकट है। यदि समय रहते इन पर फैसला नहीं हुआ तो 300 अन्य छात्रों को पंजीयन के लिए इंतजार करना पड़ेगा।

भारत नेपाल सीमा पर चल रहा था जाली नोट खपाने गोरखधंधा, पांच गिरफ्तार

लखनऊ। भारत-नेपाल सीमा से सटे रुपईडीहा कस्बे में एटीएस व पुलिस की टीम ने नकली नोट बनाकर उसे खपाने वाले गिरोह के पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से हजारों की भारतीय व नेपाली नकली मुद्रा, कार व जाली नोट छापने के उपकरण समेत कई अन्य सामान भी बरामद किया गया हैं। पकड़े गए आरोपी लखीमपुर जिले के रहने वाले हैं।एसपी प्रशान्त वर्मा ने बताया कि नकली नोट बनाने वाले गिरोह को बहराइच एटीएस प्रभारी कुलदीप सिंह गौर, श्रावस्ती प्रभारी वासुदेव राणा व रुपईडीहा एसओ श्रीधर पाठक की संयुक्त टीम ने पकड़ा है। पुलिस ने दिल्ली नंबर की एक डिजायर कार पर रोककर तलाशी ली तो भरतीय व नेपाली नकली नोट बरामद किया गया।आरोपियों के पास से 52000 भारतीय व 5000 रुपये नेपाली जाली मुद्रा, एक कार, एक लैपटॉप, एक प्रिंटर, पावर केविल, कैंची जाली मुद्रा बनाने के पेपर व दो आधार कार्ड, दो पैनकार्डव पांच मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। जाली नोटों के कारोबार में गिरफ्तार किए गए लोगो में मुस्ताक निवासी त्रिकोलिया, सलीम निवासी हसनपुर कटौली, अलीम निवासी वीरसिंहपुर, फैजुल हसन उर्फ सैदुल निवासी त्रिकोलिया, कुलदीप अवस्थी निवासी रायपुर थाना ईशानगर जिला लखीमपुर शामिल हैं।

निकाय चुनाव का दूसरा चरण: सात नगर निगमों में कहीं सीधा तो कहीं त्रिकोणीय था मुकाबला

लखनऊ । नगर निकाय चुनाव के दूसरे चरण में 38 जिलों में बृहस्पतिवार को मतदान होगा। लोकसभा चुनाव से करीब एक वर्ष पहले हो रहे निकाय चुनाव में 7 नगर निगम, 95 नगर पालिका परिषद, 268 नगर पंचायत में मतदाताओं की कसौटी पर राजनीतिक दलों की परीक्षा होगी। सात नगर निगम के साथ जिला मुख्यालय की 31 नगर पालिका परिषद के चुनाव नतीजों पर सभी की नजर रहेगी। नगर निगम चुनाव में अलीगढ़, शाहजहांपुर, मेरठ और कानपुर में जहां त्रिकोणीय मुकाबले के आसार बन रहे हैं। वहीं गाजियाबाद में भाजपा का पलड़ा भारी है। अयोध्या और बरेली में भाजपा-सपा के बीच सीधा मुकाबला है।

अलीगढ़ में त्रिकोणीय मुकाबला

अलीगढ़ नगरग निगम में 2017 में बसपा ने बाजी मारी थी। इस बार महापौर चुनाव में भाजपा ने प्रशांत सिंघल को प्रत्याशी बनाया है। वहीं सपा ने जमीर उल्लाह और बसपा से सलमान शाहिद प्रत्याशी है। धार्मिक ध्रुवीकरण के आधार पर होने वाले मतदान के दम पर इस बार भी अलीगढ़ महापौर पद पर त्रिकोणीय मुकाबला दिखाई दे रहा है। भाजपा लगातार चार बार से जीती हुई सीट को 2017 में हारने के बाद अब हर कीमत पर वापसी को प्रयासरत है। इस बार नगर निगम अलीगढ़ सीमा विस्तार के बाद 9 लाख मतदाता मतदान करेंगे। अलीगढ़ में 9 लाख मतदाताओं में से तीन लाख मुसलमान, सवा लाख अनुसूचित, 2 लाख वैश्य, सवा लाख ब्राह्मण और शेष में वीसी व सामान्य वर्ग की जातियां हैं।

बरेली में भाजपा- सपा समर्थित प्रत्याशी में सीधा मुकाबला

बरेली नगर निगम महापौर चुनाव में भाजपा प्रत्याशी उमेश गौतम और सपा के समर्थित प्रत्याशी डॉ. आईएस तोमर के बीच सीधी टक्कर देखने को मिल रही है। उमेश गौतम निवर्तमान मेयर हैं और भाजपा ने दूसरी बार मैदान में उतारा है। उधर डॉ. तोमर दो बार मेयर रह चुके हैं और इस बार निर्दलीय मैदान में उतरे थे। बाद में सपा ने नाटकीय घटनाक्रम में अपने प्रत्याशी संजीव सक्सेना का पर्चा वापस करवाकर डॉ. तोमर को समर्थन दे दिया। 2017 के चुनाव में उमेश गौतम ने सपा से मैदान में उतरे डॉ. आईएस तोमर को हराया था। इसमें भाजपा को 1 लाख 39 हजार 127 वोट मिले थे जबकि सपा के डॉ. तोमर को 1 लाख 23 हजार 211 वोट मिले थे। इस बार भी मुकाबला इसी तरह का करीबी होने की उम्मीद दिखाई दे रही है।

गाजियाबाद में भाजपा का पलड़ा भारी

गाजियाबाद नगर निगम महापौर पद के लिए भाजपा की सुनीता दयाल , सपा गठबंधन ने पूनम यादव, कांगरेस ने पुष्पा रावत और बसपा ने निसार खान को प्रत्याशी बनाया है। गाजियाबाद को भाजपा का गढ़ माना जाता है। मतदाता खुलकर अपना रूख साफ नहीं कर रहे हैं लेकिन माहौल को देखते हुए भाजपा और सपा गठबंधन प्रत्याशी के बीच सीधा मुकाबला होने के आसार है। बसपा की निसार खान को जितने मुस्लिम वोट मिलेंगे उसका सपा को नुकसान होगा।

शाहजहांपुर में कड़ा मुकाबला

तीन मंत्रियों के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बनी शाहजहांपुर नगर निगम सीट में भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला दिख रहा है। कांग्रेस और बसपा भी फिलहाल मतदाताओं की कृपा के आसरे में हैं। विधानसभा चुनाव की तरह हिंदू मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण पर काफी कुछ निर्भर करेगा। भाजपा ने सपा की महापौर प्रत्याशी अर्चना वर्मा को नामांकन के एक दिन पहले अपने खेमे में शामिल कर महापौर प्रत्याशी घोषित कर दिया।

कानपुर में त्रिकोणीय मुकाबला

कानपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा, सपा और कांग्रेस के बीच त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं। भाजपा ने निर्वतमान महापौर प्रमिला पांडेय को प्रत्याशी बनाया है। वहीं सपा ने विधायक अमिताभ वाजपेयी की पत्नी वंदना वाजपेयी को प्रत्याशी बनाया हैं। कांग्रेस आशनी विकास अवस्थी को मुकाबले में उतारा है। ब्राह्मण बहुल कानपुर नगर निगम क्षेत्र में तीनों ही प्रमुख दलों ने ब्राह्मण प्रत्याशी उतारे हैं। बसपा ने अर्चना निषाद को प्रत्याशी बनाया है।

अयोध्या में भाजपा - सपा की सीधी लड़ाई

मतदान की तिथि करीब आने के साथ प्रदेश में सबसे अहम मानी जाने वाली नगर निगम अयोध्या में चुनावी तस्वीर साफ होने लगी है। नगर निगम के महापौर पद के लिए कुल नौ प्रत्याशी मैदान में है लेकिन मुकाबला भाजपा प्रत्याशी महंत गिरीश पति त्रिपाठी और सपा प्रत्याशी आशीष पांडेय के बीच आमने-सामने होने की संभावना है। कांग्रेस से प्रमिला राजपूत, बसपा प्रत्याशी राम मूर्ति यादव इसे त्रिकोणीय बनाने के प्रयास में हैं। आम आदमी प्रत्याशी इं. कुलभूषण साहू बीच से अपना रास्ता बनाने की कोशिश में है।

मेरठ में महापौर के लिए त्रिकोणीय मुकाबला

मेरठ नगर निगम में महापौर चुनाव में अभी तक त्रिकोणीय मुकाबले के आसार बन रहे हैं, लेकिन मुस्लिम मतदाताओं का रुख पूरे चुनाव की तस्वीर पलट सकता है। सभी दलों के नजरें मुस्लिम मतदाताओं पर ही टिकी हैं। भाजपा से हरिकांत अहलूवालिया मैदान में हैं तो सपा से सीमा प्रधान प्रत्याशी हैं।

ऐसे बदली किस्मत और बन गए बॉलीवुड के बादशाह

फिल्म में नहीं फौज में जाना चाहते थे शाहरूख खान

शाहरुख खान ने अपने पुराने इंटरव्यू में बताया कि वे आर्मी में जाना चाहते थे. इसके लिए काफी दिलचस्पी भी थी. कोलकाता में सैनिक स्कूल के बारे में भी जानकारी की थी. शाहरुख खान ने इंटरव्यू के दौरान बताया था कि मुझे पता चला कि आर्मी में जाने के लिए बाल कटवाने पड़ते हैं. इस कारण शाहरुख ने आर्मी जाने का ख्वाब छोड़ दिया. शाहरुख बताते हैं कि जिंदगी में उन्हें एक बार फिर से रील लाइफ में वर्दी पहनने का मौका मिला.

शाहरुख खान आज अपना 57वां जन्मदिन मना रहे हैं. जन्मदिन के मौके पर शाहरुख को बधाइयों का तांता लगा है. हर साल की तरह इस साल भी शाहरुख के घर के नीचे भीड़ जमा है. शाहरुख खान आज भारत के सबसे बड़े सितारों में से एक हैं. शाहरुख खान के पूरी दुनिया में फैन हैं. कभी ऐसा भी था कि जिस एक्टिंग ने शाहरुख को दुनियाभर में पहचान दिलाई उन्हें उसमें कोई दिलचस्पी नहीं थी. बल्कि शाहरुख तो फौज में जाना चाहते थे.अभिनेता शाहरुख खान आज देश के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं. इस धरती पर शायद ही ऐसा कोई देश होगा जहां शाहरुख का फैन ना रहता हो. अपने 30 साल के करियर और 57 साल की जिंदगी में शोहरत का एक नया मुकाम हासिल किया.

आर्मी में जाना चाहते थे शाहरुख खान

सुपरस्टार शाहरुख खान आज दुनिया भर में अपने रोमांस के लिए जाने जाते हैं. एक ऐसा दौर था जब शाहरुख खान की फीमेल फॉलोइंग पूरी दुनिया के सितारों में सबसे ज्यादा थी. फौजी टीवी सीरियल से अपने करियर की शुरुआत करने वाले शाहरुख खान जल्द ही अभिनय की दुनिया का चमकता सितारा बन गए. लेकिन शाहरुख खान कभी फिल्मों में नहीं आना चाहते थे. शाहरुख खान आर्मी में जाने का सपना सजाए थे. पुराने इंटरव्यू में शाहरुख कई दफा इसका जिक्र कर चुके हैं.

बालों के कारण नहीं ज्वाइन किया आर्मी स्कूल

शाहरुख खान ने अपने पुराने इंटरव्यू में बताया कि वे आर्मी में जाना चाहते थे. इसके लिए काफी दिलचस्पी भी थी. कोलकाता में सैनिक स्कूल के बारे में भी जानकारी की थी. शाहरुख खान ने इंटरव्यू के दौरान बताया था कि मुझे पता चला कि आर्मी में जाने के लिए बाल कटवाने पड़ते हैं. इस कारण शाहरुख ने आर्मी जाने का ख्वाब छोड़ दिया. शाहरुख बताते हैं कि जिंदगी में उन्हें एक बार फिर से रील लाइफ में वर्दी पहनने का मौका मिला.

शाहरुख खान एक्टिंग में आने से पहले मीडिया की पढ़ाई कर रहे थे. इसी दौरान उनकी थियेटर करने की दिलचस्पी जागी. साल 1988 में शाहरुख खान को पहला टीवी सीरियल करने का मौका मिला. लेख टंडन के टीवी सीरियल 'दिल दरिया' किसी कारण रिलीज नहीं हुआ. इसी दौरान शाहरुख खान को फौजी सीरियल में रोल मिल गया. यहीं से शाहरुक के सफर की शुरुआत हुई और आज शाहरुख की शोहरत से हर कोई वाकिफ है.

उर्फी जावेद को स्टाफ मेंबर ने लगाई लाखों रुपये की चपत

अभिनेत्री उर्फी जावेद अक्सर अपने फैशन सेंस को लेकर खबरों में रहती हैं। एक ओर जहां उर्फी को उनके हटकर अंदाज के लिए खूब वाहवाही मिलती है तो दूसरी ओर उन्हें खूब ट्रोल भी किया जाता है। हालांकि इस बीच उर्फी से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। उर्फी जावेद को उनके ही एक स्टाफ मेंबर ने लाखों रुपये की चपत लगाई है। हालांकि इसके बाद भी उर्फी ने उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत नहीं करवाने का फैसला किया है। दरअसल हाल ही में उर्फी जावेद से जुड़ी एक खबर सामने आई कि उन्हें किसी ने लाखों रुपये की चपत लगाई है, वहीं बाद में पता लगी कि उर्फी के साथ ऐसा उनकी की एक स्टाफ मेंबर ने किया है। हिन्दुस्तान टाइम्स ने जब इस बारे में उर्फी से बात की तो उन्होंने कहा, ये मेरी ही गलती है, मैंने ही उस पर कुछ ज्यादा ही भरोसा कर लिया था।

यादों की बारात बॉलीवुड की पहली मसाला फिल्म जीनत अमान-धर्मेंद्र पर भारी पड़ गए थे विजय अरोड़ा

यादों की बारात फिल्म 2 नवंबर 1973 में रिलीज हुई थी. कई एक्टर ऐसे होते हैं जो एक्टिंग भी शानदार करते हैं, हैंडसम भी होते हैं लेकिन फिर भी कामयाबी उनके कदम नहीं चूमती. एक ऐसे ही एक्टर विजय अरोड़ा के बारे में हम बात करेंगे, जिनकी फिल्म 'यादों की बारात' को 49 साल बीत गए हैं. शायद बहुत से लोगों ने इस नाम को सुना भी नहीं होगा. 2 नवंबर 1973 में रिलीज हुई फिल्म 'यादों की बारात' ने विजय को रातों-रात स्टार बना दिया था. इस फिल्म को बॉलीवुड की पहली मसाला फिल्म कहते हैं. 'यादों की बारात' में जीनत अमान धर्मेंद्र, नीतू सिंह जैसे दिग्गज कलाकार थे लेकिन विजय अरोड़ा पर्दे पर ही नहीं बल्कि फिल्म इंडस्ट्री पर छा गए. इस एक्टर के बारे में आज कम लोग ही जानते हैं.

49 बरस पहले रिलीज हुई फिल्म 'यादों की बारात' जबरदस्त हिट हुई थी, इस फिल्म का गाना 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को' को आज भी उतने ही चाव से सुना जाता है जितना 49 साल पहले सुना गया था. 1973 में फिल्म आई इस फिल्म में धर्मेंद्र लीड एक्टर थे. नीतू सिंह और जीनत अमान जैसी खूबसूरत एक्ट्रेस भी थीं, लेकिन जिस एक्टर ने इन तीनों को पीछे छोड़ दिया, वह थें विजय अरोड़ा. कहते हैं कि पर्दे पर जीनत से अधिक विजय को दर्शकों ने पसंद किया. ये बात सुनने में कुछ अजीब लग सकती है लेकिन है सौ फीसदी सच. हैंडसम एक्टर विजय की लड़कियां दीवानी हो गईं. बता दें कि ये वही दौर था जब हर तरफ राजेश खन्ना का जलवा था.

राजेश खन्ना भी विजय अरोड़ा की तारीफ करते थे

बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार राजेश को लेकर दीवानगी का आलम ये था कि राजेश को टक्कर देने वाला ही कोई नहीं था. लेकिन फिल्म 'यादों की बारात' के बाद तो हर तरफ विजय की चर्चा होने लगी. कहते हैं कि ऐसे में राजेश को भी उनसे डर लगने लगा था. हैंडसम विजय अरोड़ा का संवाद अदायगी में भी कोई सानी नहीं था. विजय जब सिल्वर स्क्रीन पर डायलॉग्स बोलते थे तो दर्शक पलक झपकाए बिना टकटकी लगाए देखते रह जाते थे. ऐसे कमाल के एक्टर विजय ने राजेश खन्ना के साथ भी 'रोटी', 'सौतन', 'निशान' जैसी कुछ फिल्मों में काम किया. राजेश भी विजय के मुरीद थे, उन्होंने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में कहा था कि 'अगर उनकी जगह कोई ले सकता है तो सिर्फ विजय'.

विजय अरोड़ा की सितारा बुलंदी पर नहीं पहुंचा

70-80 के दौर में लीड एक्टर और को-एक्टर के तौर पर विजय ने कई फिल्मों में काम किया. फिल्मी दुनिया में कदम रखने से पहले पुणे फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया से ग्रेजुएशन किया था. विजय में जितनी क्षमता थी उस लिहाज से सफलता हासिल नहीं कर पाए. ऐसे शानदार एक्टर विजय का सितारा बुलंदी पर ही नहीं पहुंचा. इसकी वजह तो पता नहीं लेकिन जिसे सुपरस्टार बनना चाहिए था वो नजर आया रामानंद सागर के प्रसिद्ध टीवी धारावाहिक 'रामायण' में, वो भी रावण के पुत्र मेघनाद के रुप में. इस भूमिका में भी विजय की काफी सराहना हुई. साल 2007 में कैंसर से विजय का निधन हो गया, लेकिन 70 के दशक का ये हैंडसम हीरो गुमनामी में ही रहा.'चुरा लिया है तुमने जो दिल को' गाना आज भी पसंद किया जाता है'यादों की बारात' को बॉलीवुड की पहली मसाला फिल्म कहते हैं जिसकी पटकथा सलीम-जावेद ने फिल्म लिखी थी और नासिर हुसैन डायरेक्टर प्रोड्यूसर थे. इस फिल्म में आर डी बर्मन ने संगीत दिया था और गाने मजरुह सुल्तानपुरी ने लिखे थे. आशा भोसले और मोहम्मद रफी की आवाज में गाया 'चुरा लिया है तुमने जो दिल को' आज भी जबरदस्त हिट है. इस फिल्म की अपार सफलता ही थी।

सावंत गंजापन छिपाने के लिए लगाती हैं हेयर एक्सटेंशन

शर्लिन चोपड़ा ने पिछले दिनों मीडिया के साथ बातचीत में कहा था कि मुंबई पुलिस मामले में आरोपी साजिद खान के खिलाफ बयान दर्ज करने को लेकर उन्हें सपोर्ट नहीं कर रही है। इसके बाद एक्ट्रेस राखी सावंत ने पापाराजी के साथ बातचीत में उनके इस बयान का मजाक उड़ाया था। राखी सावंत ने कहा था कि कोई केस नहीं लेगा क्योंकि साजिद कसूरवार नहीं है। अब शर्लिन चोपड़ा ने भी इस मामले पर प्रतिक्रिया दी है।राखी सावंत ने पैप्स के साथ बातचीत में कहा था कि क्यों लेगा जब वो (साजिद) दोषी नहीं हैं। उसके खिलाफ किसी ने गवाही नहीं दी, कोर्ट ने साजिद खान को सजा-ए-फांसी या काला पानी की सजा नहीं दी। तुम मेकअप 4 किलो का लगाकर, साड़ी पहन कर, मीडिया के सामने दूसरों पर दोष लगाती हो। शर्म नहीं आती है तुम्हें चुल्लू भर पानी में डूब क्यों नहीं जातीं तुम? यह क्लिप देखने के बाद शर्लिन चोपड़ा ने भी राखी सावंत को जवाब दिया है। उन्होंने कहा, ये सब क्या बकवास है? जिम के अंदर जाकर थोड़ी कसरत करो और मसल्स बनाओ। राखी सावंत की पर्सनल लाइफ पर प्रहार करते हुए शर्लिन चोपड़ा ने कहा, आदिल से पहले उसके जितने भी बॉयफ्रेंड थे वो सब टाइमपास थे। शर्लिन ने कहा कि राखी मेहनत नहीं करना चाहती है और इसीलिए पूरे वक्त बस मीडिया के सामने बकबक करती रहती हैं।

अनुपमा को भूतों-चुड़ैलों से है प्यार!

टीवी शो अनुपमा में लीड रोल प्ले करने वाली रुपाली गांगुली की सोशल मीडिया फॉलोइंग भी कुछ कम नहीं है। सिर्फ इंस्टाग्राम पर 26 लाख से ज्यादा लोग रुपाली गांगुली को फॉलो करते हैं। रुपाली अपने फैंस के लिए आए दिन अपनी पर्सनल या प्रोफेशनल लाइफ की झलकियां शेयर करती रहती हैं, और हाल ही में उन्होंने अपने घर में एक शानदार हैलोवीन पार्टी रखी जिसमें खासतौर पर बच्चों को इनवाइट किया गया।

रुपाली ने घर को दिया हॉरर लुक

रुपाली गांगुली ने अपने बेटे रुद्रांश के लिए हैलोवीन पार्टी का केक काटा और पूरे घर को हॉरर लुक में सजाया। रुपाली गांगुली ने पार्टी का वीडियो भी इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो को उन्होंने कई छोटे-छोटे टुकड़ों में डाला है। वीडियो में रुपाली गांगुली ने घर की डेकोरेशन और बच्चों का डरावना लुक दिखाया है।

अनुपमा ने किया चुड़ैल को किस

रुपाली गांगुली एक क्लिप में चुड़ैल वाले प्रॉप के पास जाकर खड़ी हो जाती हैं। इस चुड़ैल की चमकती लाल आंखें और आवाज वाकई डरावनी है, लेकिन अनुपमा किसी से डरती कहां है। अनुपमा फेम रुपाली गांगुली इस प्रॉप के साथ वीडियो बनाती हैं और कहती हैं मुझे यह बहुत प्यारी लगती है। वह इस चुड़ैल को किस कर लेती हैं।

कमेंट सेक्शन में आए ऐसे रिएक्शन

रुपाली गांगुली ने इन क्लिप्स को शेयर करते हुए लिखा- हैलोवीन के जोशीले। मैंने कल रात यह सब किया। कमेंट सेक्शन में लोगों ने भी रुपाली को हैलोवीन की शुभकामनाएं दी हैं। एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, %आपके एक्सप्रेशन्स आउट ऑफ द वर्ल्ड हैं।% एक अन्य शख्स ने लिखा- कितनी भयानक डेकोरेशन है।

साध्वी प्राची ने निर्दलीय उम्मीदवार को बताया सांड, कहा- ये कहीं भी घुस सकते हैं

उत्तर प्रदेश में 11 मई को निकाय चुनाव के तहत दूसरे चरण की वोटिंग होनी है. तमाम पार्टियां इस चुनाव में जीत हासिल करने के लिए ताबड़तोड़ रैलियां और जन सभाएं कर रही हैं. वहीं, पार्टियों के स्टार कैंपेनर एक-एक सीट तक अपनी पहुंच बनाने में जुटे हुए हैं. इसी कड़ी में यूपी के पीलीभीत में भारतीय जनता पार्टी की नेता साध्वी प्राची ने जनसभा को संबोधित कर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा.उन्होंने अपने संबोधन में निर्दलीय प्रत्याशी को सांड तक बता डाला. दरअसल, साध्वी प्राची पूरनपुर नगर पालिका अध्यक्ष पद के लिए चुनाव में किस्मत आजमा रहे भाजपा प्रत्याशी शैलेंद्र गुप्ता के समर्थन में एक दिवसीय दौरे पर पहुंची थीं. उन्होंने देर रात सर्राफा मार्केट पानी वाली टंकी और धानुकको की गोटियां में जनसभा को संबोधित किया.इस दौरान साध्वी प्राची ने तीन तलाक, कश्मीर और राम मंदिर सहित कई मुद्दों पर चर्चा की. उन्होंने सपा की पूर्व की सरकार और कांग्रेस पर जमकर हमला बोला. इस दौरान साध्वी प्राची ने निर्दलीय प्रत्याशी को भी नहीं छोड़ा. उन्होंने कहा, निर्दलीय प्रत्याशी बिना लगाम का सांड होता है जो कभी भी, कहीं भी और किसी भी जगह जा सकता है. साध्वी प्राची के संबोधन के दौरान मंच पर मौजूद प्रफुल्ल मिश्रा ने इस दौरान नारे लगाए और मुस्लिम मोहल्लों को पाकिस्तान तक बता डाला.फायर ब्रांड नेता साध्वी प्राची ने कहा, 'हमें अपनी जातीय दीवारों को तोड़कर एक होना पड़ेगा. ये समय संगठित होने का है. अगर हम अभी संगठित नहीं हुए तो हमें जीवनभर पछतावा ही होगा. 'बजरंग दल को कांग्रेस द्वारा बैन करने की बात पर उन्होंने कहा, 'उनकी औकात नहीं है कि वो पीएफआई पर बैन का मुद्दा उठाए. जो लोग देश और समाज की बात करते हैं उन्हें ही बैन करने की बात होती है.' उन्होंने कहा कि सोनिया गांधी आतंकियों के मरने पर आंसू बहता हैं और बजरंग दल पर प्रतिबंध की बात कहती हैं. अतीक अहमद मामले को याद दिलाते हुए उन्होंने कहा, 'एक मारा है न प्रयागराज में, ज्यादा दिन तो नहीं हुए, याद तो है न या भूल गए. योगी के काम से आप खुश तो हैं न.'

अमेठी में सपा विधायक की गुंडई, थाने में पुलिस के सामने भाजपा नेता को बुरी तरह पीटा

उत्तर प्रदेश के अमेठी से एक चौंका देने वाली घटना सामने आई है. अमेठी के एक थाने में समाजवादी पार्टी के विधायक ने पुलिस के सामने ही भाजपा नेता को बुरी तरह पीट दिया.

सपा विधायक और उनके समर्थकों को भाजपा नेता पर हमला करने से रोकने के लिए पुलिस को काफी संघर्ष करना पड़ा. इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

राकेश प्रताप सिंह अमेठी से समाजवादी पार्टी के विधायक हैं. वीडियो में देखा जा सकता है कि राकेश प्रताप सिंह ने अमेठी जिले के गौरीगंज कोतवाली थाने के अंदर भाजपा नगरपालिका चुनाव उम्मीदवार रश्मि सिंह के पति दीपक सिंह के साथ मारपीट की. इस पूरे घटनाक्रम को वहां मौजूद लोगों ने अपने मोबाइल फोन में कैप्चर कर लिया.यह घटना दर्जनों पुलिसकर्मियों के सामने हुई. पुलिसकर्मी राकेश प्रताप सिंह और उनके समर्थकों को दीपक सिंह से दूर रखने के लिए संघर्ष कर रहे थे. समाजवादी पार्टी के नेता के अनुसार, दीपक सिंह थाने पहुंचे और वहां धरने पर बैठने के दौरान उनके साथ गाली-गलौज की. उन्होंने कहा कि इससे वह आपा खो बैठे.

राकेश प्रताप सिंह ने कहा कि वह विरोध पर इसलिए थे क्योंकि दीपक सिंह और उनके समर्थकों ने उनके कुछ समर्थकों के साथ मारपीट की थी, लेकिन पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी. विरोध के बीच गौरीगंज कोतवाली थाने पहुंचे दीपक सिंह को समाजवादी पार्टी के विधायक और उनके समर्थकों को जमकर गाली-गलौज करते सुना गया.एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि स्थिति अचानक नियंत्रण से बाहर हो गई और पुलिस के पास प्रतिक्रिया के लिए बहुत कम समय था जब दो राजनीतिक विरोधी अचानक आमने-सामने आ गए. उन्होंने कहा कि मामला अब सुलझ गया है और दोनों व्यक्तियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी और उनके खिलाफ मामला दर्ज किया जाएगा.

30 हजार कमाने वाली सब-इंजीनियर के पास मिली करोड़ों की संपत्ति, आलीशान घर और जमीन का भी खुलासा

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में लोकायुक्त ने गुरुवार सुबह बड़ी कार्रवाई की. आय से अधिक संपत्ति के मामले में एमपी पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन में (संविदा) काम करने वाली सब इंजीनियर हेमा मीणा के यहां छापेमारी हुई. उनके विदिशा, रायसेन और भोपाल स्थित ठिकानों पर भी लोकायुक्त ने रेड डाली. कार्रवाई जारी है और अब तक 7 करोड़ रुपये की प्रॉपर्टी का खुलासा हुआ है.दिलचस्प बात है कि सब-इंजीनियर हेमा मीणा को महज 30 हजार महीना वेतन मिलता है और उनके पास करोड़ों की आसामी निकली है. हेमा मीणा ने पिता के नाम पर बिलखिरिया में 20 हज़ार वर्ग फीट भूमि ली हुई है और 1 करोड़ रुपये का मकान भी बनाया है.इसके अलावा रायसेन और विदिशा में भी उन्होंने करोड़ों की जमीन खरीदी है. अब तक करीब 5 से 7 करोड़ की संपत्ति सामने आई. लोकायुक्त की छापामार कार्रवाई सुबह 6 बजे से चल रही है, जिसमें आय से 230 गुना संपत्ति का खुलासा हुआ है. दरअसल हेमा मीणा के खिलाफ साल 2020 में आय से अधिक संपत्ति की शिकायत मिली थी. इसके बाद जांच शुरू हुई और केस दर्ज किया गया.लोकायुक्त टीम की कमान संभाल रहे डीएसपी संजय शुक्ला के मुताबिक, हेमा मीणा के खिलाफ शिकायत मिलने के बाद विशेष पुलिस स्थापना भोपाल संभाग (लोकायुक्त) ने जांच-पड़ताल शुरू की तो सामने आया कि हेमा ने 20 हजार वर्ग फीट की जमीन अपने पिता के नाम पर बिलखिरिया में खरीदी हुई है. इसके बाद उन्होंने एक करोड़ रुपये खर्च कर घर बनवाया. इसके साथ ही विदिशा, रायसेन और भोपाल में अलग-अलग जगहों पर जमीन खरीदी. जांच में यह भी पता चला है कि उन्होंने ट्रैक्टर, धान बुवाई मशीन, हार्वेस्टर और कई एग्रीकल्टर इक्विपमेंट्स खरीदे थे. उनको महज 30 हजार रुपये तनख्वाह मिलती है. उन्होंने जो भी संपत्तियां ली हैं, वह उनकी इनकम से 230 गुना ज्यादा है. हेमा पर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है.

घर पर रामकथा करने आए थे आचार्य धीरेंद्र, चेला यजमान की पत्नी को लेकर भागा

मध्य प्रदेश के छतरपुर में एक यजमान को रामकथा करवाना महंगा पड़ गया. कथा करने आए कथावाचक का चेला ही पिछले महीने प्रेमजाल में फंसाकर उसकी पत्नी को लेकर भाग गया. इस कारण महिला का पति और उसका बच्चा दोनों परेशान हैं. पीड़ित पति ने एसपी से गुहार लगाई थी कि उसकी पत्नी को जल्द से जल्द घर लाया जाए. पीड़ित पति ने कोतवाली थाने में कथावाचक के चेले द्वारा उसकी पत्नी को भगा लेने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत कराई थी ,जिस पर पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज किया था. लेकिन एक महीने बाद जब शिकायतकर्ता की पत्नी मिल गई तो पुलिस ने उसका बयान लेते हुए शिकायतकर्ता को थाने बुलाया. लेकिन पत्नी ने पति के साथ रहने से इनकार करते हुए चित्रकूट धाम के धीरेंद्र आचार्य के चेले नरोत्तम दास दुबे के साथ रहने की इच्छा दिखाई.दरअसल मामला 2021 से शुरू हुआ, जब महिला के पति राहुल तिवारी ने गौरीशंकर मंदिर में रामकथा का आयोजन किया था. इसमें कथावाचक धीरेंद्र आचार्य अपने चेले नरोत्तम दास दुबे के साथ रामकथा करने आए थे. पति राहुल का आरोप है कि वहीं से उसकी पत्नी को चेले नरोत्तम ने प्रेमजाल में फंसाया और फिर मोबाइल नंबर लेकर दोनों बातें करने लगे. पांच अप्रैल को नरोत्तम उसकी पत्नी को घर से ले भागा. वहीं इस मामले पर एसपी ने कहा है कि पत्नी विवाद की वजह से पति के साथ रहना नहीं चाहती. इसलिए कोई केस नहीं बनता फिर भी पुलिस जांच कर रही है.

दूल्हे को घोड़ी पर बैठकर बारात ले जाने से रोका, महिलाओं से की गंदी हरकत

आगरा में दूल्हे का घोड़ी पर बैठकर बारात ले जाना दबंगों को इतना नागवार गुजरा कि उन्होंने बारात में शामिल महिलाओं से छेड़छाड़ करने के अलावा अभद्र टिप्पणी करनी शुरू कर दी. मामले की शिकायत किये जाने के चार दिनों बाद पुलिस ने आरोपी दबंगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है.

सहायक पुलिस आयुक्त (एसीपी) सदर अर्चना सिंह ने मंगलवार को कहा कि पीड़ित परिवार की शिकायत पर जांच के बाद अनुसूचित जाति-जनजाति कानून समेत भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है. उन्होंने कहा कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है.

थाना सदर अंतर्गत सोहल्ला निवासी जाटव समाज की गीता की बेटी अंजना की बारात आई थी. गीता का आरोप है कि दूल्हा घोड़ी पर बैठकर बारात के साथ चल रहा था कि अचानक आरोपी शादी समारोह में घुस आए और महिलाओं से छेड़छाड़ करने लगे. उन्होंने कहा कि विरोध करने पर आरोपियों ने बाराती तथा घराती पक्ष के लोगों को जमकर पीटा. उन्होंने कहा कि शादी में विघ्न डालने के लिए कई बार मैरिज होम की बिजली भी काट दी गई. गीता की शिकायत पर चार दिन बाद पुलिस ने चार नामजद और कुछ अज्ञात लोगों पर मामला दर्ज किया है.

गीता का आरोप है कि ठाकुर समाज की बस्ती से गुजरने के दौरान कुछ लोगों ने जातिसूचक अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हुए घोड़ी पर चढ़कर निकलने से मना कर दिया. गीता की शिकायत के मुताबिक, इसके बाद आरोपियों ने महिलाओं और लड़कियों से छेड़छाड़ शुरू कर दी. गीता ने कहा कि शादी में व्यवधान से बचने के लिए बारात बैंड बंद कर वहां से निकाली गई, लेकिन इसके बाद दबंग लाठी-डंडे लेकर मैरिज होम में घुस गए और अभद्रता की.

शॉपिंग के दौरान पत्नी हुई नाराज तो भड़क उठे बिजनौर के,छरू, धमकाया-पिटवाया

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में बिजनौर के अपर जिला मजिस्ट्रेट (,छरू) की दबंगई का एक बेहद हैरान करने वाला मामला सामने आया है. दरअसल ये बताया जा रहा है कि दो दिन पहले एडीएम साहब की पत्नी शॉपिंग करने पहुंची थीं, जहां उनका एक दुकानदार के साथ किसी बात को लेकर विवाद हो गया था. इसके बाद मैडम ने फौरन इसकी सूचना अपने ऑफिसर पति को दी तो उनका गुस्सा फूटा और वो उसी बाजार पहुंचे जहां उनके साथ मौजूद युवकों ने दो सेल्समैन की जमकर धुनाई करते हुए उन्हें सबक सिखाने का दावा किया.अब इसी मामले का एक वीडियो वायरल हो रहा है. इस वीडियो में उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के अपर जिला मजिस्ट्रेट (,छरू) फाइनेंस अपने गनर के साथ एक दुकान पर पहुंचे जहां उनके साथ मौजूद दो युवकों ने दोनों सेल्समैन को जमकर खरी खोटी सुनाते हुए पीट दिया. बिजनौर के एडीएम फाइनेंस अरविंद कुमार एक आर्टिफिशियल ज्वेलरी शॉप में गए थे. वहां पर उनके साथियों ने सेल्समैन के साथ मारपीट की. इसके पहले पत्नी की नाराजगी से भड़के बिजनौर एडीएम ने अपना सरकारी रसूख दिखाते हुए गाजियाबाद थाने की पुलिस को कार्रवाई करने के लिए फोन लगाया था. जिसके फौरन बाद गाजियाबाद पुलिस तुराबनगर मार्केट में पहुंची और दोनों सेल्समैन को थाने उठा लाई.सेल्समैन को सबक सिखाने की इस पूरी प्रकिया में दोनों से माफीनामा लिखवाया, तब भी साहब का दिल नहीं पसीजा. इसके बाद बिजनौर एडीएम खुद दुकान पर पहुंचे. उनके साथ गनर और दो अन्य लोग भी थे. जिन्होंने सेल्समैन को थप्पड़ जड़ दिए. आम आदमी को भले ही त्वरित इंसाफ न मिले लेकिन साहब का इगो हर्ट हुआ तो उन्होंने अपनी पावर दिखाने में दो मिनट का वक्त भी नहीं लगाया. अब बिजनौर के एडीएम की ये दबंगई पूरे शहर में चर्चा का विषय बनी हुई है।

चौकी इंचार्ज की कुर्सी की मर्यादा हुई भंग, युवक ने थाने को बनाया मयखाना, अब हुआ सख्त एक्शन

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक व्यक्ति ने कानून की मर्यादाओं को लांघते हुए थाना प्रभारी की कुर्सी को ही मयखाने में तब्दिल कर दिया है। इस मालमे में उत्तर प्रदेश पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार कर लिया है ।जानकारी के मुताबिक ये मामला उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के खाताखेड़ी थाना की है, जहां पुलिस स्टेशन में बैठकर एक युवक का शराब पीते हुए फोटो काफी वायरल हो रहा है। वायरल फोटो के आधार पर युवक को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी को भी गिरफ्तार कर लिया है। माना जा रहा है कि ये फोटो होली के समय का है और अब वायरल हो रहा है। इस फोटो में जो युवक शराब पी रहा है उसकी पहचान इमरान के तौर पर हुई है, जो कि थाना प्रभारी सचिन त्यागी की कुर्सी पर बैठकर शराब का गिलास उड़ेलता दिख रहा है। फोटो में थाना प्रभारी की टेबल पर पानी की बोतलें और चकना भी रखा है।

फोटो वायरल होने के बाद इस मामले पर खुद एसएसपी ने संज्ञान लिया और जांच के बाद थाना प्रभारी को निलंबित किया। पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए युवक को भी गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि ये सामने नहीं आया है कि युवक का थाना प्रभारी से क्या रिश्ता है और वो इस कुर्सी पर उसने बैठने का साहस कैसे किया था।

वहीं पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी का इस घटना में क्या रोल है इसकी भी जांच की जा रही है क्योंकि थाना प्रभारी की सीट पर बैठने का साहस करना ही ताज्जुब की बात है। मगर आरोपी युवक ना सिर्फ थाना प्रभारी की कुर्सी पर बैठा बल्कि उस थाना प्रभारी की कुर्सी पर बैठकर कुर्सी की गरिमा के साथ खिलवाड़ भी किया।

टीचर ने कॉपी पर 30 बार लिखवाया , कल मैं अपनी फीस लाना नहीं भूलूंगा, मच गया बवाल

महाराष्ट्र के ठाणे शहर में कथित तौर पर स्कूल फीस नहीं चुकाने पर एक शिक्षिका द्वारा कुछ छात्रों को दंडित किए जाने के बाद शिक्षिका को निलंबित कर दिया गया है. अधिकारियों ने यह जानकारी दी है. आश्चर्य की बात यह है कि टीचर ने छात्रों को अपनी नोटबुक में कुछ ऐसा लिखने को कहा जिससे बवाल मच गया. फीस ना लाने के चलते एक बार नहीं बल्कि 30 बार ऐसा लिखने को कहा गया.

जानकारी के मुताबिक यहां के एक निजी स्कूल में छठी कक्षा की शिक्षिका ने छात्रों को अपनी नोटबुक में 30 बार यह लिखने को कहा कि 'कल मैं अपनी स्कूल फीस लाना नहीं भूलूंगा/भूलूंगी.' शिक्षिका ने छात्रों को जो लिखने के लिए कहा था उसका वीडियो क्लिप सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित होने के बाद कुछ अभिभावकों ने प्रदर्शन शुरू किया ।मीडिया रिपोर्ट्स के मुतबिक ठाणे नगर निगम ने निगम आयुक्त अभिजीत भांगर ने शिक्षा अधिकारी को स्कूल का दौरा करने तथा मामले में जांच करने का आदेश दिया है. बताया गया कि शिक्षा अधिकारी ने जांच शुरू की जिसके बाद स्कूल प्रबंधन ने शिक्षिका को निलंबित कर दिया है. विज्ञप्ति में कहा गया है कि शिक्षा विभाग ने स्कूल को शिक्षिका के खिलाफ उचित कार्रवाई का निर्देश दिया था.

यह भी सुनिश्चित करने का आदेश दिया गया कि ऐसी बातें दोबारा नहीं हों, इसके लिए स्कूल को चेतावनी भी दी गई. स्कूल मामले में जांच कर रहा है।

वामपंथी यूनियन के गुंडागर्दी के खिलाफ देश व्यापी प्रदर्शन

एआईआरएफ से संबंधित यूनियनों की गुंडागर्दी के विरोध में माननीय रेल मंत्री को संबोधित ज्ञापन महाप्रबंधक को सौंपा

एआईआरएफ के गढ़ दक्षिण रेलवे के चेन्नई स्थित पेरंबूर वर्कशॉप में बीएमएस की यूनियन डीआरकेएस की बढ़ती लोकप्रियता से बौखलाए एआईआरएफ की यूनियन एसआरएमयू के गुंडों ने डीआरकेएस के जोनल उपाध्यक्ष एवं शाखा मंत्री पर कारखाना परिसर में ही ड्यूटी के दौरान खतरनाक हथियारों एवं लोहे की रॉड से जानलेवा हमला कर दिया और जब इसकी शिकायत सीडब्ल्यूएम पेरंबूर से की तो उन्होंने सुनने से इनकार कर दिया बल्कि सीडब्ल्यूएम पेरंबूर द्वारा घायलों के इलाज होने में भी बाधा उत्पन्न की गयी। जिसकी निंदा करते हुए भारतीय रेलवे मजदूर संघ के आह्वान पर यूएमआरकेएस द्वारा आज दिनांक 10 मई 2023 को महाप्रबंधक कार्यालय पर एआईआरएफ की यूनियनों के पदाधिकारी गुंडों, जिनको रेल अधिकारियो का भी संरक्षण प्राप्त है, ऐसे अधिकारियों एवं यूनियन के विरोध में प्रदर्शन किया गया और महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे के माध्यम से माननीय रेल मंत्री को ज्ञापन प्रेषित कर आरोपी कर्मचारियों एवं सीडब्ल्यूएम पेरंबूर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई।

आपको बता दें कि उत्तर मध्य रेलवे के झाँसी, आगरा, प्रयागराज मंडलों पर भी एआईआरएफ की सम्बद्ध यूनियन एनसीआरएमयू के पदाधिकारी गुंडों के द्वारा भी कई अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ मारपीट एवं अभद्रता की गई और ऐसे आरोपी कर्मचारियों के खिलाफ कोई भी कार्यवाही नहीं की गयी है ।ज्ञापन रूपम पाण्डेय स.महामंत्री द्वारा दिया गया इस मौके पर भारतीय मजदूर संघ के विभाग प्रमुख श्री राधेश्याम पाण्डेय, स. विभाग प्रमुख श्री सुरेश चंद्र फुलवरिया, जिला मंत्री श्री रविकांत जी, रूक्ष्य्रस के जोनल कार्यकारी अध्यक्ष श्री अभिजीत राय, जोनल उपाध्यक्ष श्री बृजेश चौहान आदि रहे।

यूपी में पहली बार यहां जीती बीजेपी मुस्लिम बहुल इलाके में ऐसे लहराया 'भगवा'

यूपी निकाय चुनाव में बीजेपी ने क्लीन स्वीप कर दिया है. यूपी के सभी 17 नगर निगमों पर बीजेपी ने भगवा लहरा दिया है. निकाय चुनाव में सबसे बड़ा कमाल तो सीतापुर जिले की खैराबाद नगर पालिका में देखने को मिला. खैराबाद निकाय चुनाव के नतीजों ने सभी को चौंका दिया. खैराबाद एक मुस्लिम बहुल इलाका है. खैराबाद नगर पालिका के अध्यक्ष पद पर आज तक कोई भी बीजेपी कैंडिडेट काबिज नहीं हो पाया था लेकिन अब ये मुमकिन हो गया है. यूपी निकाय चुनाव 2023 में बीजेपी उम्मीदवार बेबी गुप्ता ने 528 वोटों से जीत दर्ज करके इतिहास रच दिया है. आइए जानते हैं कि खैराबाद की सियासी राजनीति का इतिहास क्या रहा है?बता दें कि मुस्लिम बहुल खैराबाद नगर पालिका की चर्चा इस वजह से भी हो रही है क्योंकि बीते 70 साल यहां कोई गैर-मुस्लिम चेयरमैन नहीं बना है. इससे पहले बाबू राधा शरन श्रीवास्तव सन् 1951 से 1953 तक खैराबाद नगर पालिका के चेयरमैन रहे थे. बीजेपी खैराबाद नगर पालिका के चुनाव में इससे पहले कई बार अपना कैंडिडेट उतार चुकी थी, लेकिन उसे कामयाबी नहीं मिली थी. पर इस बार इतिहास पलट दिया गया. आपको जानकर आश्चर्य होगा कि बीजेपी समर्थक भी निकाय चुनाव से पहले इसी बात को बार-बार वोटर्स से कह रहे थे कि इस बार 'इतिहास पलट देना है'.जान लें कि खैराबाद नगर पालिका के अध्यक्ष पद के चुनाव में बीजेपी कैंडिडेट बेबी गुप्ता ने कुल 9,162 वोट हासिल किए और वो अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी निर्दलीय उम्मीदवार रजिया बेगम से 528 वोटों से विजयी हुईं. रजिया बेगम को 8,634 वोट मिले. रजिया बेगम पूर्व में दो बार चेयरमैन रह चुके हनीफ अंसारी की पत्नी हैं.

तौकीर रजा के खिलाफ योगी सरकार का एक्शन! अतीक के समर्थन में बयान देना पड़ा भारी

इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के चीफ मौलाना तौकीर रजा खान के खिलाफ माफिया अतीक अहमद के सपोर्ट में 'भड़काऊ' बयान देने के आरोप में केस दर्ज कर लिया गया है. बता दें कि तौकीर रजा खान ने बीते 7 मई को यूपी के फरीदपुर में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ अहमद के मर्डर और सपा नेता आजम खान के 'अपमान' का बदला लेना चाहिए. जिसके बाद तौकीर रजा खान के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था. इसका संज्ञान लेते हुए तौकीर रजा खान के खिलाफ अब आईपीसी की धारा 295-ए यानी जानबूझकर व दुर्भावनापूर्ण कृत्य धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के इरादे से, के तहत केस दर्ज किया गया है.बता दें कि यूपी के फरीदपुर में पुलिस चौकी प्रभारी सब-इंस्पेक्टर गौरव कुमार की शिकायत के आधार पर तौकीर रजा खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है. शिकायत में गौरव कुमार ने कहा कि तौकीर रजा खान ने कई जगहों पर जनसभा को संबोधित की. इस दौरान तौकीर रजा ने भड़काऊ भाषण दिए. इसके अलावा तौकीर ने लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई. इससे शांति भंग होने का खतरा है.

जान लें कि तौकीर रजा खान के खिलाफ मामले की जांच को एसआई सुनील भारद्वाज को सौंपा गया है. इस बीच, एफआईआर पर रिएक्शन देते हुए तौकीर रजा ने कहा कि ऐसा लगता है कि अब हमें बोलने का भी अधिकार नहीं है. पुलिस हिरासत में जिस प्रकार से अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ की हत्या की गई, हम उसकी निंदा करते हैं, पर मुझे फंसाने के लिए बयान का गलत अर्थ निकाला गया और उसे तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया.तौकीर रजा खान ने आगे कहा कि 'बदला' कहने का अर्थ ये नहीं है कि हम हथियार उठा लेंगे. इसका मतलब है कि हम उन्हें डेमोक्रेसी की ताकत दिखाने के लिए एक साथ वोट देंगे. गौरतलब है कि अतीक अहमद और अशरफ अहमद को हाल ही में प्रयागराज में पुलिस के सामने मीडियाकर्मियों के भेष में 3 हमलावरों ने गोली मार दी थी.

मौलाना तौकीर रजा खान ने कहा कि मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि मैं इन केस से डरने वाला नहीं हूं. सरकार मेरे ऊपर मुकदमे लगाकर मुझे चुप नहीं करा सकती है. सरकार अप्रत्यक्ष तौर पर हमारे समुदाय के मतदान के अधिकार को छीनने का प्रयास कर रही है.

दूसरी बार महापौर बनीं प्रमिला पांडेय, 177846 वोटों से जीतीं

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नौबस्ता नवीन गल्ला मंडी में मतों की गणना सुबह 8 बजे से शुरू हुई। प्रमिला पांडेय एक बार फिर मेयर बनी। उन्होंने 177846 वोटों से जीत दर्ज की है। भाजपा कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। संगठन के सभी बड़े पदाधिकारी मौजूद रहेंगे।

भाजपा प्रत्याशी प्रमिला को 440353, सपा की वंदना बाजपेई को 262507, कांग्रेस की आशनी विकास अवस्थी को 90480, बसपा की अर्चना निषाद को 52143 वोट मिले हैं। सबसे पहले पोस्टल बैलेट की गिनती की गई। जिसमें कांग्रेस और भाजपा में टक्कर रही। इसके बाद शुरू हुई ईवीएम में मतों की गिनती शुरू हुई। पहले राउंड से ही भाजपा प्रत्याशी प्रमिला पांडेय बढ़त बनाए रही। प्रत्याशियों के जीतने पर विजय जुलूस, आतिशबाजी और डीजे बजाने पर पूरी तरह रोक लगाई गई है। डीएम विशाख जी ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। वहीं मतगणना स्थल पर किसी को भी बिना पास एंट्री नहीं दी जाएगी। मतगणना कर्मियों, मतगणना एजेंट, प्रत्याशी और मीडिया कर्मियों के लिए अलग-अलग गेट बनाए गए हैं।

एआईएमआईएम को पुनः एक सीट से करना पड़ेगा संतोष

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निकाय चुनाव 2023 में तत्कालीन पार्षदों का ही बोलबाला रहा। तत्कालीन पार्षद अपनी पुरानी पार्टी से नाता तोड़कर दूसरी पार्टी में शामिल हुए।परंतु क्षेत्र की जनता ने पूर्व पार्षदों पर ही अपना विश्वास जताते हुए उन्हें फिर से नगर निगम का सदस्य बना दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड 71 सीसामऊ दक्षिणी विजेता ,वार्ड 03 से सपा के इशरत अली ने ऑल इंडिया एतिहाद उल मुस्लिमीन के पूर्व पार्षद प्रत्याशी प्रत्याशी सरोज सोनकर को 440 वोट से हराया जीत दर्ज की , वही दूसरी तरफ ऑल इंडिया एतिहाद उल मुस्लिमीन वार्ड 110 पार्षद प्रत्याशी मोहम्मद नौशाद ने समाजवादी पूर्व पार्षद प्रत्याशी को हराकर अपनी जीत सैकड़ों वोटों से दर्ज कराई,वार्ड संख्या 102 बेगम पुरवा से सपा प्रत्याशी मोहम्मद अकील सानू विजय घोषित,वार्ड 35 से सपा (बबलू यादव) 44 वोट से विजयी,वार्ड 99 से नफीस अहमद सुजात गंज से सपा विजय।वार्ड 33 से बीजेपी के घनश्याम गुप्ता जीते,वार्ड64 सर्वोदय नगर से भाजपा के नीरज बाजपेई जीते,वार्ड 70 कर्रही से भाजपा के संतोष साहू जीते,वार्ड 86 काका देव से बीजेपी प्रत्याशी कमलेश त्रिवेदी जीते,वार्ड 85 से कांग्रेस के अमनदीप सिंह जीते,वार्ड 69 से निर्दलीय अरविंद यादव जीते,वार्ड 78 से भाजपा के यशपाल सिंह जीते ।

वार्ड37 अशोक नगर से भाजपा के पवन गुप्ता जीते,वार्ड 58 से भाजपा के कैलाश पांडे जीते,वार्ड 83 से सपा की फरहा नाज पति मोहम्मद सारियां जीत हासिल की, वार्ड 106 कलेक्टर गंज से निर्दलीय शिवम दिक्षित जीते,वार्ड 107 से कांग्रेस के सिब्बू अंसारी जीते, वार्ड 109 से सोहेल खान ने अपनी जीत दर्ज कराई वार्ड 101 से सपा के मोनू गुप्ता जीते,वार्ड 104 से भाजपा के अमित गुप्ता जीते,वार्ड 97 बेगमगंज से कांग्रेस की तबस्सुम अमीम जीती का परचम लहराया!

निकाय नगर निगम पर परिणाम आते ही खुशी से फूट-फूटकर कर रोया प्रत्याशी

कानपुर निकाय नगर निगम परिणाम अबकी बार बड़े ही विचित्र आए जिनको जीत की उम्मीद नहीं थी वह जीत गए और जो जीते जीते थे वह हार गए वार्ड 102 सपा से पार्षद प्रत्याशी अकील शानू पिछले 15 वर्षों से तैयारी कर रहे थे दो बार नाकामी होने पर तीसरी बार जनता ने उनका साथ दिया 2023 के पार्षद प्रत्याशी के रूप में मैदान में समाजवादी पार्टी की ओर से उतरे अबकी बार उन्हें जीत का परचम लहराया अपनी जीत सुनने के बाद अकील शानू फूट-फूट कर रोने लगे रोने की वजह सालों पुराना संघर्ष था वहीं पर उनके समर्थकों ने शांत कराकर माला पहनाकर स्वागत किया! कहावत है कि ऊपर वाले के यहां देर है अंधेर नहीं है जिसका जीता जागता सबूत वार्ड 102 के पार्षद प्रत्याशी अकील शानू है!

वार्ड 87 भाजपा पार्षद सतीश यादव चुने गए

बीपीएस न्यूज

कानपुर नगर वार्ड 87 के पार्षद उम्मीदवार भाजपा के प्रत्याशी सतीश यादव ने भारी मतों से इतिहासिक जीत दर्ज की, वहीं पार्षद सतीश यादव ने क्षेत्र की जनता के घर -घर जा कर लिया आशीर्वाद ,पार्षद ने कहा मैं अपने वादों पर खरा उतरूंगा जनता ने मुझे चुनकर कानपुर नगर निगम पहुंचाया इसमें शामिल रहे लोग ,विकास तिवारी,ओ पी त्रिवेदी,मोहित, पुष्पेन्द्र,शैलेन्द्र सिंह , दीपेंद्र, प्रदीप शैलेन्द्र शर्मा, अजय सचान, राजू यादव, भूपेन्द्र, अंकुर, अरविन्द दुबे, अनुभव, अमरेंन्द्र शुक्ला, राजेश, ब्रजेश, राजा, डॉ, नागेंन्द्र,विपुल, शशांक, सूरज, लालू, रानू, सुब्रत, देव सिंह, रजनीश, अभिषेक, सुनील गुप्ता मंडल महामंत्री राघवेंद्र अवस्थी मनीष मिश्रा पंकज अवस्थी शुक्ला जी छोटू सिंह चौहान और समस्त कार्यकर्त्ता रहे।

घाटमपुर में उड़ी पतंग गजाला के सिर बंधा जीत का सेहरा

चंद्रकांति सचान- 4947, गजाला तबस्सुम- 5029 विजयी , निशा सचान-3708 , शिखा शर्मा-3445 , स्नेह लता-2775 , शकुंतला गोस्वामी-532

बीपीएस न्यूज

कानपुर परिक्षेत्र (कानपुर)। जिले की आदर्श नगर पालिका परिषद घाटमपुर में अध्यक्ष पद की सीट पर ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम की प्रत्याशी गजाला तबस्सुम 82 मतों से विजयी घोषित की गई। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी समाजवादी पार्टी की चंद्रकांति पत्नी विजय सचान को पराजित किया।पिछड़ा वर्ग महिला के लिए आरक्षित आदर्श नगर पालिका परिषद घाटमपुर में अध्यक्ष पद की लड़ाई में कुल छह प्रत्याशी मैदान में थे।अंतिम समय तक सपा प्रत्याशी चंद्रकांति सचान आगे थी। जबकि दूसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी एवं पूर्व चेयरमैन संजय सचान की पत्नी निशा सचान और तीसरे नंबर पर भाजपा जबकि, चौथे नंबर पर एक अन्य निर्दलीय प्रत्याशी चल रहा था। लेकिन मतगणना के अंतिम 2 राउंड में अचानक हुए परिवर्तन में आईएमआईएम की प्रत्याशी गजाला तबस्सुम ने सपा की चंद्रकांति सचान को 82 मतों से पराजित कर दिया।गजाला तबस्सुम को 5029 जबकि सपा प्रत्याशी चंद्रकांति को 4947 मत मिले। बता दें कि नगर पालिका घाटमपुर में पहली बार मुस्लिम प्रत्याशी विजयी हुआ है।

उन्नाव शहर में खिला कमल, गंगाघाट व बांगरमऊ में जीते निर्दलीय, सपा-बसपा-कांग्रेस का सूपड़ा साफ

उन्नाव। उन्नाव में नगर निकाय में उन्नाव नगर पालिका परिषद अध्यक्ष की सीट पर जहां कमल खिला। वहीं गंगाघाट में सीट भाजपा के हाथों से निकल गई। यहां पर निर्दलीय ने परचम लहराया। इसके अलावा बांगरमऊ में भी जीत निर्दलीय प्रत्याशी के हाथ लगी। वहीं सपा, बसपा व कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया। 13 पदों पर निर्दलीयों ने कब्जा किया। उन्नाव नगर पालिका परिषद में भाजपा की श्वेता मिश्रा ने सपा की नीतू पटेल को 6861 वोटों से हराया। वहीं गंगाघाट में निर्दलीय प्रत्याशी कौमुदी पांडेय ने भाजपा की रंजना गुप्ता को करारी मात देते हुए 21402 मतों से जीत हासिल की।

बांगरमऊ में निर्दलीय उम्मीदवार रहे रामजी गुप्ता ने सपा के मुफीस अहमद को 4515 वोटों से हराया। नगर पंचायतों में फतेहपुर चौरासी में भाजपा के मिथलेश कुमार, न्योतनी में ओमप्रकाश और भगवंतनगर में आशीष शुक्ला ने जीत हासिल की। रसूलाबाद में निर्दलीय गजाला अंसारी, पुरवा में रेनू गुप्ता, ऊगू में अनीता, औरास में राकेश, हैदराबाद में बृज किशोर, कुरसठ में अब्दुल रईस, मोहान में समरजीत, बीघापुर में सुशील, सफीपुर में गरिमा बाजपेयी, गंजमुरादाबाद में रूबी खातून, नवाबगंज में दिलीप लश्करी व अचलगंज में लक्ष्मी वर्मा ने चेयरमैन की कुर्सी पर कब्जा जमाया है। इनमें नवाबगंज में काफी कांटे का मुकाबला हुआ। यहां पर दिलीप लश्करी ने मात्र चार वोटों से जीत हासिल की। उन्नाव जिले में शहर की सरकार को चुने जाने के लिए शनिवार सुबह आठ बजे मतगणनास्थलों पर मतों की गिनती शुरू हो गई थी।

भौती मौरंग गिट्टी व्यापार मण्डल ने प्रमिला पांडे का पुनः विजय होने पर स्वागत किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। भौती मौरंग गिट्टी व्यापार मण्डल, कानपूर नगर के अध्यक्ष अन्नू पण्डित ने व्यापारी साथियों के साथ महापौर पद पर पुनः विजय प्राप्त करने पर मेयर प्रत्याशी प्रमिला पाण्डेय को फूल माला पहनाकर सम्मानित किया और मौरंग व्यापार से जुड़े लोगों के लिए विशेष प्रयास करने का आश्वासन दिया ! अन्नू पंडित ने कहा कि डबल इंजन की सरकार चल रही है प्रमिला पांडे के दोबारा मेयर पद जीत जाने से ट्रिपल इंजन की सरकार बन चुकी है अब शहर में विकास होगा! स्वागत करने वालो में विशेष रूप से अंकित शुक्ला, अरुण माली, रिंकू शुक्ला, आलोक कटियार, राम कृपाल यादव, सौरभ, शिवम दीक्षित, अनुराग मिश्र ,राजन सिंह चौहान, रजत मिश्रा, ललित ,अमित यादव, आदि लोग मौजूद रहे!

संकल्प सेवा समिति ने मातृशक्तियों ने किया रक्तदान

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मदर्स डे के अवसर पर संकल्प सेवा समिति ने मधुलोक ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर आयोजित किया। रक्तदान शिविर में किदवई नगर पिंक चौकी प्रभारी सबइंस्पेक्टर रूबी सिंह और कॉन्स्टेबल नेहा श्रीवास, एडवोकेट वंदना सिंह राजावत, चार्टेड एकाउंटेंट शची शर्मा, चयनिका निगम, कल्पना त्रिवेदी सहित 10 मातृशक्तियो ने रक्तदान किया, सभी महिला रक्तदाताओं को संस्था के द्वारा प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, रक्तदान शिविर में शची शर्मा बंगलोर में रहती है, और जब जब कानपुर आती है वो संकल्प सेवा समिति के अध्यक्ष संतोष सिंह चौहान से संपर्क करके रक्तदान करती है, आज मदर्स डे के अवसर पर मातृशक्तियो ने रक्तदान करके आम जनमानस को ये संदेश दिया कि हर विशेष मौके पर लोगो को बढ़ चढ़ कर रक्तदान करना चाहिए, रक्तदान शिविर में डॉ लोकेंद्र सिंह, राजीव पांडेय, योगेन्द्र चौहान, शिवपूजन आदि उपस्थित रहे।

868 लोग जाएंगे हज, स्वास्थ्य विभाग करेगा टीकाकरण

15 और 16 मई को हाजियों का टीकाकरण करके दी जाएगी यात्रा की जानकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। हज यात्रियों का सोमवार सुबह नौ बजे से शाम पांच बजे तक बांसमंडी स्थित गरीब नवाज गेस्ट हाउस और मंगलवार को जाजमऊ स्थित डीपीएस इंटर कॉलेज में टीकाकरण किया जाएगा। इस बार हज यात्रा पर जिले से 868 लोग जा रहे हैं। जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा. एके कन्नौजिया ने बताया कि इस साल हज यात्रा पर जाने वाले यात्रियों के टीकाकरण के लिए संचारी रोग निदेशक की तरफ से पत्र मिला था। इसके अलावा जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी की ओर से टीकाकरण के लिए पत्र आया था। इस पर हज जाने वाले मेनिजाइटिस (मस्तिष्क ज्वर) सीजनल इनफुलंजा वैक्सीन (संक्रमण) व ओरल पोलियो ड्राप पिलाकर टीकाकरण किया जायेगा। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य संबंधी जरूरी जानकारी दी जाएगी। उप जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ जसवीर सिंह ने बताया कि टीकाकरण कार्य के लिए चिकित्साधिकारियों को नामित किया गया है।

जमीयत उलेमा शहर कानपुर की कार्यकारिणी की बैठक 14 मई को होगीप्रदेश अध्यक्ष मौलाना अब्दुर्रब आज़मी मुख्य अतिथि के रूप में करेंगे शिरकत

बीपीएस न्यूज

कानपुर। जमीयत उलेमा शहर कानपुर के कार्यकारिणी सदस्यों एवं पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आज दिनांक 14 मई बरोज़ इतवार बाद नमाज़ मग़रिब कार्यालय नगर जमीयत उलेमा जमीयत बिल्डिंग रजबी रोड कानपुर में नगर अध्यक्ष डा. हलीमुल्लाह खां की अध्यक्षता में आयोजित होगी। नगर जमीयत के महासचिव और प्रदेश उपाध्यक्ष मौलाना अमीनुल हक़ अब्दुल्लाह क़ासमी ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि आज की बैठक में हज़रत मौलाना अब्दुर्रब साहब आज़मी अध्यक्ष जमीयत उलेमा उत्तर प्रदेश मुख्य अतिथि के रूप में तशरीफ ला रहे हैं।

बैठक में ईद के अवसर पर नमाज़ पढ़ने पर दर्ज हुए मुक़दमें के अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज सुधार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विमर्श होगा। मौलाना अब्दुल्लाह ने कहा कि जमीयत के सदस्यों एवं पदाधिकारियों को बैठक के लिये निमंत्रण भेजा जा चुका है, अगर किसी कारणवश किसी तक निमंत्रण नहीं पहुंच सका हो तो उनसे गुज़ारिश है कि इस ख़बर को ही निमंत्रण समझ कर अपना समय निकाल कर इस महत्वपूर्ण बैठक कार्यकारिणी के सभी लोग उपस्थित होंगे!

पोस्टल बैलट में भाजपा पहले तो सपा दूसरे नंबर पर रही

कानपुर। डाक मतपत्र में भी भाजपा आगे रही। महापौर के लिए कुल 1616 मत डाले गए थे जिसमें 81 मतपत्र रद्द कर दिए गए। जिसमें बाद कुल वैध मत 1535 डाले गए। इसमें प्रमिला पांडेय 612 मत प्राप्त हुए जबकि यहां भी दूसरे नंबर पर रहने वाली सपा की वंदना बाजपेई को 564 मत प्राप्त हुए। इनके साथ बसपा को 152, कांग्रेस को 92 मत प्राप्त हुए। इसमें भी नोटा को 21 कर्मचारियों ने वोट दिया। गांधी ग्राम के वार्ड 26 का चुनाव परिणाम सबसे पहले आया। यहां परिणाम सुबह 10.15 बजे तक घोषित कर दिया गया था। यहां से नरोत्तम कुमार जीते हैं। इस वार्ड पर 4055 वोट डाले गए थे। यहां कुल 29.09 प्रतिशत मतदान हुआ था। जबकि सबसे अंत में वार्ड 88 बसंत विहार का परिणाम आया। यहां कुल 9793 वोट पड़े थे। कानपुर के सूटरगंज वार्ड 75 के एक बूथ पर 700 वोट बढ़ने की शिकायत जिलाधिकारी से की गई। भाजपा प्रत्याशी दीप नारायण गुप्ता ने बताया कि सूटरगंज के बूथ संख्या 1335 पर 1391 वोट थे। जब मतदान हुआ तो यहां कुल 644 वोट पड़े थे। लेकिन 13 मई को जब मतगणना हुई तो 1344 वोट निकले।

कम मतदान होने के बावजूद शहर में भाजपा का ग्राफ बढ़ा,मतदाताओं ने आशंका को गलत साबित किया

बीपीएस न्यूज

कानपुर। नगर निगम चुनाव में पिछली बार की तुलना में मतदान कम हुआ,लेकिन भाजपा के मत में इजाफा हुआ है। वोट कम पड़ने पर चुनाव विश्लेषकों ने भाजपा को नुकसान होने की आशंका जताई थी,लेकिन मतदाताओं ने भाजपा प्रत्याशी को भारी भरकम जीत दिलाकर राजनैतिक पंडितों की आशंका को गलत साबित किया।पिछले निकाय चुनाव से 72 हजार 712 से ज्यादा वोट मतदाताओं ने भाजपा की झोली में डाल दिए।2017 के निकाय चुनाव में 21 लाख 35 हजार 72 मतदाताओं में से नौ लाख 42 हजार 497 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था। इस तरह तब 44 प्रतिशत मतदान हुआ था। इस बार 22 लाख 17 हजार 517 वोटर थे। इनमें से 41.34 मतदाताओं ने ही वोट डाले थे।

कम मतदान होने पर राजनीतिकों के बीच चर्चा का विषय था कि यह संकेत भाजपा के लिए ठीक नहीं है। इन सभी कयासों को भाजपा के पक्ष में आए परिणाम ने खारिज कर दिया है।लेकिन इस बार पड़े नौ लाख 16 हजार 735 मतों में से भाजपा को 48.03 प्रतिशत मिल गए। बाकी करीब 52 प्रतिशत वोट में बंटवारा हुआ। इसमें सपा, कांग्रेस, बसपा और अन्य प्रत्याशियों को मिले। इससे साफ जाहिर हो रहा है कि शहर में भाजपा का ग्राफ बढ़ रहा है। वर्तमान क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल की संगठनात्मक रणनीति वार्डों से लेकर महापौर प्रत्याशी के लिए वोट जुटाने में सफल रही। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का पहले दिन से लेकर आखिरी दिन तक प्रमिला के पक्ष में प्रचार भी काम आया। कहा जा रहा है कि भाजपा के अंदर चल रही अंदरूनी खींचतान भी उस दिन से काफी हद तक कम हो गई, जब टिकट वितरण को लेकर नाराज चल रहे सांसद सत्यदेव पचौरी को अपने साथ लेकर जनसभा में पहुंचे। उस दौरान मंच पर नीतू सिंह का मौजूद होना भी इस बात का संकेत दे गया था कि अब सब ठीक है।

सीआईएससीई बोर्ड का रिजल्ट में 12वीं में अहाना आई टॉपर

बीपीएस न्यूज

कानपुर। सीआईएससीई बोर्ड का परिणाम रविवार दोपहर 3 बजे घोषित किए गए। द चिंटल स्कूल रतनलाल नगर की 12वीं की छात्रा अहाना अरोड़ा ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर शहर में ही टॉप नहीं किया बल्कि ऑल इंडिया रैंक में दूसरे पायदान पर जगह बनाने में कामयाब रही है। अहाना के पिता डॉ. राजेश अरोड़ा चिकित्सक है और मां रागिनी अरोड़ा एयर फोर्स में यूडीसी के पद पर कार्यरत हैं।

अहाना ने बताया कि अब आगे मास कम्युनिकेशन का कोर्स करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चे पढ़ाई को बोझ ना समझे । इसे हर पल इंजॉय करें और पढ़ाई के लिए एक टाइम टेबल निर्धारित करें, तभी आपको सफलता हासिल होगी। अहना ने बताया कि मेरे घर पर परिवार के लोग हमेशा एक अच्छा माहौल रखते थे ताकि पढ़ाई में किसी प्रकार की डिस्टरबेंस ना हो सके।

हाई स्कूल में नंदनी व अनन्या बनी टॉपर-हाई स्कूल में 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर जयपुरिया स्कूल की नंदिनी पुरी और डॉ. विरेंद्र स्वरूप स्कूल अवधपुरी की अनन्या सिंह ने शहर में संयुक्त रूप से पहले स्थान पर जगह बनाई है। सिविल लाइंस निवासी नंदनी पुरी ने कहा कि अब इंटर में भी टॉप करके अपने स्कूल और माता-पिता का नाम रोशन करना है।वहीं डॉ. वीरेंद्र स्वरूप अवधपुरी की अनन्या सिंह ने कहा कि पढ़ाई के लिए कोई समय निर्धारित नहीं होता है। आपका जब मन करे और जितना मन करें उतना पढ़ना चाहिए। पढ़ाई करते समय दिमाग को हमेशा फ्री रखें और जो भी चीज स्कूल में पढ़ाई जाती है उसका रिवीजन जरूर करें।

सीआईएससीई की परीक्षा में दसवीं के विद्यार्थियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया। हर्षित सोनकर ने सभी विषयों में शत प्रतिशत अंक प्राप्त किये विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का नाम रौशन किया। विद्यालय की प्रधानाचार्य पारूल सक्सेना एवं डायरेक्टर रुचिरा वर्मा ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों का उत्साहवर्धन करते हुए विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना की। विद्यालय में बच्चों का सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा ही जीवन का आधारभूत स्तंभ है। विद्यालय ऐसे बालकों को निर्माण करता जो मानवीय गुणों और प्रतिभा और संपन्न हो। विद्यालय के अनुभवी शिक्षकों के मार्गदर्शन के दूसरा बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत परीक्षा फल लाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। विद्यालय में साइंस स्ट्रीम के हर्षित सोनकर ने 95ब्रके साथ स्कूल में टॉप किया है, उसके बाद पलक सिंह है। किंजल सिश्रा ने 85 प्रतिशत प्रतिशत के साथ मानविकी स्ट्रीम में टॉप किया है और उसके बाद तनीषा है।विद्यालय का नाम हर्षित सोनकर ने बारहवी में 94 प्रतिशत प्रतिशत व दसवी कक्षा की वैष्णवी पटेल ने 88 प्रतिशत प्रतिशत के साथ स्कूल में टॉप किया। जबकि हैडर्ड स्कूल की अरबिया रहमान ने हाईस्कूल में सभी विषयों मे सर्वोत्तम अंक प्राप्त कर स्कूल का नाम रोशन किया।

भारतीय सेना ने पर्यावरण को संतुलित बनाएं रखने की दी जानकारी

बीपीएस न्यूज कानपुर। भारतीय सेना की 137 सी ई टी एफ (टी ए) बटालियन 39 गोरखा राइफल ने उन्नाव स्थित ग्राम मझरा पीपर खेड़ा में गंगा स्वच्छता के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मझरा पीपर खेड़ा के ग्राम प्रधान उदय राज सिंह एवम ग्रामवासी उपस्थित रहे। इस समय गंगा टास्क फोर्स के नायब सुबेदार दल बहादुर बसनेत और अन्य जवान मौजुद थे। मझरा पीपर खेड़ा के समस्त ग्राम वासियों को ग्राम पंचायत भवन में एकत्रित करके नायब सुबेदार दल बहादुर बसनेत ने गंगा स्वच्छता व पर्यावरण को संतुलित बनाएं रखने के बारे में संबोधित किया। और सभी को गंगा संकल्प दिया गया। गंगा टास्क फोर्स के कमान अधिकारी कर्नल वेदवर्त वैध और कानपुर स्थित कम्पनी के कम्पनी कमांडर लेफ्टिनेंट कर्नल अनुप कुमार ओझा के दिशा निर्देश पर विगत चार सालों से गंगा टास्क फोर्स पौधारोपण, गंगा स्वच्छता अभियान और गंगा तटीय घाटों पर गश्त आदि कार्य निरंतर कर रही है। इस समय माझरा पीपर खेड़ा के सैकड़ों लोगों उपस्थित रहे।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक

मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2021-2023, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू व्हाट्सअप 9335908846 मो.: 8423454502 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी।